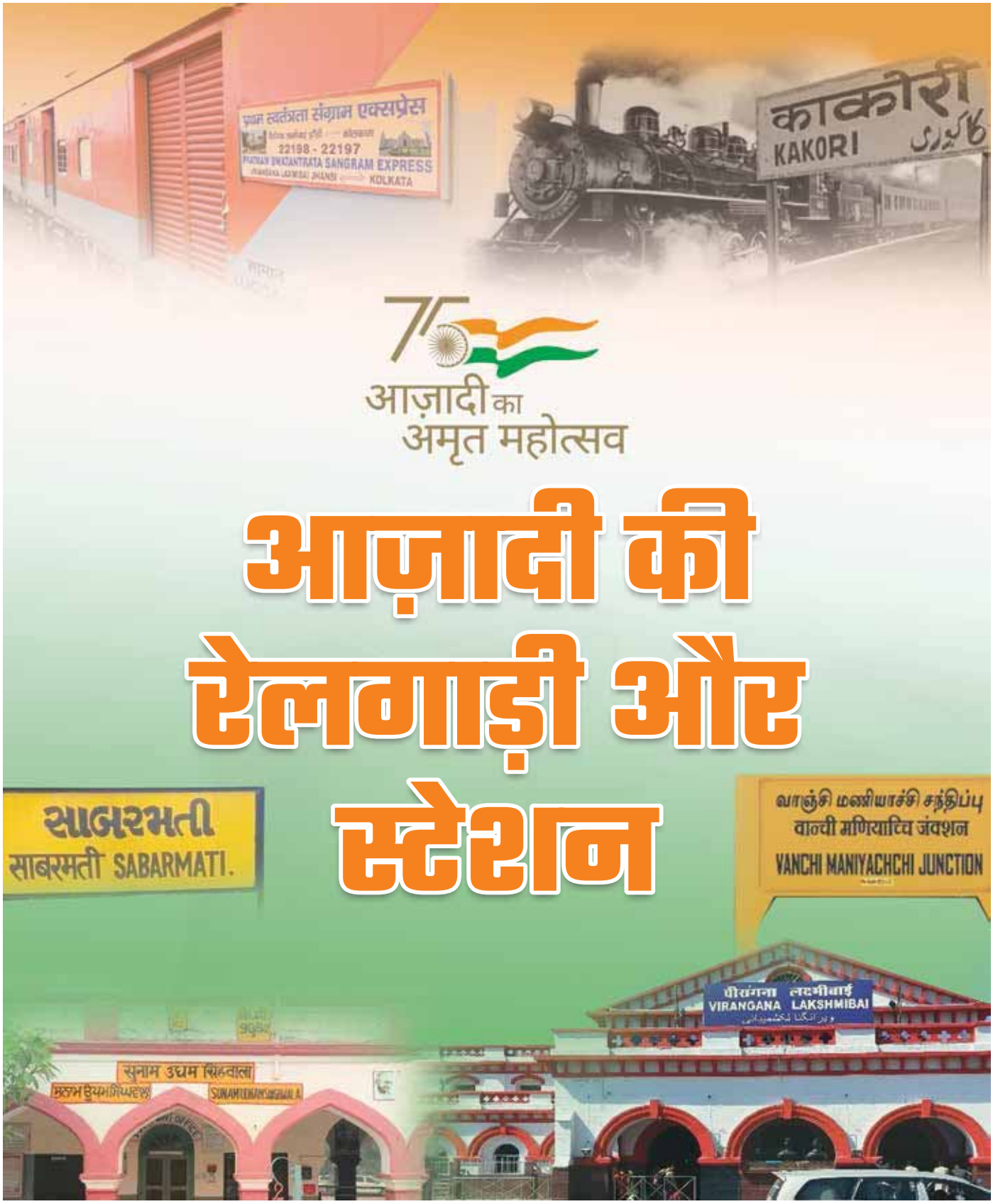
भारतीय रेल

अगस्त 2022

मूल्य ₹20



AAL®

Autometers Alliance Ltd

Energy & Efficiency / Safety & Reliability



POWERING THE **RAIL TRANSPORT** EFFICIENTLY AND INTELLIGENTLY

TRACTION SWITCHGEAR AND PANELS



Vacuum Circuit Breaker Electro-Pneumatic for Electric Locomotives, EMUs & MEMUs



Earthing Switch for Electric Locomotives



Master Controller for Electric Locomotives



25kv Single Pole Primary Voltage Transformer for Electric Locomotive



General Purpose Relay Electro-Mechanical for Diesel Locomotives



Contactors Electro-Pneumatic for for Electric Locomotives



Contactors Electro-Magnetic Electro-Mechanical for Electric Locomotives



Protection Relay Electro - Mechanical for Electric Locomotives



Auxiliary Supply Control Panel for Mainline & Metro Railways



Key Multiplier for Traction Vehicles



HB1



HB2



SB1



SB2



Cubicle F



Filter Cubicle

Auxiliary Supply & Control Panels for 3 Phase Electric Locomotive WAG9 & WAP7

mktre@autometers.com | C-63, Sector-57, Noida - 201 307 (U.P.) India

ISO 9001:2015 I ISO 14001:2015 I ISO 45001:2018

भारतीय रेल

रेल मंत्रालय की एकमात्र हिन्दी मासिक पत्रिका

आरंभ : 1960 | वर्ष : 63 | अंक : 01 | राजभाषा कीर्ति पुरस्कार से सम्मानित पत्रिका | अगस्त-2022 | मूल्य : ₹20

संपादक मंडल

श्री विनय कुमार त्रिपाठी
अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी, रेलवे बोर्ड

श्री मोहित सिन्हा
सदस्य (वित्त), रेलवे बोर्ड

श्री आर.एन. सिंह
सचिव, रेलवे बोर्ड

श्री अमिताभ शर्मा
कार्यकारी निदेशक, सूचना एवं प्रचार

संपादक
योगेश अवस्थी

संपादकीय कार्यालय
संपादक, भारतीय रेल,
कमरा नं. 411, रेल भवन,
रायसीना रोड, नई दिल्ली-110 001
editorbhartiyarailrb@gmail.com
editorbhartiyarail@gmail.com

विज्ञापन व सदस्यता हेतु संपर्क
प्रशान्त कुमार पट्टनायक
व्यापार प्रबंधक
कमरा नं. 310, रेल भवन
रायसीना रोड, नई दिल्ली-110 001
टेलीफोन: 011-47845378, 47845089
bmpr310rb@gmail.com

संपादन सहयोग
रणमत सिंह

आवरण
आज़ादी की रेलगाड़ी
और स्टेशन

फॉलो करें
Twitter : @bhartiyarailrb

वार्षिक सदस्यता शुल्क
(ऑफलाइन)
सर्वसाधारण -₹250
रेलकर्मियों के लिए -₹200
विदेश में
सी-मेल द्वारा -₹1,250
एयर-मेल द्वारा -₹2,500
एक प्रति-₹20
वार्षिक विशेषांक-₹70

इस पत्रिका में छपी हर सामग्री का सम्बन्ध, जब तक विशेषत: स्पष्ट न लिखा जाए, किसी सरकारी सूत्र से न समझा जाए।

© भारतीय रेल

5 प्रधानमंत्री द्वारा झारखंड राज्य में
विभिन्न रेल परियोजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास

6 भारत सरकार की मंजूरी
तारंगाहिल-अंबाजी-आबू रोड नई रेल लाइन

7 केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री द्वारा
चांदलोडिया एवं साबरमती स्टेशनों पर यात्री सुविधाओं का लोकार्पण

7 महिला एवं बाल विकास तथा अल्पसंख्यक मंत्री द्वारा
सियालदह मेट्रो स्टेशन का उद्घाटन

8 रेल मंत्री ने किया अम्बिकापुर-हज़रत निज़ामुद्दीन
साप्ताहिक एक्सप्रेस का हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ

9 रेलमंत्री ने मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल परियोजना पर
संयुक्त समिति की 14वीं बैठक की सह-अध्यक्षता की

10 रेल मंत्री ने
भुवनेश्वर में विभिन्न यात्री सुविधाओं का किया उद्घाटन

11 लोकसभा अध्यक्ष द्वारा
कोटा स्टेशन पर एस्केलेटर का उद्घाटन

12 रेल राज्य मंत्री ने जालना से एच.एस. नांदेड़-पुणे
एक्सप्रेस की उद्घाटन सेवा को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

12 रेल राज्य मंत्री द्वारा कामारकुण्डु रेलवे स्टेशन से
विभिन्न रेलवे परियोजनाओं का राष्ट्र को समर्पण

13 सांसद द्वारा कठकुइयाँ स्टेशन पर एप्रोच रोड का उद्घाटन

14 अध्यक्ष और मुख्य कार्यकारी अधिकारी, रेलवे बोर्ड का
दक्षिण पूर्व रेलवे का दौरा

15 मेम्बर, ट्रैक्शन एंड रोलिंग स्टॉक, रेलवे बोर्ड का आरडीएसओ दौरा

16 ऑपरेशन 'नार्कोस' के तहत आरपीएफ द्वारा जून, 2022 में
₹7.40 करोड़ से अधिक मूल्य के नशीले पदार्थ बरामद

17 आज़ादी की रेलगाड़ी और स्टेशन
सप्ताह का उत्सव पूर्वक समापन

35 संसद में भारतीय रेल

41 रेलों के अंचल से

52 खेलों में भारतीय रेल

55 रेल संग्रहालय - अजमेर — श्री शशि किरण

58 सिंधु यात्रा — श्री मनीष बाजपेई

61 बुद्धाजी — सुश्री रिंकल शर्मा

64 महुआ — श्री आर. एन. तिवारी

66 ऐतिहासिक इमारतों का गढ़ : मांडू — श्री अनिल सक्सेना

69 एक यादगार फिल्म : शहीद — श्री अजय कुमार शर्मा

सम्पादकीय



आज़ादी की रेलगाड़ी और स्टेशन

हम सभी अपने देश की आज़ादी के 75 वर्ष पूर्ण होने पर अपने आपको गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं। पूरा देश विगत कुछ वर्षों में हुए अभूतपूर्व विकास और उन्नति के आलोक में बड़े उत्साह के साथ 'आज़ादी का अमृत महोत्सव' मना रहा है। उत्साह के इसी कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए भारतीय रेल द्वारा 'आज़ादी की रेलगाड़ी और स्टेशन' विषय पर 18 से 23 जुलाई, 2022 ऑइकोनिक सप्ताह का आयोजन किया गया। इसमें 75 स्टेशनों को 'फ्रीडम स्टेशनों' तथा 27 ट्रेनों को 'स्पॉट लाइटिंग' के लिए चिन्हित किया गया था। इन 75 स्टेशनों का हमारे देश के स्वतंत्रता संग्राम से प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से काफी गहरा संबंध रहा है। भारतीय रेल अपने स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान को हमेशा याद रखती है।

भारतीय रेल में 'आज़ादी की रेलगाड़ी और स्टेशन' सप्ताह का शुभारंभ 18 जुलाई को रेल भवन में अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री विनय कुमार त्रिपाठी द्वारा किया गया। 24 राज्यों के इन सभी 75 स्टेशनों में मनभावन लाइटिंग और सजावट के साथ-साथ स्थानीय भाषा में नुक्कड़ नाटक, लाइट एवं साउंड शो, वीडियो फिल्मों-देशभक्ति गीतों की प्रस्तुति आदि का सफल आयोजन जन भागीदारी से किया गया। 'आज़ादी की रेलगाड़ी' की पृष्ठभूमि में फोटो प्रदर्शनी और सेल्फी प्वाइंट बनाए गए थे, जिसका जनता ने काफी आनंद लिया। इस सप्ताह के दौरान कुछ ट्रेनों को कलात्मक ढंग से फूलों से सजाया गया और स्वतंत्रता सेनानियों द्वारा झंडी दिखाकर इन्हें रवाना किया गया।

मंडलों तथा क्षेत्रीय रेलवे द्वारा हमारे स्वतंत्रता सेनानियों का अभिनंदन किया गया। ऐसे ही कुछ और स्वतंत्रता सेनानियों का अभिनंदन नई दिल्ली में आयोजित समापन समारोह में भी किया गया। इस कार्यक्रम में संसदीय कार्य मंत्री श्री प्रह्लाद जोशी, रेल एवं कपड़ा राज्य मंत्री श्रीमती दर्शना जरदोश तथा सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री सुश्री प्रतिमा भौमिक तथा अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी रेलवे बोर्ड श्री विनय कुमार त्रिपाठी उपस्थित थे।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने देवघर में आयोजित एक समारोह में दो रेल परियोजनाओं–गोड्डा-हंसडीहा विद्युतीकरण खंड और गरहवा-महुरिया दोहरीकरण परियोजनाओं का लोकार्पण किया। साथ ही, प्रधानमंत्री ने तीन रेल परियोजनाओं–रांची रेलवे स्टेशन का पुनर्विकास, जसीडीह बाइपास लाइन और एलएचबी कोच रख-रखाव डिपो, गोड्डा का शिलान्यास भी किया। रांची स्टेशन के पुनर्विकास में फूड कोर्ट, एग्जीक्यूटिव लॉउंज, कैफेटेरिया, एयर कंडीशंड वेटिंग हॉल आदि सहित विश्वस्तरीय यात्री सुविधाएं शामिल हैं। इससे आवाजाही आसान होने के साथ ही यात्रियों के लिए आराम भी सुनिश्चित होगा।

15 अगस्त, 2022 से 'भारतीय रेल' पत्रिका अपने 63वें वर्ष में प्रवेश कर रही है। यह आपके स्नेह तथा सहयोग का ही परिणाम है कि निरंतर प्रकाशित होने वाली पत्रिकाओं में शायद सबसे पुरानी सरकारी हिन्दी पत्रिका 'भारतीय रेल' ही है। आप हमें अपने सुझावों से इसी तरह से अवगत कराते रहें, जिससे कि हम इस पत्रिका को और अधिक पठनीय बना सकें।



प्रधानमंत्री द्वारा झारखंड राज्य में विभिन्न रेल परियोजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास



झारखंड राज्य में विभिन्न रेल परियोजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास करते हुए माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी। साथ में हैं झारखंड प्रदेश के राज्यपाल श्री रमेश बैस, मुख्यमंत्री श्री हेमंत सोरेन, केन्द्रीय जनजातीय कार्य मंत्री श्री अर्जुन मुंडा एवं केन्द्रीय शिक्षा राज्य मंत्री श्रीमती अन्नपूर्णा देवी

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने 12 जुलाई, 2022 को देवघर से झारखंड में कई ढांचागत परियोजनाओं का उद्घाटन/राष्ट्र को समर्पित/आधारशिला रखी। इसी कार्यक्रम में प्रधानमंत्री ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से दो रेल परियोजनाओं–गोड्डा–हंसडीहा विद्युतीकरण खंड और गरहवा–महुरिया दोहरीकरण परियोजनाओं का लोकार्पण किया। इन परियोजनाओं से उद्योगों और बिजली घरों को सामान की निर्बाध आवाजाही सुनिश्चित करने में सहायता मिलेगी। इनसे दुमका से आसनसोल को ट्रेनों की आवाजाही भी आसान हो जाएगी। प्रधानमंत्री ने तीन रेल परियोजनाओं– रांची रेलवे स्टेशन का पुनर्विकास, जसीडीह बाइपास लाइन और एलएचबी कोच रख-रखाव डिपो, गोड्डा का भी शिलान्यास किया।

इस अवसर पर रांची स्टेशन पर भी एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। श्री रामेश्वर उरांव, मंत्री, वित्त, एवं अन्य मामले, झारखंड सरकार, श्री संजय सेठ, सांसद, श्रीमती महुआ माजी, सांसद और श्री चंद्रेश्वर प्रसाद सिंह, विधायक समारोह के दौरान रांची स्टेशन पर उपस्थित थे और उन्होंने सभा को संबोधित किया।



दक्षिण पूर्व रेलवे की महाप्रबंधक, सुश्री अर्चना जोशी ने रांची स्टेशन पर विशिष्ट अतिथियों का स्वागत किया। इस अवसर पर श्री प्रदीप गुप्ता, मंडल रेल प्रबंधक, रांची और अन्य वरिष्ठ रेलवे अधिकारी भी उपस्थित थे।

₹447 करोड़ की अनुमानित लागत से रांची स्टेशन का पुनर्विकास किया जा रहा है। सुविधाओं में फूड कोर्ट, एग्जीक्यूटिव लाउंज, कैफेटेरिया, वातानुकूलित प्रतीक्षालय, रिटेल आउटलेट आदि के साथ विश्व स्तरीय यात्री सुविधाएं शामिल हैं। पुनर्विकसित स्टेशन भवन में सुचारू प्रवेश और निकास के लिए पर्याप्त पार्किंग स्थान होगा और रांची रेलवे स्टेशन के साथ यह शहर के बेहतर एकीकरण को सुनिश्चित करेगा।



रांची स्टेशन पुनर्विकास के शिलान्यास के अवसर पर रांची स्टेशन पर आयोजित कार्यक्रम में मंच पर उपस्थित (बाएं से) श्री चंद्रेश्वर प्रसाद सिंह, विधायक, श्री रामेश्वर उरांव, मंत्री, झारखंड सरकार, श्रीमती महुआ माजी, सांसद, श्री संजय सेठ, सांसद, सुश्री अर्चना जोशी, महाप्रबंधक, दक्षिण पूर्व रेलवे



माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति ने ₹2798.16 करोड़ की अनुमानित लागत से रेल मंत्रालय द्वारा बनाई जाने वाली तारंगाहिल –अंबाजी–आबू रोड नई रेल लाइन के निर्माण को मंजूरी दे दी है।

नई रेल लाइन की कुल लंबाई 116.65 किमी होगी। यह परियोजना 2026–27 तक पूरी हो जाएगी। यह परियोजना निर्माण के दौरान लगभग 40 लाख मानव दिवसों के लिए प्रत्यक्ष रोजगार पैदा करेगी।

माननीय प्रधानमंत्री श्री मोदी जी के नए भारत की परिकल्पना के अनुरूप, यह परियोजना कनेक्टिविटी बढ़ाने और आवाजाही में सुधार करने जा रही है, जिससे क्षेत्र का समग्र सामाजिक–आर्थिक विकास होगा।

बेहतर कनेक्टिविटी, सुगम परिचालन

- प्रसिद्ध तीर्थस्थल अंबाजी 51 शक्तिपीठों में से एक
- तारंगाहिल में प्रसिद्ध अजितनाथ जैन मंदिर तक कनेक्टिविटी
- देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं की पहुंच होगी आसान
- गुजरात और राजस्थान में धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा

अंबाजी एक प्रसिद्ध महत्त्वपूर्ण तीर्थ स्थल है और भारत में 51 शक्तिपीठों में से एक है और हर साल गुजरात के साथ–साथ देश के अन्य हिस्सों व विदेशों से लाखों भक्तों को आकर्षित करता है। इस लाइन के बनने से इन लाखों श्रद्धालुओं को यात्रा में आसानी होगी। इसके अलावा, तारंगाहिल में अजीतनाथ जैन मंदिर (24 पवित्र जैन तीर्थंकरों में से एक) के दर्शन करने वाले भक्तों को भी इस संपर्क (कनेक्टिविटी) से बहुत लाभ होगा। तारंगाहिल–अंबाजी–आबू रोड के बीच यह नई रेलवे लाइन इन दो महत्त्वपूर्ण धार्मिक स्थलों को रेलवे के मुख्य नेटवर्क से जोड़ेगी। यह लाइन कृषि और स्थानीय उत्पादों को तेजी से लाने–ले जाने की सुविधा प्रदान करेगी और

₹2,798.16 करोड़
अनुमानित लागत

116.65 किमी.
कुल लंबाई

2026-27
वर्ष तक पूरी की जायेगी

गुजरात व राजस्थान राज्य के भीतर तथा देश के अन्य हिस्सों में भी लोगों की बेहतर आवाजाही प्रदान करेगी। यह परियोजना मौजूदा अहमदाबाद–आबू रोड रेलवे लाइन के लिए वैकल्पिक मार्ग भी प्रदान करेगी। प्रस्तावित दोहरीकरण के जुड़ने से राजस्थान के सिरोही जिले और गुजरात के बनासकांठा और मेहसाणा जिलों से होकर गुजरेगी। नई रेल लाइन के निर्माण से निवेश आकर्षित होगा और क्षेत्र का समग्र सामाजिक–आर्थिक विकास होगा।

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री द्वारा चांदलोडिया एवं साबरमती स्टेशनों पर यात्री सुविधाओं का लोकार्पण



चांदलोडिया और साबरमती स्टेशनों पर विभिन्न यात्री सुविधाओं का लोकार्पण व शिलान्यास करते हुए केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने 2 जुलाई, 2022 को चांदलोडिया रेलवे स्टेशन पर आयोजित एक समारोह में अहमदाबाद मंडल के चांदलोडिया और साबरमती स्टेशनों पर विभिन्न यात्री सुविधाओं का लोकार्पण व शिलान्यास किया।

श्री शाह द्वारा चांदलोडिया में ₹1.64 करोड़ लागत से तैयार हाइ लेवल प्लेटफॉर्म, ₹25 लाख की लागत से निर्मित नये बुकिंग कार्यालय, चांदलोडिया तथा खोडियार स्टेशनों के बीच लेवल क्रॉसिंग पर ₹7.93 करोड़ की लागत से निर्मित नए रोड अंडर ब्रिज का लोकार्पण किया गया। इससे तेज व सुरक्षित आवागमन सुनिश्चित होगा। यह कार्य 'फाटक मुक्त गुजरात' की दिशा में एक बड़ा कदम है।

साबरमती स्टेशन पर ₹1.5 करोड़ की लागत से निर्मित महिला प्रतीक्षालय, सामान्य प्रतीक्षालय तथा वातानुकूलित श्रेणी प्रतीक्षालय एवं ₹3.87 करोड़ की लागत से निर्मित नये फुट ओवर ब्रिज का लोकार्पण गृह मंत्री द्वारा किया गया। एएमसी क्षेत्र में एल सी गेट संख्या 240, 241, 242, तथा 243 के स्थान पर ₹18.00 करोड़ की लागत के चार रोड अंडर ब्रिजों का शिलान्यास किया। इन रोड अंडर ब्रिज के निर्माण होने पर एस जी हाइवे, चांदखेड़ा, त्रागड़ तथा डी-कैबिन के बीच आवागमन हेतु बेहतर कनेक्टिविटी होगी। चांदलोडिया, साबरमती एवं आंबली रेलवे स्टेशनों पर 9 जोड़ी ट्रेनों के ठहराव का शुभारंभ भी गृह मंत्री द्वारा किया गया।

महिला एवं बाल विकास तथा अल्पसंख्यक मंत्री द्वारा सियालदह मेट्रो स्टेशन का उद्घाटन

पूर्व-पश्चिम मेट्रो के बहुप्रतीक्षित सियालदह स्टेशन का उद्घाटन केंद्रीय महिला एवं बाल विकास एवं अल्पसंख्यक मंत्री श्रीमती स्मृति जुबिन ईरानी द्वारा 11 जुलाई, 2022 को हावड़ा मैदान मेट्रो स्टेशन में आयोजित एक कार्यक्रम में वर्चुअल रूप से किया गया। उन्होंने भूमिगत सियालदह मेट्रो स्टेशन से पहली मेट्रो रेलगाड़ी को हरी झंडी दिखाकर फूलबगान से सियालदह तक विस्तारित मेट्रो सेवा का उद्घाटन भी किया। कार्यक्रम के दौरान जापान के पूर्व प्रधान मंत्री शिंजो आबे के सम्मान में एक मिनट का मौन रखा गया। ईस्ट-वेस्ट मेट्रो का विस्तार अब फूलबगान से सियालदह तक हो गया है। इस विस्तारित मार्ग पर वाणिज्यिक सेवा 14 जुलाई, 2022 से शुरू हो गई हैं।

इस अवसर पर श्रीमती ईरानी ने कहा कि सियालदह तक मेट्रो सेवाओं के विस्तार के



सियालदह मेट्रो स्टेशन का उद्घाटन करती हुईं, केंद्रीय महिला एवं बाल विकास एवं अल्पसंख्यक मंत्री, श्रीमती स्मृति जुबिन ईरानी

साथ पश्चिम बंगाल के विकास को गति प्राप्त होगी। इस संदर्भ में उल्लेखनीय है कि यह खंड सॉल्ट लेक सेक्टर-V से सियालदह तक आरामदेह यात्रा उपलब्ध कराएगी। पूर्व रेलवे के सियालदह मेन और सियालदह दक्षिणी खंड के यात्री अब सियालदह स्टेशन पर गाड़ी बदलकर मेट्रो सेवाओं का लाभ उठा सकते हैं।

सौंदर्यबोधक रूप से डिजाइन किया गया यह स्टेशन लिफ्ट, स्वचालित सीढ़ियां, आधुनिक शौचालय, प्लेटफॉर्म स्क्रीन डोर, डबल डिस्चार्ज प्लेटफॉर्म जैसी सुविधाओं और सुरक्षा विशिष्टताओं से युक्त है।

रेल मंत्री ने किया अम्बिकापुर-हज़रत निज़ामुद्दीन साप्ताहिक एक्सप्रेस का हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ

- रेल मंत्री ने उत्तर रेलवे के नई दिल्ली-सहारनपुर रेल खंड का निरीक्षण किया



सहारनपुर रेलवे स्टेशन से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के द्वारा अम्बिकापुर-हज़रत निज़ामुद्दीन साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन की उद्घाटन सेवा को हरी झंडी दिखाकर रवाना करते हुए रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव तथा अन्य गणमान्य अतिथि

रेल, संचार और इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने 14 जुलाई, 2022 को सहारनपुर रेलवे स्टेशन पर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के द्वारा ट्रेन संख्या 00864 अम्बिकापुर-हज़रत निज़ामुद्दीन साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन की उद्घाटन सेवा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस ट्रेन की नियमित सेवा ट्रेन संख्या 04044 दिनांक 19 जुलाई, 2022 से शुरू हो गई है। यह ट्रेन हज़रत निज़ामुद्दीन स्टेशन से रात्रि 11.00 बजे प्रस्थान करके अगले दिन सायं 07.30 बजे अम्बिकापुर पहुँचेगी, जबकि अम्बिकापुर से इस ट्रेन की नियमित सेवा ट्रेन संख्या 04043 दिनांक 21 जुलाई, 2022 से शुरू हुई। यह ट्रेन सुबह 07.15 बजे प्रस्थान करके अगले दिन प्रातः 04.35 बजे हज़रत निज़ामुद्दीन पहुँचती है। दोनों ओर से यह ट्रेन मार्ग में बिजूरी, अनूपपुर जं., शहडोल, कटनी मुडवारा, सौगोर, अगासोद, वीरांगना लक्ष्मीबाई, ग्वालियर, आगरा छावनी तथा मथुरा जं. रेलवे स्टेशनों पर ठहरती है।

इससे पहले रेल मंत्री श्री वैष्णव ने 14 जुलाई, 2022 को नई दिल्ली-सहारनपुर रेल सेक्शन का विंडो निरीक्षण किया। उनके साथ उत्तर रेलवे के महाप्रबंधक श्री आशुतोष गंगल, दिल्ली मंडल रेल प्रबंधक श्री डिम्पी गर्ग और उत्तर रेलवे के प्रमुख विभागाध्यक्षगण व दिल्ली मंडल के वरिष्ठ रेल अधिकारी मौजूद थे। सहारनपुर रेलवे स्टेशन पर अम्बाला मंडल रेल प्रबंधक, श्री जे.एम. सिंह और अम्बाला मंडल के शाखा अधिकारी भी उपस्थित थे।



सहारनपुर निरीक्षण दौरे के दौरान खानआलमपुरा में उत्तर रेलवे के विद्युत लोको अनुरक्षण डिपो का निरीक्षण करते हुए रेल मंत्रीश्री अश्विनी वैष्णव

निरीक्षण के लिए नई दिल्ली रेलवे स्टेशन से रवाना होने के बाद रास्ते में रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव को नई दिल्ली-सहारनपुर रेल सेक्शन पर चल रही विकासात्मक परियोजनाओं से अवगत कराया गया। उन्हें इस रेल सेक्शन पर आने वाले विभिन्न स्टेशनों और वहां मौजूद यात्री सुविधाओं के संबंध में भी जानकारी दी गयी। कार्य की प्रगति पर संतोष व्यक्त करते हुए रेल मंत्री ने परामर्श दिया कि ये सभी परियोजनाएं समय पर पूरी की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि इस रेल सेक्शन पर रेल परिचालन में संरक्षा को अति महत्त्व दिया जाना चाहिए क्योंकि इस रेल मार्ग पर उच्च घनत्व वाला रेल यातायात चल रहा है।

रेल मंत्री ने मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल परियोजना पर संयुक्त समिति की 14वीं बैठक की सह-अध्यक्षता की

- *जापान के प्रधानमंत्री के विशेष सलाहकार डॉ. मोरी मसाफुमी ने जापानी पक्ष की ओर से बैठक की सह-अध्यक्षता की*
- *बैठक में रेल मंत्री ने परियोजना को जल्द पूरा करने पर जोर दिया*



जापान के प्रधानमंत्री के विशेष सलाहकार डॉ. मोरी मसाफुमी एवं संयुक्त समिति के अन्य सदस्यों के साथ मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल परियोजना पर चर्चा करते हुए रेल, संचार और इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव। साथ में हैं श्री विनय कुमार त्रिपाठी, अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी

दिनांक 30 जून, 2022 को रेल, संचार और इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल (एमएएचएसआर) परियोजना के निष्पादन से संबंधित सभी महत्त्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा करने और निर्णय लेने के लिए भारतीय पक्ष की 14वीं संयुक्त समिति की बैठक की सह-अध्यक्षता की। जापान के प्रधानमंत्री के विशेष सलाहकार डॉ. मोरी मसाफुमी ने जापानी पक्ष की ओर से बैठक की सह-अध्यक्षता की।

बैठक के दौरान परियोजना की प्रगति के संबंध में प्रस्तुतीकरण और वीडियो फिल्म दिखाई गई। इसके अलावा, परियोजना के आपसी समाधान और लक्षित कमीशनिंग के लिए वित्त पोषण, अनुबंध और निष्पादन से संबंधित मुद्दों पर चर्चा की गई।

भारत सरकार और जापान सरकार के बीच संयुक्त समिति आपसी हितों और लाभों की परियोजनाओं को आगे बढ़ाने के लिए सर्वोच्च सलाहकार समिति है। जापानी सरकार एमएएचएसआर परियोजनाओं को आसान ऋण और तकनीकी व वित्तीय सहयोग के साथ वित्त पोषित करने के लिए प्रतिबद्ध है। बैठक लाभदायक व उपयोगी रही और परियोजना के शीघ्र पूरा होने के लिए रणनीतिक मुद्दों को अंतिम रूप दिया गया। दोनों पक्षों ने परियोजना के समग्र हित में प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण, 'एक परियोजना-एक टीम' पर काम करने पर सहमति व्यक्त की।





जर्मनी की राजधानी बर्लिन में 13 से 16 जुलाई, 2022 तक आयोजित विश्व रेलवे क्रॉस कंट्री चैंपियनशिप के महिला एवं पुरुष, दोनों वर्ग में भारतीय रेल की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक जीता। इतना ही नहीं, दोनों वर्ग में भारतीय रेल के खिलाड़ियों ने शीर्ष के तीनों स्थान पर कब्जा जमाया। प्रतियोगिता के पुरुष वर्ग में 11 तथा महिला वर्ग में 10 देशों ने भाग लिया। विजेता खिलाड़ियों को रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव (बाएं) एवं रेल राज्य मंत्री श्रीमती दर्शना जरदोश (दाएं) ने बधाई एवं शुभकामनाएं दीं

रेल मंत्री ने
भुवनेश्वर में विभिन्न यात्री सुविधाओं का किया उद्घाटन

भुवनेश्वर-महिपुर-भुवनेश्वर पैसेंजर स्पेशल का विस्तार
नुआगांव रोड तक रेलगाड़ी को हरी झंडी दिखाकर किया गया रवाना

रेल मंत्री, श्री अश्विनी वैष्णव ने भुवनेश्वर–महिपुर–भुवनेश्वर पैसेंजर स्पेशल के विस्तार के तहत ट्रेन संख्या 08429/08430 को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह ट्रेन अब नुआगांव रोड स्टेशन तक जाएगी।



खुर्दा रोड में नये स्टेशन भवन का उद्घाटन



श्री अश्विनी वैष्णव, रेल, संचार और इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री एवं श्री धर्मेंद्र प्रधान, शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्री ने पूर्व तट रेलवे के खुर्दा रोड स्टेशन पर नए स्टेशन भवन का उद्घाटन किया।

एलएचबी रेक के साथ प्रशांति एक्सप्रेस और भुवनेश्वर-नई दिल्ली दुरंतो एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाकर किया गया रवाना

रेल, संचार और इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव और शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्री, श्री धर्मेन्द्र प्रधान ने भुवनेश्वर–बेंगलुरु प्रशांति एक्सप्रेस और भुवनेश्वर–नई दिल्ली दुरंतो एक्सप्रेस को एलएचबी रेक के साथ झंडी दिखाकर रवाना किया।



पटिया पीएच और वाणी विहार पीएच के नए स्टेशन भवन का उद्घाटन



रेल मंत्री, श्री अश्विनी वैष्णव और शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्री, श्री धर्मेंद्र प्रधान ने खुर्दा रोड स्टेशन से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से पटिया पीएच एवं वाणी विहार पीएच स्टेशन के नए भवन का उद्घाटन किया।

लोकसभा अध्यक्ष द्वारा कोटा स्टेशन पर एस्केलेटर का उद्घाटन

लोकसभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला ने अपने संसदीय क्षेत्र के कोटा रेलवे स्टेशन पर सुविधाओं के विस्तार के क्रम में एस्केलेटर और लिफ्ट सेवा का शुभारंभ किया तथा इसके पश्चात् उन्होंने कोटा व डकनिया तलाव स्टेशन के पुनर्विकास प्रोजेक्ट की भी समीक्षा की। इस परियोजना के तहत कोटा व डकनिया तलाव स्टेशनों के ऐतिहासिक स्वरूप को बरकरार रखते हुए ₹323 करोड़ की लागत से उन्हें अत्याधुनिक बनाया जाएगा।



उप मुख्यमंत्री, बिहार द्वारा लाइफलाइन एक्सप्रेस के मेडिकल कैंप का उद्घाटन



बिहार के उपमुख्यमंत्री श्री तारकिशोर प्रसाद ने अन्य गणमान्य व्यक्तियों के साथ 6 जुलाई, 2022 को पूर्वोत्तर सीमा रेल के कटिहार जं. स्टेशन पर लाइफ लाइन एक्सप्रेस के चिकित्सा और सुविधा शिविर का उद्घाटन किया। इस ट्रेन में जरूरतमंद लोगों की आंख और गले की सर्जरी की जाएगी।

कुदेशिया समपार फाटक पर अंडरपास का उद्घाटन

डॉ. अरुण कुमार, वन एवं पर्यावरण, जन्तु उद्यान एवं जलवायु परिवर्तन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) ने लोको कालोनी, इज्जतनगर में 10 जुलाई, 2022 को आयोजित समारोह में इज्जतनगर एवं बरेली सिटी स्टेशनों के मध्य समपार संख्या 243 पर नवनिर्मित अंडरपास का उद्घाटन किया। इस अवसर पर अपने सम्बोधन में उन्होंने कहा कि यह अंडरपास जनता के लिए बहुत ही उपयोगी होगा तथा सड़क यातायात का आवागमन सुचारू रूप से हो सकेगा। श्री संतोष गंगवार, सांसद ने कहा कि अब सड़क यातायात के जाम की



समस्या से निजात मिलेगी। समारोह में महापौर डॉ. उमेश गौतम, जनप्रतिनिधिगण, मंडल रेल प्रबन्धक, इज्जतनगर श्री आशुतोष पंत, अपर मंडल रेल प्रबन्धक (परिचालन) श्री राजीव अग्रवाल, अपर मंडल रेल प्रबन्धक (इन्फ्रा) श्री विवेक गुप्ता, वरिष्ठ रेल अधिकारी, कर्मचारी एवं स्थानीय जनता उपस्थित थी।

रेल राज्य मंत्री ने जालना से एच.एस. नांदेड़-पुणे एक्सप्रेस की उद्घाटन सेवा को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

रेल, कोयला और खान राज्य मंत्री, श्री रावसाहेब पाटिल दानवे द्वारा 4 जुलाई, 2022 को जन प्रतिनिधियों और वरिष्ठ रेलवे अधिकारियों की उपस्थिति में जालना रेलवे स्टेशन से गाड़ी संख्या 17630 एच. एस. नांदेड़-पुणे एक्सप्रेस सेवा की उद्घाटन सेवा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया।

एचएस नांदेड़-पुणे एक्सप्रेस मराठवाड़ा क्षेत्र के लोगों की जरूरतों को पूरा करेगी और सभी को सुविधाजनक और सस्ती रेलगाड़ी यात्रा प्रदान करेगी।

नांदेड़-पुणे एक्सप्रेस

यह ट्रेन 11 स्टेशनों पर ठहराव के साथ 14 घंटे में लगभग 650 किलोमीटर की दूरी तय करती है। इस रेलगाड़ी को अत्याधुनिक एलएचबी कोच के साथ तैयार किया गया है, जो यात्रियों को एक आरामदायक यात्रा अनुभव प्रदान करेगा। यात्रियों को सुरक्षित यात्रा प्रदान करने की दृष्टि से डिब्बों के भीतर और प्रवेश, दोनों स्थलों पर सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं, जो अनधिकृत व्यक्तियों के प्रवेश पर नजर रखने में मदद करेंगे।

विभिन्न कोच संरचना वाली यह रेलगाड़ी यात्रा करने वाले सभी यात्री-वर्गों की जरूरतों को पूरा करती है।



एच.एस. नांदेड़-पुणे एक्सप्रेस की उद्घाटन सेवा को हरी झंडी दिखाकर रवाना करते हुए रेल राज्य मंत्री श्री रावसाहेब पाटिल दानवे

रेल राज्य मंत्री द्वारा कामारकुण्डु रेलवे स्टेशन से विभिन्न रेलवे परियोजनाओं का राष्ट्र को समर्पण



कामारकुण्डु रेलवे स्टेशन पर आयोजित समारोह से विभिन्न रेल परियोजनाओं को राष्ट्र को समर्पित करते हुए रेल राज्य मंत्री, श्री रावसाहेब पाटिल दानवे

श्री रावसाहेब पाटिल दानवे, रेल, कोयला एवं खान राज्य मंत्री ने बैण्डेल और मगरा स्टेशनों के बीच तीसरी लाइन, बैण्डेल में यार्ड रिमॉडेलिंग एवं 1002 रूटों की व्यवस्था के साथ भारत के वृहत्तम इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग केबिन की शुरुआत, आदिसप्तग्राम में यार्ड रीमॉडलिंग तथा इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग की शुरुआत, मगरा में इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग का सुधार, चंदननगर स्टेशन पर नए स्टेशन भवन के साथ इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग, कामारकुण्डु स्टेशन पर नए सड़क ऊपरी पुल, कामारकुण्डु में नए स्टेशन भवन, कामारकुण्डु में नई प्लेटफॉर्म छावनी, बलरामबाटी मिर्जापुर-बांकीपुर एवं आदिसप्तग्राम स्टेशनों पर पैदल ऊपरी पुल के विस्तार, आदिसप्तग्राम, कामारकुण्डु, बलरामबाटी एवं मिर्जापुर-बांकीपुर स्टेशनों पर प्लेटफॉर्मों को ऊँचा करने /विस्तार/ चौड़ीकरण, मगरा स्टेशन पर अप लूप लाइन प्लेटफॉर्म के निर्माण, आदिसप्तग्राम स्टेशन पर भूमार्ग के विस्तार सहित कई परियोजनाओं को राष्ट्र को समर्पित किया। श्री दानवे ने 10 जून, 2022 को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कामारकुण्डु स्टेशन पर नए रोड अंडर ब्रिज (आरयूबी) का शिलान्यास किया। पश्चिम बंगाल के हुगली जिले की इन सभी परियोजनाओं की लागत ₹254 करोड़ की है। श्रीमती लॉकेट चटर्जी, सांसद, श्री बिमान घोष, विधायक, पुरसुराड़, श्री मधुसूदन बाग, विधायक, आरामबाग, श्री विश्वनाथ करक, विधायक, गोघाट एवं श्री सुशांत घोष, विधायक, खानाकूल भी इस अवसर पर मौजूद थे।

इस अवसर पर श्री दानवे ने कहा कि इस अति-महत्त्वपूर्ण परियोजना, 6.99 किमी विस्तृत, बैण्डेल-मगरा तीसरी लाइन के आरंभ होने से, बैण्डेल से बैंची तक यातायात की निर्बाध आवाजाही सुनिश्चित होगी और इससे हावड़ा-बर्द्धमान मेन लाइन पर गतिशीलता में वृद्धि आएगी।

सांसद द्वारा कठकुइयाँ स्टेशन पर एप्रोच रोड का उद्घाटन



श्री विजय कुमार दूबे, सांसद कुशीनगर ने पूर्वोत्तर रेलवे के वाराणसी मंडल के कठकुइयाँ स्टेशन पर 11 जुलाई, 2022 को आयोजित समारोह में कठकुइयाँ स्टेशन को मुख्य मार्ग से जोड़ने वाली एप्रोच रोड का उद्घाटन किया। समारोह में श्री मनीष जायसवाल, विधायक पडरौना, जनप्रतिनिधिण, वाराणसी मंडल के अपर मंडल रेल प्रबन्धक (प्रशासन) श्री राहुल श्रीवास्तव, वरिष्ठ रेल अधिकारी एवं स्थानीय जनता उपस्थित थी।

समारोह को सम्बोधित करते हुए श्री दुबे, सांसद ने कहा कि ₹60 लाख की लागत से 800 मीटर लम्बे इस एप्रोच रोड का निर्माण किया गया है। उन्होंने बहुत ही कम समय में यह निर्माण पूरा किए जाने पर रेल प्रशासन का आभार व्यक्त किया।

पूर्वोत्तर रेलवे पर वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन

सांसद गोरखपुर श्री रवि किशन शुक्ला ने पूर्वोत्तर रेलवे, गोरखपुर द्वारा 5 जुलाई, 2022 को 'वन महोत्सव' के तहत आयोजित वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम के अन्तर्गत रेलवे क्रिकेट ग्राउण्ड, गोरखपुर परिसर में पौधारोपण किया। इस अवसर पर सांसद, श्री शुक्ला ने अपने सम्बोधन में कहा कि पर्यावरण को संरक्षित रखने के लिए हम सभी को पौधे लगाने के साथ ही उसकी उचित देखभाल भी करनी चाहिए ताकि पौधे, वृक्ष का रूप ले सकें। हम सभी को चाहिए कि अधिक से अधिक वृक्षारोपण कर पर्यावरण को संरक्षित करें। ज्ञातव्य है कि पूर्वोत्तर रेलवे पर पर्यावरण संरक्षण हेतु वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम सतत् प्रक्रिया के रूप में प्रतिवर्ष किया जाता है। इसके अन्तर्गत मुख्यालय, मंडलों तथा अन्य रेल परिसरों की रेल भूमि पर लाखों की संख्या में पौधे लगाए जाते हैं। इस अवसर पर मुख्य सुरक्षा आयुक्त श्री आर.ए. अंसारी, मुख्य इंजीनियर/निर्माण श्री राजीव कुमार वर्मा एवं उप महाप्रबन्धक/सामान्य श्री के.सी. सिंह, रेल कर्मचारी तथा रेलवे सुरक्षा बल के सदस्य भी उपस्थित थे।





दिनांक 24 जून, 2022 को उत्तर मध्य रेलवे की 9वीं क्षेत्रीय रेलवे उपयोगकर्ता तथा परामर्शदात्री समिति की द्वितीय बैठक का आयोजन प्रयागराज में किया गया। इस बैठक में सांसद श्री विंद सोनकर सहित समिति के 44 सदस्य उपस्थित थे। बैठक में उत्तर मध्य रेलवे द्वारा किए जा रहे विविध कार्यों की जानकारी दी गई। बैठक के दौरान समिति के सदस्यों ने यात्री सुविधाओं के संबंध में अनेक बहुमूल्य सुझाव दिए

अध्यक्ष और मुख्य कार्यकारी अधिकारी, रेलवे बोर्ड का दक्षिण पूर्व रेलवे का दौरा



महानदी कोल फील्ड्स लि. के अधिकारियों के साथ बैठक करते हुए श्री विनय कुमार त्रिपाठी, अध्यक्ष और मुख्य कार्यकारी अधिकारी, रेलवे बोर्ड साथ में हैं सुश्री अर्चना जोशी, महाप्रबंधक, दक्षिण पूर्व रेलवे

श्री विनय कुमार त्रिपाठी, अध्यक्ष और मुख्य कार्यकारी अधिकारी, रेलवे बोर्ड ने 9 और 10 जुलाई, 2022 को सुश्री अर्चना जोशी, महाप्रबंधक, दक्षिण पूर्व रेलवे, श्री वी के साहू, मंडल रेल प्रबंधक, चक्रधरपुर के साथ दक्षिण पूर्व रेलवे के चक्रधरपुर मंडल का दौरा किया। श्री त्रिपाठी ने प्रथम दिन झारसुगुड़ा स्टेशन परिसर में विभिन्न सुविधाओं का निरीक्षण किया और झारसुगुडा पैसेंजर यार्ड के विकास हेतु कदम उठाने की सलाह दी। झारसुगुड़ा स्टेशन पर श्री त्रिपाठी ने जनजातीय वस्त्र उत्पादों को प्रदर्शित करने वाले 'एक स्टेशन एक उत्पाद' स्टॉल का दौरा किया। उन्होंने झारसुगुडा में वेस्ट केबिन पैनल रूम और कंबाइंड क्रू एंड गार्ड लॉबी का भी निरीक्षण किया। इसके पश्चात उन्होंने सरडेगा का दौरा किया और महानदी कोल फील्ड्स लिमिटेड के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक की। उन्होंने राउरकेला और झारसुगुड़ा के बीच तीसरी लाइन के कार्य की प्रगति की भी समीक्षा की।

10 जुलाई, 2022 को श्री त्रिपाठी ने राउरकेला स्टेशन और राउरकेला इस्पात संयंत्र का दौरा किया और इस्पात संयंत्र के अंदर लोडिंग/अनलोडिंग सुविधाओं के संबंध में संयंत्र के अधिकारियों के साथ बातचीत की। राउरकेला इस्पात संयंत्र में श्री त्रिपाठी ने हॉट स्ट्रिप मिल और रॉमैटेरियल हैंडलिंग प्लांट का दौरा किया। उन्होंने बंडामुंडा रेलवे यार्ड और राउरकेला में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस का निरीक्षण किया और राउरकेला स्टेशन पर जनप्रतिनिधियों और मीडियाकर्मियों से मुलाकात की।

अध्यक्ष और मुख्य कार्यकारी अधिकारी, रेलवे बोर्ड ने आरडीएसओ का दौरा किया

रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री विनय कुमार त्रिपाठी ने 02 जुलाई, 2022 को आरडीएसओ का दौरा किया और बैठक की। बैठक में महानिदेशक आरडीएसओ श्री संजीव भूटानी ने कहा कि आरडीएसओ निरन्तर अपेक्षित सुधार कर रहा है एवं तेजी से बदलती हुई रेलवे तकनीकी को आत्मसात् कर रहा है। इस अवसर पर अधिकारियों ने आरडीएसओ की हाल की उपलब्धियों और वर्तमान में चल रही परियोजनाओं को उल्लेख करते हुए विस्तृत प्रस्तुति दी। इस प्रस्तुति के दौरान अध्यक्ष एवं सीईओ रेलवे बोर्ड ने कई सुधारात्मक सुझाव दिए। बैठक में श्री त्रिपाठी ने आरडीएसओ की लगभग सभी प्रमुख परियोजनाओं एवं महत्त्वपूर्ण कार्यों की गहन समीक्षा की एवं उन्हें तेजी से पूरा करने का निर्देश दिया।



श्री विनय कुमार त्रिपाठी ने अपने संबोधन में आरडीएसओ के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को अद्यतन तकनीकों को अपनाने और आरडीएसओ के द्वारा चल रही परियोजनाओं को सीमित समय में पूर्ण करने पर जोर दिया। उन्होंने अधिकारियों से रेल परिचालन एवं संरक्षा से सम्बंधित परियोजनाओं को तेजी से पूरा करने, संरक्षा मदों के स्वीकृत विक्रेताओं की संख्या में वृद्धि करने, विक्रेता अनुमोदन को और तीव्र एवं पारदर्शी बनाने हेतु निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि भारतीय रेल चुनौतीपूर्ण दौर से गुजर रही है और इसे स्वीकार करने हेतु सबको सर्वश्रेष्ठ योगदान देने हेतु प्रेरित किया। डॉ. आशीष अग्रवाल, कार्यकारी निदेशक, प्रशासन ने श्री त्रिपाठी को सभी रेल परियोजनाओं एवं शोध कार्यों को समय पर पूरा करने का आश्वासन दिया।

मेम्बर, ट्रैक्शन एंड रोलिंग स्टॉक, रेलवे बोर्ड का आरडीएसओ दौरा

मेम्बर, ट्रैक्शन एंड रोलिंग स्टॉक, रेलवे बोर्ड, श्री डी. सी. शर्मा ने 16 जून, 2022 को आरडीएसओ का दौरा किया। इस अवसर पर आरडीएसओ के अधिकारियों ने हाल की उपलब्धियों और जारी परियोजनाओं पर विस्तृत प्रस्तुति दी। कार्यकारी निदेशक/वैगन, श्री मनीष थप्ल्याल एवं कार्यकारी निदेशक/परीक्षण, श्री रुपेश कोहली ने आरडीएसओ की अनुसंधान परियोजनाओं एवं एजेंडा मदों पर प्रस्तुति दी।



मेम्बर, ट्रैक्शन एंड रोलिंग स्टॉक, रेलवे बोर्ड, श्री डी.सी. शर्मा ने विज्ञान और प्रौद्योगिकी के तेजी से बदलते परिवेश के बीच और सुधार के लिए आग्रह किया। श्री शर्मा ने आरडीएसओ के अधिकारियों को परिवर्तनों को अपनाने और उनके ज्ञान के आधार और मूल दक्षताओं को बढ़ाने के लिए बदलते कारोबारी माहौल के साथ उन्हें पुनः संरेखित करने पर जोर दिया। महानिदेशक/आरडीएसओ श्री संजीव भूटानी ने उन्हें आश्वासन दिया कि आरडीएसओ उनकी उम्मीदों पर खरा उतरेगा और सभी शोध कार्यों को समय पर पूरा करेगा।

सदस्य वित्त, रेलवे बोर्ड का उत्तर मध्य रेलवे का दौरा



सदस्य वित्त, रेलवे बोर्ड, नई दिल्ली श्री मोहित सिन्हा ने 08 जुलाई, 2022 को उत्तर मध्य रेलवे का दौरा किया। इस अवसर पर सदस्य वित्त, श्री मोहित सिन्हा ने उत्तर मध्य रेलवे मुख्यालय में एक बैठक की और महाप्रबंधक और सभी प्रमुख विभागाध्यक्षों/विभागाध्यक्षों को संबोधित किया। उन्होंने बुनियादी ढांचे के विकास से संबंधित रेलवे की प्रमुख परियोजनाओं को प्राथमिकता के आधार पर पूरा करने की आवश्यकता के बारे में जानकारी दी। बैठक के दौरान मंडल से संबंधित गतिशक्ति, स्टेशन विकास, उच्च घनत्व गलियारे आदि परियोजनाओं पर चर्चा की गई। इस अवसर पर बोलते हुए महाप्रबंधक श्री प्रमोद कुमार ने सदस्य वित्त को एनसीआर की उपलब्धियों के बारे में अवगत कराया। श्री मोहित सिन्हा ने अपने दौरे के दौरान प्रयागराज मंडल के प्रदर्शन की समीक्षा की।

इसके बाद उन्होंने प्रधान वित्त सलाहकार के कार्यालय में उत्तर मध्य रेलवे और कोर, प्रयागराज के सभी लेखा अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की।

एडिशनल मेम्बर (ट्रैक्शन) रेलवे बोर्ड का आरडीएसओ का दौरा

एडीशनल मेम्बर (ट्रैक्शन), रेलवे बोर्ड, श्री राधे रमन ने 29 जून 2022 को आरडीएसओ का दौरा किया। इस अवसर पर पी.ई.डी./ट्रैक्शन, श्री सुनील कुमार और ई.डी./टी.आई., श्री बी. चौधरी ने आरडीएसओ की अनुसंधान परियोजनाओं पर प्रस्तुति दी। श्री रमन ने आरडीएसओ के अधिकारियों से उत्पादन इकाइयों के साथ समन्वय बढ़ाने पर अधिक से अधिक ध्यान देने एवं रेलवे में आधुनिकीकरण के लिए विशेषज्ञों से तकनीकी सहायता की



आवश्यकता पर जोर दिया। महानिदेशक/आरडीएसओ श्री संजीव भूटानी ने उन्हें आश्वासन दिया कि आरडीएसओ उनकी उम्मीदों पर खरा उतरेगा।

ऑपरेशन 'नार्कोस' के तहत आरपीएफ द्वारा जून, 2022 में ₹7.40 करोड़ से अधिक मूल्य के नशीले पदार्थ बरामद

कानून प्रवर्तन एजेंसी के तौर पर रेलवे सुरक्षा बल ने हाल के दिनों में महत्त्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। अप्रैल 2019 से एनडीपीएस अधिनियम के तहत, आरपीएफ को तलाशी, जब्ती और गिरफ्तारी करने का अधिकार दिया गया है और बल अवैध व्यापार को प्रतिबंधित करने के सरकार के प्रयासों में सक्रिय रूप से सहभागी बन रहा है।

एनडीपीएस के खतरे पर विशेष रूप से ध्यान देने के लिए ऑपरेशन 'नार्कोस' नामक कोड के साथ रेल के माध्यम से नशीले पदार्थों की तस्करी के खिलाफ अखिल भारतीय अभियान जून-2022 महीने में प्रारंभ किया गया था। इस ऑपरेशन के तहत आरपीएफ ने भारतीय रेल के माध्यम से नारकोटिक्स उत्पादों को ले जाने वाले वाहक/ट्रांसपोर्टरों के खिलाफ उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। आरपीएफ ने इस अवैध व्यापार में शामिल ड्रग पेडलर्स को लक्षित करने के लिए एनसीबी और अन्य एलईए के समन्वय से देश भर में ट्रेनों और चिन्हित ब्लैक स्पॉट में अपनी जांच में तेजी लाते हुए जून, 2022 के महीने में ₹7,40,77,126/-के डिजाइनर उत्पादों सहित विभिन्न नशीले पदार्थों के उत्पादों को बरामद किया है और अपने कार्याधिकार क्षेत्र के भीतर एनडीपीएस ले जाने वाले 165 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है और इन्हें आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए संबंधित कानून प्रवर्तन एजेंसियों को सौंप दिया है।

नशीले पदार्थ न केवल युवाओं के स्वास्थ्य को खराब करते हैं, बल्कि ये पदार्थ अर्थव्यवस्था और राष्ट्र के हित को भी नुकसान पहुंचाते हैं। नशीली दवाओं की लत के दूरगामी प्रभाव होते हैं क्योंकि यह व्यक्ति के शारीरिक और मानसिक दोनों तरह के स्वास्थ्य को बुरी तरह प्रभावित करते हैं।

भारतीय रेल यात्रियों और सामानों के परिवहन में अग्रणी भूमिका निभाती है और भारत में इसका सबसे व्यापक नेटवर्क है, यही कारण है कि अपराधियों द्वारा अक्सर लंबी दूरी की ट्रेनों का उपयोग एनडीपीएस को आम यात्रियों के रूप में ड्रग कैरियर्स को छिपाने के लिए विभिन्न राज्यों में तस्करी के लिए किया जाता है। इस प्रकार, सुरक्षा एजेंसियों के लिए इस तरह के नशीले पदार्थों की तस्करी और भारतीय रेल को एनडीपीएस के अवैध परिवहन का माध्यम बनने से रोकना बहुत चुनौतीपूर्ण हो जाता है।

आप सबका भारतीय रेल के साथ अटूट रिश्ता है

भारतीय रेल के साथ आप अपने संस्मरण, यात्रा वृत्तांत, गीत, लेख आदि हिन्दी में हमें भेज सकते हैं। पसंद आने पर रचनाओं को हम रेल मंत्रालय की आधिकारिक मासिक पत्रिका

भारतीय रेल

में प्रकाशित करेंगे

ईमेल editorbhartiyarailrb@gmail.com

चयनित सामग्री लेख की जानकारी ईमेल से दी जाएगी,
प्रकाशित रचनाओं के लिए रेल मंत्रालय द्वारा निर्धारित मानदेय भी दिया जाएगा

शर्तें लागू

आज़ादी का अमृत महोत्सव

आज़ादी की रेलगाड़ी और स्टेशन

75 रेलवे स्टेशनों को 'फ्रीडम स्टेशनों' के रूप में तथा 27 ट्रेनों को 'स्पॉट लाइटिंग' के लिए चिन्हित किया गया

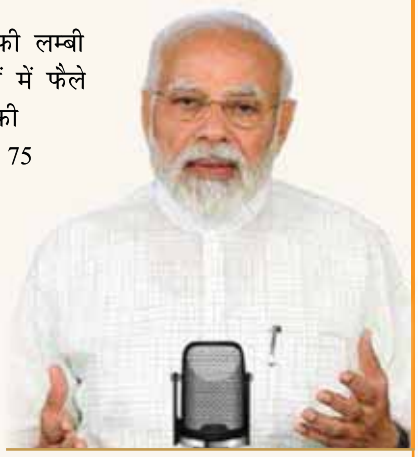


आकर्षक सैंड आर्ट की प्रस्तुति करते हुए उत्तर पश्चिम रेलवे के कर्मचारी श्री अजय रावत

आज़ादी का अमृत महोत्सव

मन की बात

साथियो, इसी जुलाई में एक बहुत ही रोचक प्रयास हुआ है, जिसका नाम है 'आज़ादी की रेलगाड़ी और रेलवे स्टेशन'। इस प्रयास का लक्ष्य है कि लोग आज़ादी की लड़ाई में भारतीय रेल की भूमिका को जानें। देश में अनेक ऐसे रेलवे स्टेशन हैं, जो स्वतंत्रता आंदोलन के इतिहास से जुड़े हैं। आप भी, इन रेलवे स्टेशनों के बारे में जानकार हैरान होंगे। झारखंड के गोमो जंक्शन, अब आधिकारिक रूप से, नेताजी सुभाष चंद्र बोस जंक्शन गोमो के नाम से जाना जाता है। जानते हैं क्यों? दरअसल इसी स्टेशन पर, कालका मेल में सवार होकर नेताजी सुभाष, ब्रिटिश अफसरों को चकमा देने में सफल रहे थे। आप सभी ने लखनऊ के पास काकोरी रेलवे स्टेशन का नाम भी जरुर सुना होगा। इस स्टेशन के साथ राम प्रसाद बिस्मिल और अशफाक उल्लाह खान जैसे जांबांजों का नाम जुड़ा है। यहाँ ट्रेन से जा रहे अंग्रेजों के खजाने को लूटकर वीर क्रांतिकारियों ने अंग्रेजों को अपनी ताकत का परिचय करा दिया था। आप जब कभी तमिलनाडु के लोगों से बात करेंगे, तो आपको, थुथुकुडी जिले के वान्ची मणियाच्ची जंक्शन के बारे में जानने को मिलेगा। ये स्टेशन तमिल स्वतंत्रता सेनानी वान्चीनाथन जी के नाम पर है। ये वही स्थान है जहाँ 25 साल के युवा वान्ची ने ब्रिटिश कलेक्टर को उसके किए की सजा दी थी।



श्री नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

साथियो, यह लिस्ट काफी लम्बी है। देशभर के 24 राज्यों में फैले ऐसे 75 रेलवे स्टेशनों की पहचान की गई है। इन 75 स्टेशनों को बहुत ही खूबसूरती से सजाया जा रहा है। इनमें कई तरह के कार्यक्रमों का भी आयोजन हो रहा है। आपको भी समय निकालकर अपने पास के ऐसे ऐतिहासिक स्टेशन पर जरुर जाना चाहिए। आपको, स्वतंत्रता आंदोलन के ऐसे इतिहास के बारे में विस्तार से पता चलेगा जिनसे आप अब तक अनजान रहे हैं। मैं आसपास के स्कूल के विद्यार्थियों से आग्रह करूँगा, टीचर्स से आग्रह करूँगा कि अपने स्कूल के छोटे-छोटे बच्चों को ले करके जरुर स्टेशन पर जाएँ और पूरा घटना-क्रम उन बच्चों को सुनाएँ, समझाएँ।

मन की बात, 91वीं कड़ी (31 जुलाई, 2022) से कुछ अंश





आज़ादी का अमृत महोत्सव

आज़ादी का अमृत महोत्सव

'आज़ादी की रेलगाड़ी और स्टेशन' सप्ताह का उत्सव पूर्वक समापन

- **संसदीय कार्य मंत्री ने 'आज़ादी की रेलगाड़ी और स्टेशनों' के प्रतिष्ठित सप्ताहिक समारोह के समापन कार्यक्रम में भाग लिया**
- **भारत गौरव दिव्य काशी आदि अमावस्या एक्सप्रेस को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए मदुरै से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया**
- **18 जुलाई से 23 जुलाई तक सप्ताह भर चले समारोहों के दौरान विभिन्न स्थानों पर स्वतंत्रता सेनानियों का अभिनंदन किया गया**
- **भारतीय रेल के द्वारा नुक्कड़ नाटक, प्रभात फेरी, प्रदर्शनियों का आयोजन किया गया**

संसदीय कार्य मंत्री श्री प्रह्लाद जोशी, रेल और कोयला एवं खान राज्य मंत्री श्री रावसाहेब दानवे (वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से), रेल एवं कपड़ा राज्य मंत्री श्रीमती दर्शना जरदोश और सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री सुश्री प्रतिमा भौमिक ने 23 जुलाई, 2022 को नई दिल्ली में आयोजित सप्ताह भर चलने वाले उत्सव 'आज़ादी की रेलगाड़ी और स्टेशनों' के समापन समारोह में भाग लिया। रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री वी. के. त्रिपाठी और रेलवे बोर्ड एवं उत्तर रेलवे के वरिष्ठ अधिकारी भी समारोह में मौजूद थे।

इस अवसर पर बोलते हुए, श्री प्रल्हाद जोशी ने कहा, ''माननीय प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में, देश आज़ादी का अमृत महोत्सव मना रहा है। भारतीय रेल ने इस प्रतिष्ठित सप्ताह के दौरान भारत भर में विभिन्न स्थानों पर कई स्वतंत्रता सेनानियों को सम्मानित करके एक उत्कृष्ट कार्यक्रम का आयोजन किया है। मैं आज के इस भव्य समारोह की मेजबानी करने के लिए और स्वतंत्रता सेनानियों के साथ बातचीत का अवसर देने के लिए भारतीय रेल को बधाई देता हूं। हमारे स्वतंत्रता सेनानियों के अनुभव निश्चित रूप से युवा पीढ़ी को राह दिखाएंगे और उनमें देशभक्ति की भावना जगाएंगे।''

समापन समारोह के दौरान विभिन्न स्थानों से वीडियो कॉन्फ्रेंसिग के माध्यम से स्वतंत्रता सेनानी और उनके परिवार के सदस्य समारोह में शामिल हुए। सभी जोनल रेलवे भी ऑनलाइन माध्यम से इस कार्यक्रम में



'आज़ादी की रेलगाड़ी और स्टेशन' के प्रतिष्ठित सप्ताह के समापन समारोह के दौरान स्वतंत्रता सेनानियों को सम्मानित करते हुए रेल एवं कपड़ा राज्य मंत्री श्रीमती दर्शना जरदोश के साथ संसदीय कार्य मंत्री श्री प्रह्लाद जोशी

आज़ादी का अमृत महोत्सव

आज़ादी की रेलगाड़ी और स्टेशन

शामिल हुए। स्वतंत्रता आंदोलन से जुड़े देश भर में 75 स्टेशनों और 27 ट्रेनों के महत्त्व पर प्रकाश डालते हुए रेलवे द्वारा तैयार की गई एक फिल्म को कार्यक्रम स्थल पर प्रदर्शित किया गया। भारत गौरव दिव्य काशी आदि अमावस्या एक्सप्रेस को वीडियो कॉन्फ्रेंसिग के माध्यम से मदुरै से झंडी दिखाकर रवाना किया गया। उत्तर रेलवे के कलाकारों द्वारा एक नुक्कड़ नाटक का प्रदर्शन किया गया।

भारतीय रेल के सप्ताह भर चलने वाले समारोहों के दौरान हुए कार्यक्रमों में स्टेशन भवनों पर रोशनी और सजावट की गई थी तथा स्टेशनों पर प्रदर्शनियां, फोटो गैलरी और डिस्प्ले लगाए गए थे। स्टेशन के प्लेटफॉर्म पर वीडियो क्लिप दिखाए गए और देशभक्ति के गीत बजाए गए। स्टेशन के महत्त्व को उजागर करने के लिए स्टेशन से संबंधित स्वतंत्रता संग्राम के सार वाले नुक्कड़ नाटक और प्रहसन का मंचन किया गया। प्रतिष्ठित सप्ताह के दौरान, कुछ ट्रेनों को सुरुचिपूर्ण ढंग से फूलों से सजाया गया और स्वतंत्रता सेनानियों द्वारा झंडी दिखाकर रवाना किया गया।

देश 'आज़ादी का अमृत महोत्सव', आज़ादी के 75 साल और भारत के अभूतपूर्व विकास और उन्नति का जश्न मना रहा है। इस अवसर पर भारतीय रेल ने लोगों, खासकर युवाओं को भारत के गौरवशाली इतिहास से जोड़ने हेतु स्वतंत्रता संग्राम में रेलवे की भूमिका को उजागर करने के लिए एक सप्ताह का उत्सव मनाया। यात्रा करने वाली जनता और बड़े पैमाने पर लोगों के मन में देशभक्ति की भावना जगाने में उत्सव प्रभावशाली रहा। प्रतिष्ठित सप्ताह उत्सव का देश भर में बहुत प्रभाव देखने को मिला और यात्रा करने वाले लोगों और बड़े पैमाने पर लोगों के मन में देशभक्ति की भावना उत्पन्न करने के लिए फ्रीडम स्टेशनों और स्पॉटलाइट ट्रेनों के आसपास यह ज्यादा जीवंत था।



भारत गौरव दिव्य काशी आदि अमावस्या एक्सप्रेस को वीडियो कॉन्फ्रेंसिग के माध्यम से झंडी दिखाकर रवाना करते हुए संसदीय कार्य मंत्री श्री प्रह्लाद जोशी, रेल राज्य मंत्री श्री रावसाहेब दानवे, रेल राज्य मंत्री श्रीमती दर्शना जरदोश और सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री सुश्री प्रतिमा भौमिक तथा अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी, रेलवे बोर्ड श्री विनय कुमार त्रिपाठी



18 जुलाई, 2022 को रेल भवन से 'आज़ादी की रेलगाड़ी और स्टेशन' के प्रतिष्ठित सप्ताह का शुभारंभ करते हुए रेलवे बोर्ड के सदस्यों के साथ अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी, रेलवे बोर्ड श्री विनय कुमार त्रिपाठी

आज़ादी का अमृत महोत्सव

मध्य रेल



मध्य रेल में 18 जुलाई, 2022 को छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस, मुंबई में 'आज़ादी का अमृत महोत्सव' समारोह के भाग के रूप में आयोजित विभिन्न गतिविधियों के साथ 'आज़ादी की रेल गाड़ी और स्टेशनों' के प्रतिष्ठित सप्ताह की यादगार शुरुआत की गई।

श्री अनंत लक्ष्मण गुरव और श्री मोतीलाल शंकर घोंगड़े, दोनों स्वतंत्रता सेनानी एवं 7 अन्य स्वतत्रंता सेनानियों के परिवारजनों द्वारा श्री अनिल कुमार लाहोटी, महाप्रबंधक, श्री आलोक सिंह, अपर महाप्रबंधक, मध्य रेल और श्री शलभ गोयल, मंडल रेल प्रबंधक, मुंबई मंडल की उपस्थिति में ऐतिहासिक पंजाब मेल को प्लेटफॉर्म नंबर 18, सीएसएमटी से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर कार्यक्रम के दौरान दोनों स्वतंत्रता सेनानियों के साथ-साथ 7 और स्वतंत्रता सेनानियों के परिवारजनों को भी सम्मानित किया गया।

मीडिया से बात करते हुए महाप्रबंधक ने कहा, "स्वतंत्रता संग्राम आंदोलन में रेलवे ने महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई है। यह गर्व की बात है कि मध्य रेल के छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस, पुणे, सतारा और नासिक रोड स्टेशनों और मध्य रेल से पंजाब मेल और हुतात्मा एक्सप्रेस को इस 'आज़ादी की रेल गाड़ी और स्टेशन' कार्यक्रम का हिस्सा बनने के लिए चुना गया है। छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस मुंबई ऐतिहासिक विरासत का एक महत्त्वपूर्ण हिस्सा है क्योंकि भारतीय उपमहाद्वीप पर पहली ट्रेन यहीं से चली थी और मुंबई स्वतंत्रता संग्राम आंदोलन के केंद्रों में से एक रहा है। मध्य रेल के लिए यह भी गर्व का पल है कि सबसे प्रतिष्ठित और सबसे पुरानी ट्रेन में से एक पंजाब मेल को आज हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया है।

'आज़ादी की रेल गाड़ी और स्टेशन' कार्यक्रम में नुक्कड़ नाटक व आरपीएफ बैंड द्वारा देशभक्ति गीत भी पेश किया गया। इस अवसर पर मध्य रेल के प्रमुख थे।

पूर्वोत्तर रेलवे



पूर्वोत्तर रेलवे के महाप्रबन्धक श्री अशोक कुमार मिश्र ने 18 जुलाई, 2022 को चौरीचौरा स्टेशन पर आयोजित एक समारोह में चौरीचौरा एवं बलिया स्टेशनों पर 'आज़ादी की रेलगाड़ी और स्टेशन' के अन्तर्गत आयोजित आइकॉनिक सप्ताह समारोह का उद्घाटन किया। उन्होंने फोटो गैलरी का निरीक्षण करने के उपरान्त स्वतंत्रता सेनानियों के परिजनों को सम्मानित किया।

आज़ादी का अमृत महोत्सव

आज़ादी की रेलगाड़ी और स्टेशन



17 जुलाई, 2022 को महाप्रबन्धक, पूर्वोत्तर रेलवे ने 'आज़ादी का अमृत महोत्सव' पर आयोजित होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों की शृंखला में आर.पी.एफ. की 'मोटरसाइकिल रैली' को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। उल्लेखनीय है कि पूर्वोत्तर रेलवे के तीनों मंडलों के मोटरसाइकिल चालकों की यह रैली कुशीनगर एवं गोपालगंज होते हुए चम्पारण के बापूधाम मोतिहारी स्टेशन पहुँचेगी। तदोपरान्त यह मोटरसाइकिल रैली स्वतंत्रता संग्राम से सम्बन्धित विभिन्न स्थलों से गुजरती हुई अन्य क्षेत्रीय रेलों की मोटरसाइकिल रैली के साथ स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर नेशनल वार मेमोरियल, इंडिया गेट, नई दिल्ली पहुँचेगी।

उत्तर मध्य रेलवे

उत्तर मध्य रेलवे के 4 स्टेशन प्रयागराज जं., आगरा कैंट, वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी और दीन दयाल धाम आज़ादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत 75 स्टेशनों की सूची में शामिल हैं। महाप्रबंधक श्री प्रमोद कुमार द्वारा प्रयागराज जं. पर आयोजन का उद्घाटन किया गया। वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी स्टेशन पर डीआरएम झांसी श्री आशुतोष द्वारा एवं आगरा कैंट स्टेशन पर डीआरएम श्री आनन्द स्वरूप द्वारा उद्घाटन किए गए। प्रयागराज स्टेशन पर एक अनूठी पहल की गई जिसमें यहां के शहीदों, साहित्यकारों एवं क्रांतिकारियों के बारे में उल्लेख करते हुए एक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इसमें प्रयागराज के 13 शहीदों व 9 कलम के क्रांतिवीरों को नमन किया गया। इसके अतिरिक्त 16 क्रांतिकारियों का भी वर्णन दर्शाया गया। 18 से 23 जुलाई, 2022 तक यह प्रदर्शनी जन सामान्य के लिए खुली थी। 23 जुलाई, 2022 को समापन के पश्चात इन शहीदों की स्मृतियों को प्रयागराज जं. पर स्थाई रूप से विभिन्न दीवारों पर लगाया जा रहा है।



आज़ादी का अमृत महोत्सव

उत्तर रेलवे



उत्तर रेलवे पर 'आज़ादी की रेलगाड़ी और स्टेशन' सप्ताह के दौरान भारतीय स्वतंत्रता संग्राम से जुड़े रेलवे स्टेशनों और रेलगाड़ियों की भूमिका को दर्शाया गया।

इस अवधि के दौरान रेलवे स्टेशनों पर रंगारंग रोशनी और साज-सज्जा की गई। स्टेशन पर फोटो गैलरी और डिस्प्ले लगाए गए। स्टेशन के प्लेटफॉर्मों पर वीडियो क्लिप दिखाई गई और देशभक्ति के गीत बजाए गए। साथ ही, स्वतंत्रता संग्राम के दौरान स्टेशन की भूमिका से जुड़े नुक्कड़ नाटकों का मंचन किया गया। चिन्हित रेलगाड़ियों को सजाया गया और उस क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में स्वतंत्रता सेनानियों अथवा उनके वंशजों द्वारा रेलगाड़ी को झंडी दिखाकर रवाना किया गया।

उत्तर रेलवे पर चिन्हित किए गए रेलवे स्टेशन निम्नानुसार हैं:- पलवल और मेरठ (दिल्ली मंडल), पण्डित राम प्रसाद बिस्मिल (जिला सहारनपुर) और काकोरी (मुरादाबाद मंडल), खटकरकलां, भगतांवाला और अमृतसर (फिरोजपुर मंडल), चारबाग (लखनऊ मंडल) और सुनाम उधमसिंह वाला (अम्बाला मंडल)।

चिन्हित की गई रेलगाड़ियों में 12953/54 अगस्त क्रांति एक्सप्रेस (मुम्बई सेंट्रल-हज़रत निजामुद्दीन), 15273/74 सत्याग्रह एक्सप्रेस (रक्सौल जं.-आनंद विहार टर्मिनल), 12312/11 नेताजी एक्सप्रेस (कालका-हावड़ा जं.), 13005/06 हावड़ा मेल (हावड़ा जं. -अमृतसर) और 12903/04 फ्रंटियर मेल (मुम्बई सेंट्रल-अमृतसर) शामिल हैं।

दक्षिण मध्य रेलवे

'आज़ादी की रेलगाड़ी और स्टेशन' समारोह के अंतर्गत दिनांक 22 जुलाई, 2022 को तीन तेलुगू स्वतंत्रता सेनानी–श्री के.चंद्र प्रकाश राव, श्री पी. मोहन राव और श्री जी. गालय्या ने गाड़ी संख्या 12723 (हैदराबाद से नई दिल्ली) तेलंगाना एक्सप्रेस को हैदराबाद रेलवे स्टेशन से हरी झंडी दिखा कर रवाना किया श्री चंद्र प्रकाश राव एवं श्री पी. मोहन राव ने छात्र रैली में भाग लिया और जेल गए।

श्री जी. गालय्या: 15 वर्ष की आयु से ही स्वतंत्रता आंदोलन में सक्रिय रूप से भाग लेना शुरू कर दिया था। आप श्री सरदार वल्लभ भाई पटेल के नेतृत्व में ऑपरेशन पोलो में भी शामिल हुए। परकाला छात्र आंदोलन के दौरान, उन्हें वारंगल सब-जेल भेजा गया था।

स्वतंत्रता सेनानियों ने विरासत को बढ़ावा देने के लिए रेलवे के प्रयासों की सराहना की।



इस अवसर पर रेल सुरक्षा बल के जवानों ने देशभक्ति गीतों का बैंड प्रदर्शन दिया।

इस अवसर श्री अरुण कुमार जैन ने कहा कि जोन के लिए यह गर्व का क्षण है कि हम अपने स्वतंत्रता सेनानियों द्वारा प्रसिद्ध तेलंगाना एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाकर रवाना करते हुए देख रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमारा कर्तव्य है कि हम स्वतंत्रता संग्राम को गर्व के साथ याद करें।

आज़ादी का अमृत महोत्सव

दक्षिण रेलवे





23 जुलाई, 2022 को नई दिल्ली में 'आज़ादी की रेलगाड़ी और स्टेशन' कार्यक्रम के प्रतिष्ठित सप्ताह समारोह का केंद्रीय समापन समारोह आयोजित किया गया था। दक्षिण रेलवे में, केंद्रीय समापन समारोह का सभी पांच स्टेशनों अर्थात, वेल्लोर छावनी, वांची मनियाची, तिरुप्पुर, नीलांबुर रोड और तिरुवल्लिकेनी पर सीधा प्रसारण किया गया। ये सभी स्टेशन अखिल भारतीय स्तर पर उक्त कार्यक्रम के लिए पहचाने गए 75 रेलवे स्टेशनों में शामिल हैं।

चेन्नई मंडल में, तिरुवल्लिकेनी एमआरटीएस स्टेशन पर आयोजित समारोह में 99 वर्षीय स्वतंत्रता सेनानी, श्री करुप्पैया विशेष अतिथि थे। वे नेताजी की आजाद हिंद फौज (आईएनए) में एक स्वयंसेवक थे। 18 से 23 जुलाई, 2022 तक चले इस प्रतिष्ठित सप्ताह समारोह के एक हिस्से के रूप में दक्षिण रेलवे के इन पांच स्टेशनों पर स्वतंत्रता सेनानियों की विरासत को याद करते हुए कई सांस्कृतिक कार्यक्रमों और फोटो प्रदर्शनियों का आयोजन किया गया।

पश्चिम मध्य रेल





दिनांक 18 जुलाई को पश्चिम मध्य रेल के अपर महाप्रबंधक श्री शोभन चौधुरी ने 'आज़ादी की रेलगाड़ी और स्टेशन' सप्ताह समारोह का शुभारम्भ किया और स्वतंत्रता संग्राम में भारतीय रेल के योगदान पर आधारित एक इवेंट गैलरी का भी शुभारम्भ किया। इस अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित हुए, जिसमें देशभक्ति के तरानों की प्रस्तुतियाँ दी गईं। इसके अलावा जबलपुर रेलवे स्टेशन भवन के प्लेटफॉर्म 1 तथा 6 को दोनों तरफ तिरंगा लाईट से विशेष रूप से सुसज्जित किया गया। पश्चिम मध्य रेल में 'आज़ादी की रेलगाड़ी और स्टेशन' सप्ताह समारोह के अंतर्गत 'आज़ादी के अमृत महोत्सव' के उपलक्ष्य में रेलवे द्वारा तैयार करवाई गई इवेंट गैलरी आमजनता का विशेष आकर्षण का केन्द्र रही। इवेंट गैलरी प्लेटफॉर्म क्रमांक 1 के मुख्य प्रवेश द्वार पर आम जनता के लिए प्रदर्शित की गई।

आज़ादी का अमृत महोत्सव

पश्चिम रेलवे



पश्चिम रेलवे में 'आज़ादी की रेल गाड़ी और स्टेशन' का समापन समारोह साबरमती रेलवे स्टेशन पर आयोजित किया गया जो वीडियो लिंक के माध्यम से मुख्य कार्यक्रम से जुड़ा था। इस अवसर पर अहमदाबाद के मंडल रेल प्रबंधक के साथ स्वतंत्रता सेनानी श्री ईश्वरलाल दवे और श्री नंदलाल शाह उपस्थित थे। पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक श्री प्रकाश बुटानी, प्रमुख मुख्य विभागाध्यक्ष और वरिष्ठ रेलवे अधिकारी ऑनलाइन जुड़े हुए थे। 'स्वतंत्रता संग्राम में भारतीय रेल की भूमिका' और 'आज़ादी की रेल गाड़ी और स्टेशन'- भारतीय रेल पर उत्सव पर वीडियो फिल्में दिखाई गईं। पश्चिम रेलवे द्वारा 'आज़ादी की रेल गाड़ी और स्टेशन' के मद्देनजर साबरमती, अडास रोड, पोरबंदर, बारडोली और नवसारी स्टेशनों पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। इन प्रतिष्ठित स्टेशनों पर स्वतंत्रता सेनानियों और उनके परिवारों को आमंत्रित किया गया तथा सम्मानित किया गया। दस स्पॉटलाइट ट्रेनें अर्थात लोकशक्ति एक्सप्रेस, आश्रम एक्सप्रेस, साबरमती एक्सप्रेस, अहिंसा एक्सप्रेस, नवजीवन एक्सप्रेस, शांति एक्सप्रेस, गुजरात मेल, अहमदाबाद-नई दिल्ली स्वर्ण जयंती राजधानी एक्सप्रेस, वडोदरा-अहमदाबाद संकल्प पैसेंजर और बांद्रा टर्मिनस-सूरत इंटरसिटी एक्सप्रेस को आकर्षक रूप से सजाया गया और स्वतंत्रता सेनानियों एवं उनके परिवारजनों द्वारा झंडी दिखाकर रवाना किया गया। सप्ताह भर में विभिन्न स्टेशनों पर रंगोली, नुक्कड़ नाटक, गरबा, देशभक्ति गीत, ड्राइंग प्रतियोगिता, फैंसी ड्रेस आदि जैसे विभिन्न कार्यक्रम बड़ी धूमधाम और उत्साह के साथ आयोजित किए गए, जिसमें एक लघु फिल्म का स्टेशनों पर डिजिटल स्क्रीनों पर प्रदर्शन भी शामिल है। साबरमती स्टेशन पर 'आज़ादी की रेल गाड़ी और स्टेशन' विषय पर दो दिवसीय सुरुचिपूर्ण प्रदर्शनी का भी आयोजन किया गया।

मेट्रो रेलवे



श्री अरुन अरोरा, महाप्रबंधक, मेट्रो रेलवे ने 'आज़ादी का अमृत महोत्सव' के एक हिस्से के रूप में 18 जुलाई, 2022 को 'आज़ादी की रेलगाड़ी और स्टेशनो' के प्रतीकात्मक सप्ताहके दौरान कोलकाता से एक मोटर बाइक रैली को झंडी दिखाकर रवाना किया, जो 14 अगस्त, 2022 को दिल्ली पहुंचेगी।

19 जुलाई, 2022 को पूर्ण रूप से महिला प्रबंधित नेताजी भवन मेट्रो स्टेशन पर विशेष सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में नेताजी भवन मेट्रो स्टेशन के कर्मचारियों द्वारा देशभक्ति के गीत, संगीत, नृत्य और भाषण प्रस्तुत किए गए। इस अवसर पर नेताजी सुभाष चंद्र बोस के पोते श्री सौगत बोस भी उपस्थित थे जो एक प्रसिद्ध इतिहासकार और लोकसभा के पूर्व सदस्य भी हैं।

आज़ादी का अमृत महोत्सव

पूर्वोत्तर सीमा रेल

'आज़ादी की रेलगाड़ी और स्टेशन' आयोजन के तहत पू. सी. रेल के अधीन 09 स्टेशनों को चुना गया, जिसमें असम का गहपुर, रहा और शिवसागर टाउन, त्रिपुरा में अगरतला, मणिपुर में जिरिबाम, नागालैंड में डिमापुर, मिजोरम में भैरबी, अरुणाचल प्रदेश में नाहरलगुन, मेघालय में मेंदीपथार शामिल हैं।

महाप्रबंधक श्री अंशुल गुप्ता ने गुवाहाटी रेलवे स्टेशन पर 'आज़ादी की रेल गाड़ी और स्टेशन' कार्यक्रम का उद्घाटन किया। इस अवसर पर स्वतंत्रता सेनानियों के परिवार के सदस्यों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। इस दौरान स्टेशनों पर लाइट एंड साउंड शो, फोटो बूथ, नुक्कड़ नाटक आदि कार्यक्रम किए गए।



रेलवे सुरक्षा बल



'आज़ादी का अमृत महोत्सव' को यादगार बनाने हेतु देशभर के 75 विभिन्न स्थानों से आरपीएफ द्वारा मोटरसाइकिल रैलियों को 01 जुलाई, 2022 को झंडी दिखाकर रवाना किया गया।

आरपीएफ स्वतंत्रता संग्राम में योगदान के लिए आभार व्यक्त करने के उद्देश्य से पूरे भारत में स्वतंत्रता सेनानियों या उनके परिवारों के सदस्यों को सम्मानित कर रहा है। आरपीएफ की ओर से आरपीएफ कार्मिकों और आम लोगों के सहयोग से रन फॉर यूनिटी, रक्तदान शिविर, स्वच्छता अभियान, वृक्षारोपण अभियान, बैंड शो आदि जैसे कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं और यह संदेश दिया जा रहा है कि यह बल करुणा सहित सुरक्षा के अटूट उद्देश्य के साथ 'सेवा ही संकल्प' के लिए समर्पित है।

चित्तरंजन रेल इंजन कारखाना

3 जुलाई 2022 को आज़ादी का अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में चिरेका द्वारा 'रन फॉर यूनिटी' के तहत हाफ मैराथन दौड़ का आयोजन किया गया। श्री वीरेंद्र कुमार, महानिरीक्षक और प्रमुख मुख्य सुरक्षा आयुक्त, आरपीएफ ने इस हाफ मैराथन दौड़ को झंडी दिखाकर रवाना किया। दौड़ में शामिल लोगों ने निर्धारित दूरी को आर्म्स विंग तक पहुँच कर पूरा किया। इस मौके पर आरपीएफ चित्तरंजन के वरीय अधिकारी और कर्मचारी गण भी मौजूद थे। इस अवसर पर रेलवे सुरक्षा बल के जवानों ने उत्साह पूर्वक हिस्सा लिया। दौड़ के दौरान अव्वल स्थान पर आए नौजवानों के सम्मान में साथी धावकों ने तालियां बजाई।



आज़ादी का अमृत महोत्सव

फ्रीडम स्टेशनों के रुप में चिन्हित 75 रेलवे स्टेशन

क्र. सं.	रेलवे क्षेत्र	पहचाना गया स्टेशन	राज्य
1	मध्य रेल	मुंबई सीएसएमटी	महाराष्ट्र
2	मध्य रेल	नासिक रोड	महाराष्ट्र
3	मध्य रेल	सतारा	महाराष्ट्र
4	मध्य रेल	पुणे	महाराष्ट्र
5	पूर्व मध्य रेलवे	आरा	बिहार
6	पूर्व मध्य रेलवे	पटना	बिहार
7	पूर्व मध्य रेलवे	शहीद खुदी राम बोस, पूसा	बिहार
8	पूर्व मध्य रेलवे	बापूधाम मोतीहारी	बिहार
9	पूर्व मध्य रेलवे	नेताजी सुभाषचंद्र बोस, गोमोह	झारखंड
10	पूर्व मध्य रेलवे	दीन दयाल उपाध्याय स्टेशन	उत्तर प्रदेश
11	पूर्व तट रेलवे	विशाखापट्टनम	आंध्र प्रदेश
12	पूर्व तट रेलवे	कटक	ओडिशा
13	पूर्व तट रेलवे	खुर्दा रोड	ओडिशा
14	पूर्व तट रेलवे	सखीगोपाल	ओडिशा
15	पूर्व तट रेलवे	संबलपुर	ओडिशा
16	पूर्व रेलवे	भागलपुर	बिहार
17	पूर्व रेलवे	बर्धमान	पश्चिम बंगाल
18	पूर्व रेलवे	जीरत	पश्चिम बंगाल
19	पूर्व रेलवे	नैहाटी	पश्चिम बंगाल
20	पूर्व रेलवे	सुभाषग्राम	पश्चिम बंगाल
21	मेट्रो	नेताजी भवन मेट्रो स्टेशन	पश्चिम बंगाल
22	उत्तर मध्य रेलवे	आगरा	उत्तर प्रदेश
32	उत्तर मध्य रेलवे	दीन दयाल धाम	उत्तर प्रदेश
24	उत्तर मध्य रेलवे	झांसी	उत्तर प्रदेश

क्र. सं.	रेलवे क्षेत्र	पहचाना गया स्टेशन	राज्य
25	उत्तर मध्य रेलवे	प्रयागराज	उत्तर प्रदेश
26	उत्तर मध्य रेलवे	चौरी-चौरा	उत्तर प्रदेश
27	उत्तर मध्य रेलवे	बलिया	उत्तर प्रदेश
28	पूर्वोत्तर सीमा रेलवे	नाहरलागुन	अरुणाचल प्रदेश
29	पूर्वोत्तर सीमा रेलवे	गोहपुर	असम
30	पूर्वोत्तर सीमा रेलवे	राहा	असम
31	पूर्वोत्तर सीमा रेलवे	सिबसागर टाउन	असम
32	पूर्वोत्तर सीमा रेलवे	कैमाई रोड	मणिपुर
33	पूर्वोत्तर सीमा रेलवे	भोइराबी	मिजोरम
34	पूर्वोत्तर सीमा रेलवे	दिमापुर	नागालैंड
35	पूर्वोत्तर सीमा रेलवे	मेंदीपथार	मेघालय
36	पूर्वोत्तर सीमा रेलवे	अगरतला	त्रिपुरा
37	उत्तर रेलवे	दिल्ली	दिल्ली
38	उत्तर रेलवे	सुनाम उधम सिंह वाला स्टेशन	पंजाब
39	उत्तर रेलवे	अमृतसर	पंजाब
40	उत्तर रेलवे	चारबाग	लखनऊ
41	उत्तर रेलवे	खटकरलाणि	पंजाब
42	उत्तर रेलवे	काकोरी	उत्तर प्रदेश
43	उत्तर रेलवे	पंडित राम प्रसाद बिस्मिल	उत्तर प्रदेश
44	उत्तर रेलवे	मेरठ	उत्तर प्रदेश
45	उत्तर पश्चिम रेलवे	हांसी	हरियाणा
46	उत्तर पश्चिम रेलवे	सिरसा	हरियाणा
47	उत्तर पश्चिम रेलवे	रेवाड़ी	हरियाणा
48	उत्तर पश्चिम रेलवे	बीजोलिया	राजस्थान
49	उत्तर पश्चिम रेलवे	जैसलमर	राजस्थान

आज़ादी का अमृत महोत्सव

आज़ादी की रेलगाड़ी और स्टेशन

क्र. सं.	रेलवे क्षेत्र	पहचाना गया स्टेशन	राज्य
50	उत्तर पश्चिम रेलवे	जयपुर	राजस्थान
51	उत्तर पश्चिम रेलवे	अलवर	राजस्थान
52	दक्षिण मध्य रेलवे	गुंटूर	आंध्र प्रदेश
53	दक्षिण मध्य रेलवे	विजयवाड़ा	आंध्र प्रदेश
54	दक्षिण मध्य रेलवे	आसिफाबाद रोड	तेलंगाना
55	दक्षिण मध्य रेलवे	हैदराबाद	तेलंगाना
56	दक्षिण पूर्व रेलवे	चक्रधरपुर	झारखंड
57	दक्षिण पूर्व रेलवे	टाटानगर	झारखंड
58	दक्षिण पूर्व रेलवे	रांची	झारखंड
59	दक्षिण पूर्व रेलवे	बालासोर	ओडिशा
60	दक्षिण रेलवे	नीलांबुर रोड	केरल
61	दक्षिण रेलवे	वेल्लोर छावनी	तमिलनाडु
62	दक्षिण रेलवे	वांची मणियाच्चि	तमिलनाडु
63	दक्षिणी रेलवे	तिरुपुर	तमिलनाडु
64	दक्षिणी रेलवे	तिरुवल्लिकेनी एमआरटीएस	तमिलनाडु

क्र. सं.	रेलवे क्षेत्र	पहचाना गया स्टेशन	राज्य
65	दक्षिण पश्चिम रेलवे	हावेरी	कर्नाटक
66	दक्षिण पश्चिम रेलवे	मद्दूर	कर्नाटक
67	दक्षिण पश्चिम रेलवे	किट्टूर	कर्नाटक
68	दक्षिण पश्चिम रेलवे	विदुराश्वत्ता	कर्नाटक
69	पश्चिम मध्य रेलवे	जबलपुर	मध्य प्रदेश
70	पश्चिम मध्य रेलवे	भोपाल	मध्य प्रदेश
71	पश्चिम रेलवे	पोरबंदर	गुजरात
72	पश्चिम रेलवे	साबरमती	गुजरात
73	पश्चिम रेलवे	नवसारी	गुजरात
74	पश्चिम रेलवे	बारदोली	गुजरात
75	पश्चिम रेलवे	अदासरोड	गुजरात

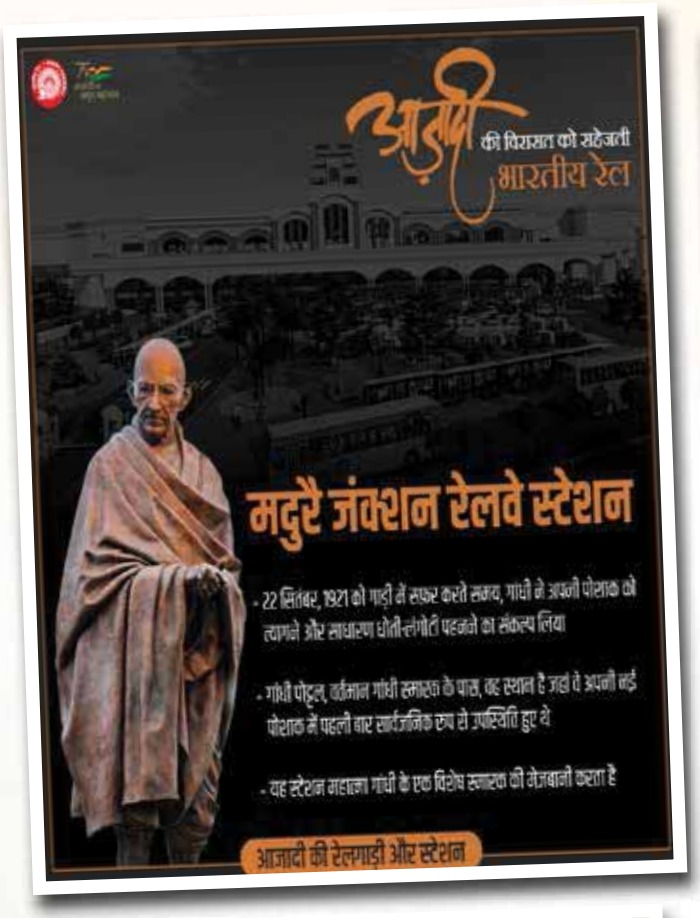
27 ट्रेनों को 'स्पॉट लाइटिंग' के लिए चिन्हित किया गया

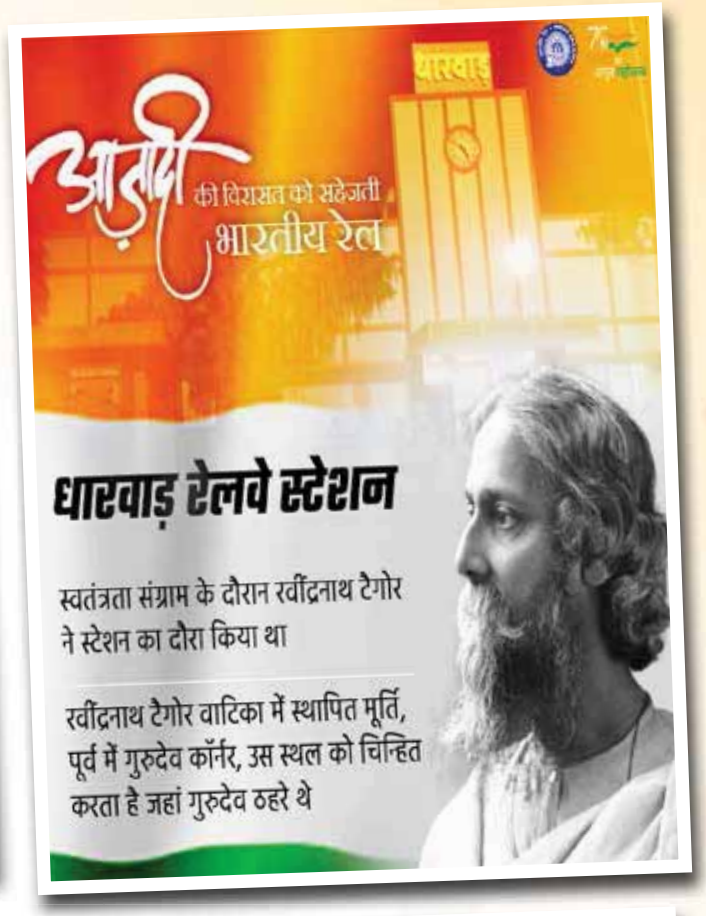
मध्य रेलवे	पंजाब मेल हुतात्मा एक्सप्रेस
पूर्व रेलवे	नेताजी एक्सप्रेस
	जलियावाला बाग एक्सप्रेस
	हूल एक्सप्रेस
पूर्व मध्य रेलवे	हावड़ा-कालका मेल हेरिटेज स्पेशल रेलगाड़ी
उत्तर रेलवे	हावड़ा मेल फ्रंटियर मेल एक्सप्रेस नेताजी एक्सप्रेस अगस्त क्रांति एक्सप्रेस सत्याग्रह एक्सप्रेस
दक्षिण मध्य रेलवे	तेलंगाना एक्सप्रेस
दक्षिण पूर्व रेलवे	हावड़ा-छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस एक्सप्रेस

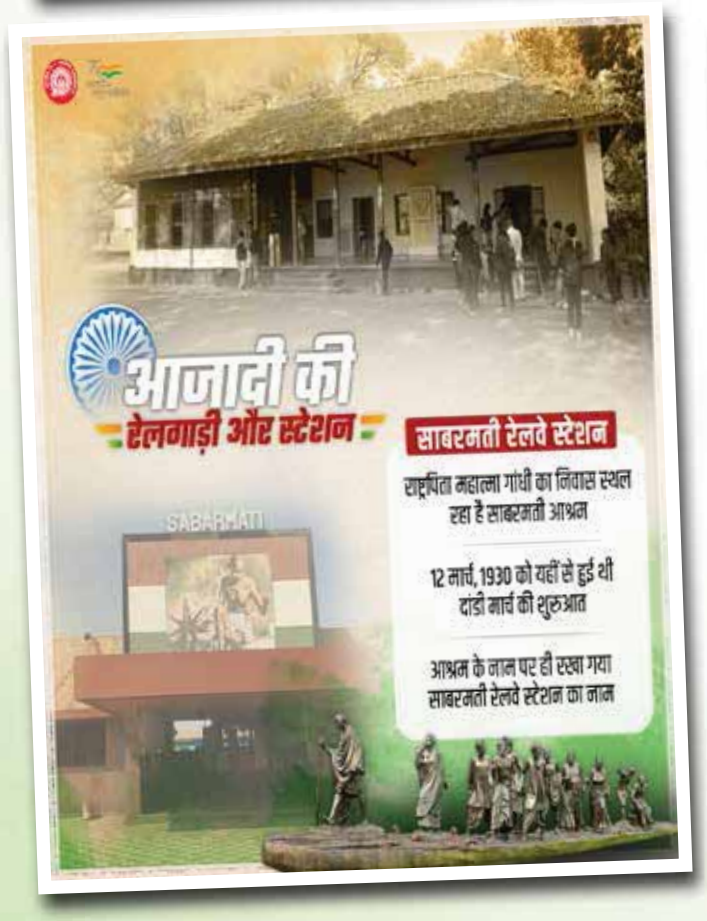
दक्षिण पश्चिम रेलवे	मैसूरु-बेंगलुरु-मैसूरु टीपू एक्सप्रेस बेंगलुरु-मिरज-बेंगलुरु रानी चेन्नम्मा एक्सप्रेस
पश्चिम रेलवे	अहिंसा एक्सप्रेस
	आश्रम एक्सप्रेस
	लोकशक्ति एक्सप्रेस
	नवजीवन एक्सप्रेस
	साबरमती एक्सप्रेस
	शांति एक्सप्रेस
	गांधी विशेष रेलगाड़ी
	गुजरात मेल
	बीए-एसटी एसएफ आंतरिक शहर एक्सप्रेस
	अहमदाबाद-नई दिल्ली- अहमदाबाद स्वर्ण जयंती राजधानी एक्सप्रेस
	संकल्प फास्ट

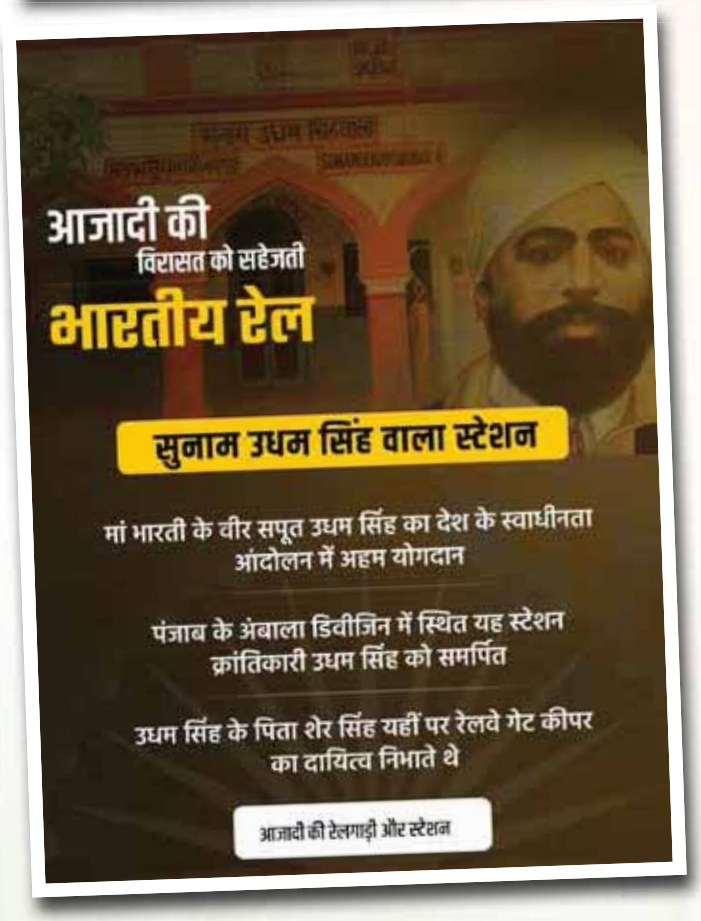
आज़ादी का अमृत महोत्सव

आज़ादी की रेलगाड़ी और स्टेशन



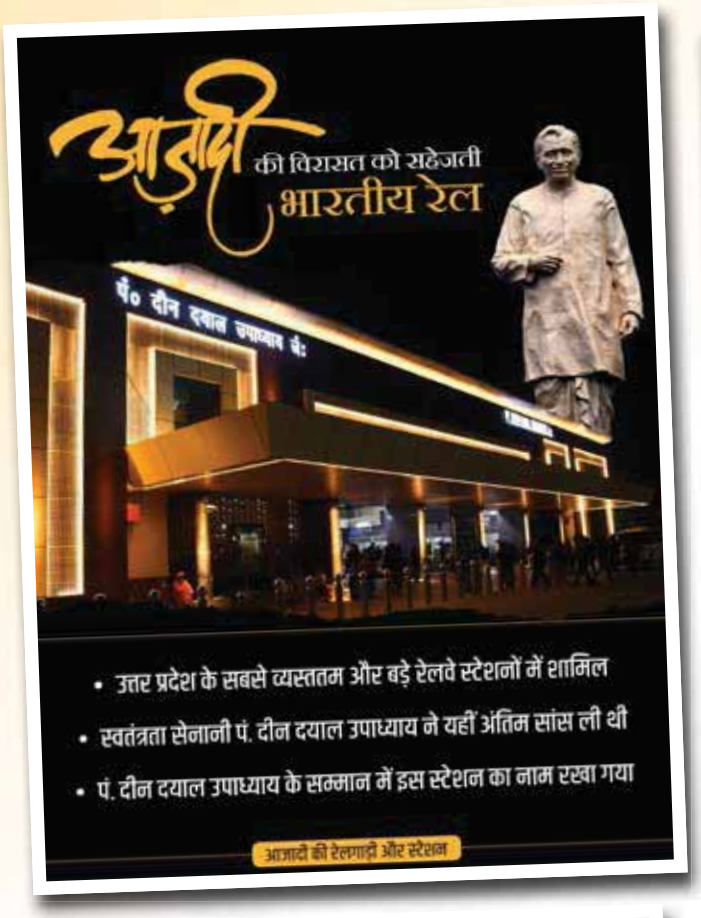






आज़ादी का अमृत महोत्सव

आज़ादी की रेलगाड़ी और स्टेशन







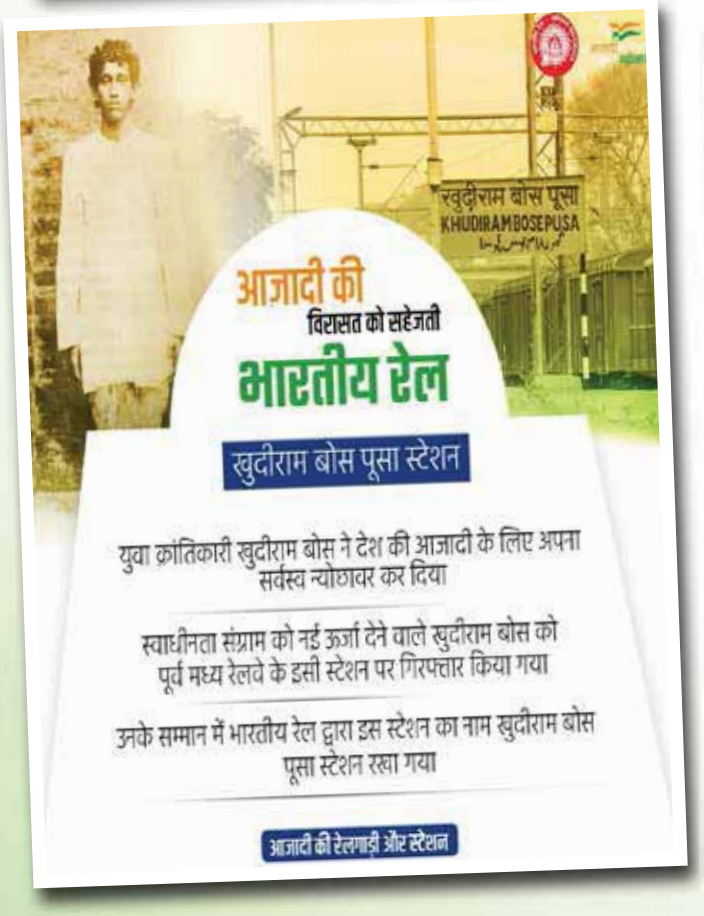


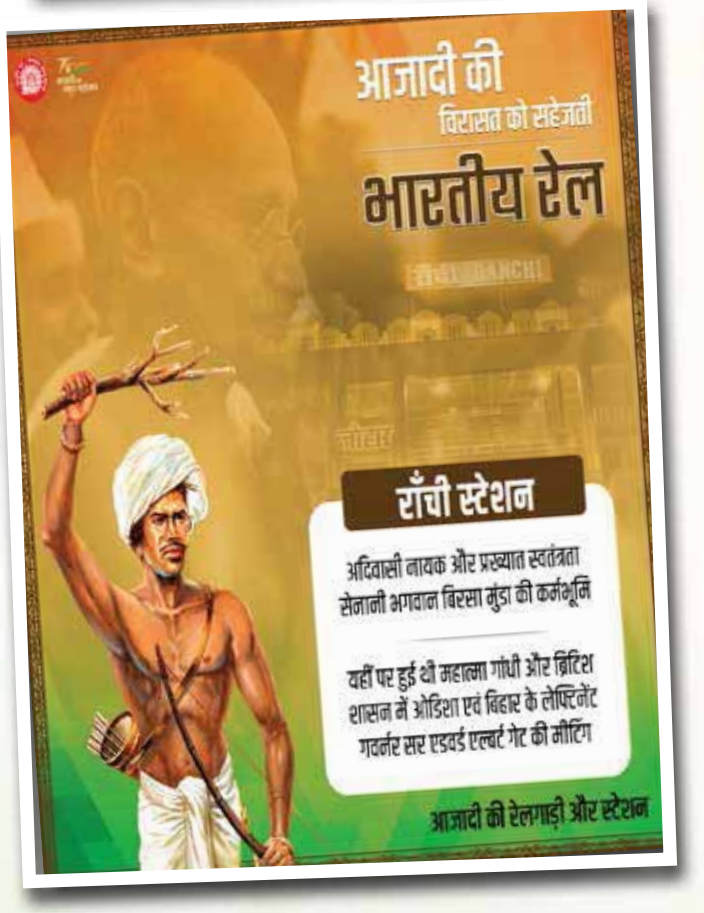
आज़ादी का अमृत महोत्सव

आज़ादी की रेलगाड़ी और स्टेशन









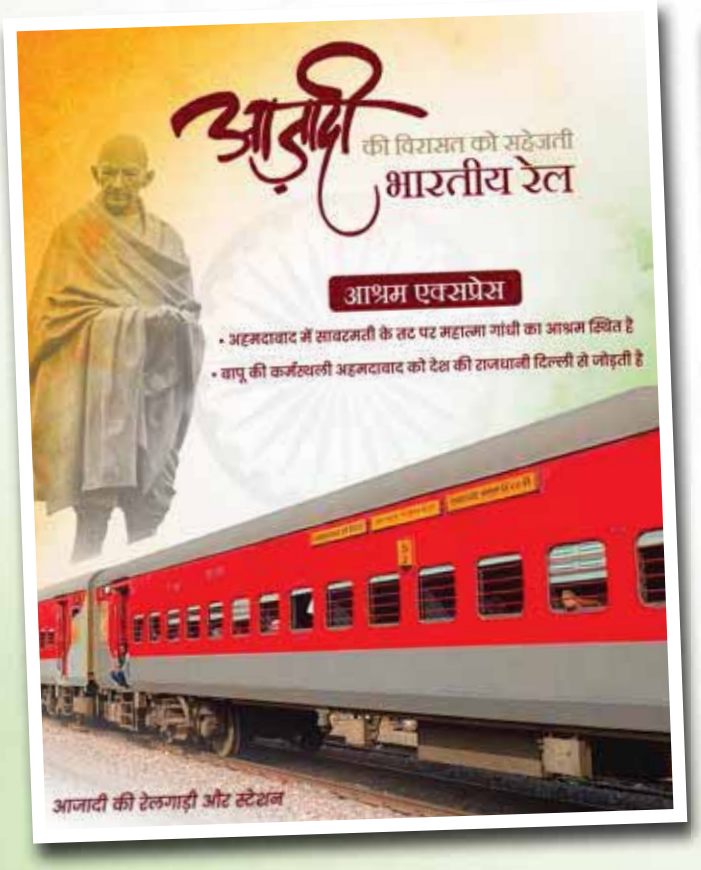
आज़ादी का अमृत महोत्सव

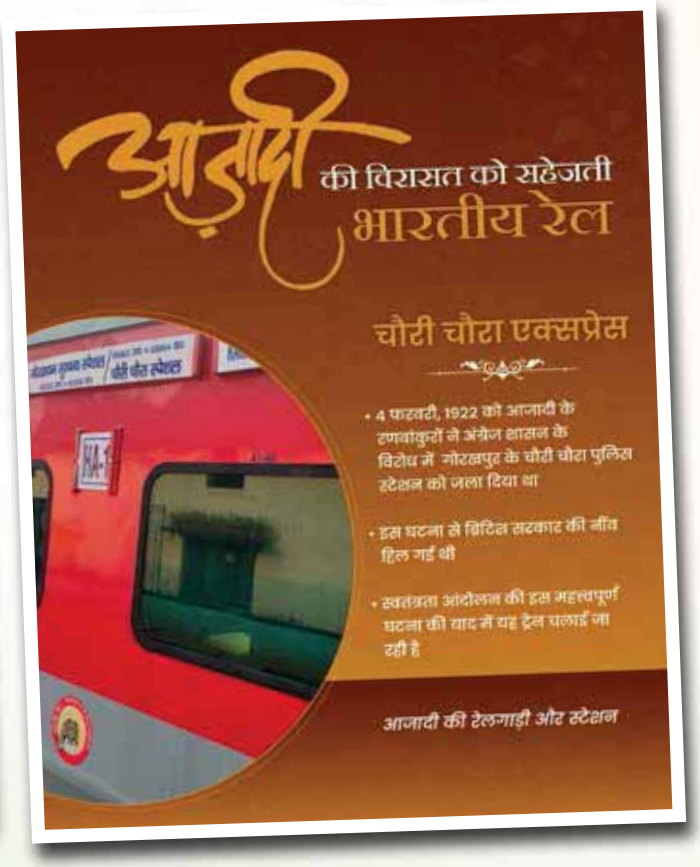




आज़ादी का अमृत महोत्सव





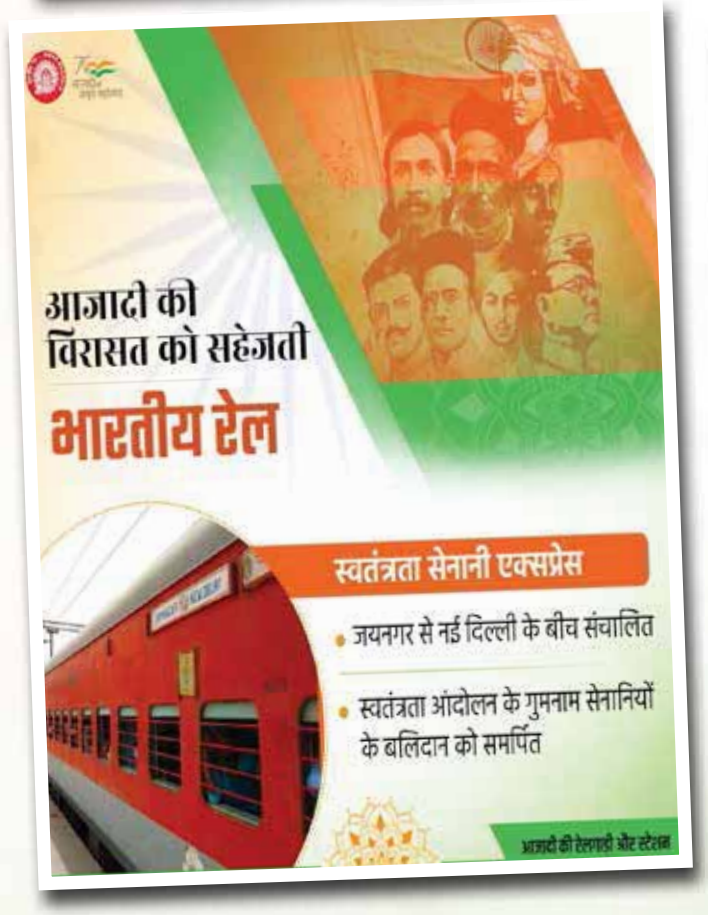


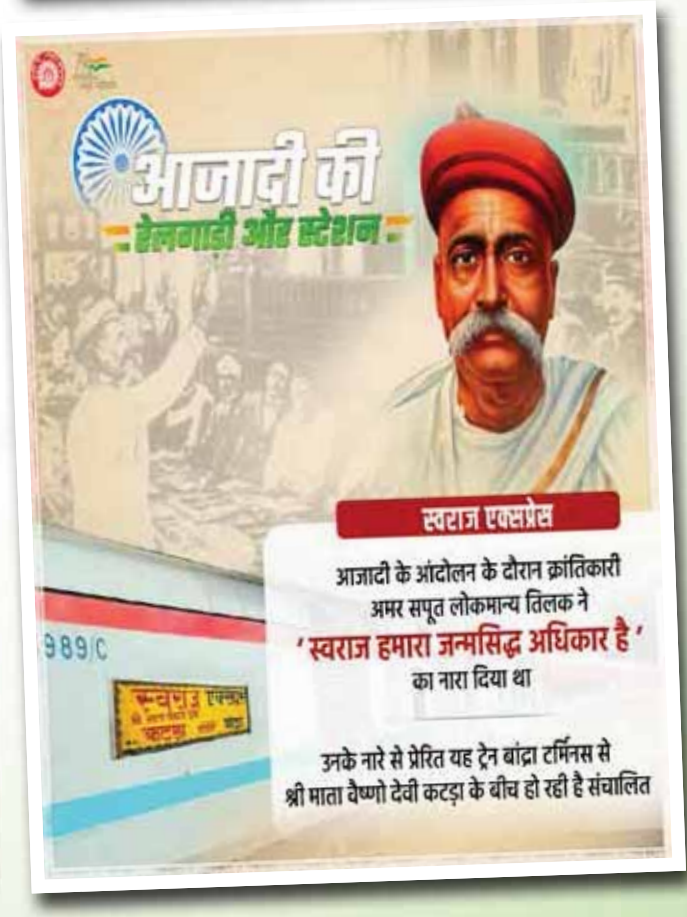
आज़ादी का अमृत महोत्सव

आज़ादी की रेलगाड़ी और स्टेशन









संसद में भारतीय रेल

संसद सत्र के दौरान माननीय सांसदों द्वारा भारतीय रेल के संबंध में पूछे गए विभिन्न प्रश्नों के उत्तर में रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने निम्नलिखित जानकारियाँ दीं

(प्रस्तुत हैं, संकलित अंश)

थीम आधारित पर्यटक सर्किट ट्रेनें 'भारत गौरव ट्रेन'

रेल मंत्रालय ने भारत गौरव ट्रेनें (थीम आधारित पर्यटक सर्किट ट्रेनों) के माध्यम से भारत और दुनिया के लोगों को भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और भव्य ऐतिहासिक स्थानों का दर्शन कराने के उद्देश्य से 'भारत गौरव ट्रेन' नीति जारी की है।

अब तक दो भारत गौरव ट्रेनों को निम्नलिखित यात्रा क्रम के साथ संचालित किया गया है:

- कोयंबतूर-मंत्रालयम-शिर्डी-कोयंबतूर
- दिल्ली सफदरजंग-अयोध्या-बक्सर-जनकपुर (नेपाल)-वाराणसी-नासिक-होसपेट-रामेश्वरम-कांचीपुरम- भद्राचलम रोड-दिल्ली सफदरजंग



आरपीएफ द्वारा नशीले पदार्थों की बरामदगी

रेल सुरक्षा बल को रेल संपत्ति (विधि विरुद्ध कब्जा) अधिनियम, 1966, रेल अधिनियम, 1989 (2003 में यथा संशोधित), रेल सुरक्षा बल अधिनियम, 1957 और सिगरेट और अन्य तंबाकू उत्पाद (विज्ञापन का प्रतिषेध और व्यापार और वाणिज्य, उत्पादन, प्रदाय और वितरण का विनियमन) अधिनियम, 2003 के तहत गिरफ्तारी, तलाशी और जब्त करने का अधिकार दिया गया है। इन अधिनियमों के माध्यम से प्रदत्त शक्ति के तहत, आरपीएफ यात्रियों एवं रेलवे संपत्ति के खिलाफ अपराध को नियंत्रित करने के उद्देश्य से अपराधियों की गिरफ्तारी और जब्ती करता है और उन पर मुकदमा चलाता है।

इसके अलावा, भारत सरकार ने अपनी अधिसूचना सं. 1403 दिनांक 11 अप्रैल, 2019 भारत के असाधारण राजपत्र में प्रकाशित का.आ. 1582(ई) के द्वारा, नारकोटिक्स ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस (एनडीपीएस) अधिनियम, 1985 (1985 का 61) की धारा 42 की उप-धारा (1) और धारा 67 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए रेल सुरक्षा बल के सहायक उप-निरीक्षक और उससे ऊपर के रैंक के अधिकारियों को अपने संबंधित क्षेत्राधिकार में धारा 42 के तहत निर्दिष्ट शक्तियों का प्रयोग और कर्तव्यों का पालन करने के लिए विशेष शक्ति प्रदान की है और उक्त अधिकारियों को एनडीपीएस अधिनियम के धारा 67 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने के लिए अधिकृत भी किया है।

एनडीपीएस अधिनियम के तहत आरपीएफ द्वारा जब्त की गई मादक दवाओं और गिरफ्तार संदिग्धों को पंजीकृत करने और इसकी जांच करने के लिए अधिकृत एजेंसियों यथा जीआरपी/स्थानीय पुलिस/नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी)/राज्य आबकारी आदि को सौंप दिया जाता है। पिछले तीन वर्षों अर्थात् 2019 से 2021 के दौरान, आरपीएफ द्वारा 1,262 मामलों का पता लगाया गया है जिनमें 1,108 व्यक्तियों की गिरफ्तारी हुई है और ₹40.58 करोड़ (लगभग) के नशीले पदार्थों की बरामदगी हुई है।

रेलगाड़ियों में महिला यात्रियों की सुरक्षा पर विशेष ध्यान



भारतीय संविधान की सातवीं अनुसूची के अंतर्गत 'पुलिस' एवं 'कानून व्यवस्था', राज्यों के विषय हैं और इस प्रकार रेलों में अपराधों का निवारण, पता लगाना, पंजीकरण और जांच तथा कानून एवं व्यवस्था बनाए रखना आदि राज्य सरकारों की जिम्मेदारी है, जिसे वे अपनी कानून प्रवर्तन एजेंसियों यथा, राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी)/जिला पुलिस के माध्यम से निभाती हैं। बहरहाल, यात्री क्षेत्र और यात्रियों की बेहतर सुरक्षा और संरक्षा मुहैया कराने और उनसे जुड़े मुद्दों पर रेलवे सुरक्षा बल (रेसुब) जीआरपी/जिला पुलिस के प्रयासों में सहायता करती है।

इसके अलावा, ट्रेनें में महिला यात्रियों सहित यात्रियों की संरक्षा और सुरक्षा के लिए राजकीय रेलवे पुलिस के सहयोग से रेलवे द्वारा निम्नलिखित कदम उठाए जा रहे हैं:-

- भेद्य और चिह्नित मार्गों/खंडों पर विभिन्न राज्यों की राजकीय रेलवे पुलिस द्वारा ट्रेनें के मार्गरक्षण के अलावा रेलवे सुरक्षा बल द्वारा ट्रेनें का प्रतिदिन मार्गरक्षण किया जाता है।
- क्षेत्रीय रेलों को जहां तक संभव हो, ट्रेन एस्कॉर्ट पार्टियों में उचित संयुक्त संख्या में पुरुष और महिला आरपीएफ/आरपीएसएफ कार्मिकों की तैनाती करने के निर्देश दिए गए हैं।
- 'मेरी सहेली' पहल के अंतर्गत पूरी यात्रा अर्थात् प्रारंभिक स्टेशन से गंतव्य स्टेशन तक ट्रेनों से अकेले यात्रा करने वाली महिला यात्रियों की संरक्षा और सुरक्षा पर ध्यान केंद्रित किया गया है।
- विपत्ति के समय यात्रियों को सुरक्षा संबंधी सहायता प्रदान करने के लिए भारतीय रेल पर सुरक्षा हेल्पलाइन नंबर 139 (24X7) कार्य कर रहा है।
- महिला यात्रियों के लिए आरक्षित डिब्बों में पुरुष यात्रियों के प्रवेश के विरुद्ध अभियान चलाए जाते हैं।
- यात्रियों की सुरक्षा बढ़ाने और उनकी सुरक्षा से संबंधित समस्याओं के समाधान हेतु रेलें ट्विटर, फेसबुक आदि जैसे विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों के जरिए महिलाओं सहित यात्रियों के साथ नियमित संपर्क में रहती हैं।
- चोरी, झपटमारी, जहरखुरानी आदि के विरूद्ध सावधानियां बरतने हेतु यात्रियों को जागरूक करने के लिए जन उद्घोषणा प्रणाली के माध्यम से निरंतर घोषणाएं की जाती हैं।
- यात्रियों की सुरक्षा को बढ़ाने के लिए 5,882 सवारी डिब्बों में सीसीटीवी कैमरों के जरिए निगरानी की जा रही है।
- सभी नव-निर्मित इलेक्ट्रिकल मल्टीपल यूनिट (ईएमयू) और कोलकाता मेट्रो के वातानुकूलित रेकों के महिला कंपार्टमेंटों/सवारी डिब्बों में आपातकालीन टॉक बैक प्रणाली और क्लोज्ड सर्किट टेलीविजन सर्विलेंस कैमरे मुहैया कराए गए हैं। कुछ क्षेत्रीय रेलों में ईएमयू रेकों के महिला सवारी डिब्बों में फ्लैशर लाइटें भी मुहैया कराई गई हैं।
- रेलों की सुरक्षा व्यवस्था की नियमित निगरानी और समीक्षा के लिए राज्यों/केन्द्र शासित प्रदेशों के संबंधित पुलिस महानिदेशक/आयुक्त की अध्यक्षता में सभी राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के लिए राज्य स्तरीय रेलवे सुरक्षा समिति (एसएलएससीआर) का गठन किया गया है।

माननीय सर्वोच्च न्यायालय के आदेशों के अनुपालन में और अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में गठित विशेषज्ञों की समिति द्वारा यथा अनुशंसित, सभी रेलवे स्टेशनों पर और यात्री ट्रेनें में एक चिकित्सा बॉक्स, जिसमें जीवन रक्षक दवाइयां, औजार, ऑक्सीजन सिलेंडर आदि हों, उपलब्ध करवाने के लिए अनुदेश जारी किए गए हैं।

चिकित्सा सहित तत्काल सहायता के लिए यात्री हेल्पलाइन नंबर 139 (राष्ट्रीय आपातकालीन नंबर 112 के साथ एकीकृत) के माध्यम से रेल मदद पोर्टल पर शिकायत कर सकते हैं।

यात्रियों की सुविधा के लिए विश्वस्तरीय स्टेशन

रेलवे स्टेशनों के विकास हेतु रेल मंत्रालय द्वारा विभिन्न छोटे और बड़े शहरों के स्टेशनों सहित भारतीय रेल पर स्टेशनों के उन्नयन/आधुनिकीकरण/संवर्धन के लिए मॉडल, आधुनिक और आदर्श स्टेशन योजनाएं जैसी विभिन्न विकासात्मक योजनाएं संरचित की गई हैं।

रेलवे स्टेशनों पर बेहतर संवर्धित यात्री सुविधाएं मुहैया कराने की चिह्नित आवश्यकता पर आधारित आदर्श स्टेशन योजना के तहत उन्नयन/ आधुनिकीकरण किया जाता है। आदर्श स्टेशन योजना के तहत विकास हेतु भारतीय रेल पर 1,253 रेलवे स्टेशनों को चिह्नित किया है। इनमें से 1,215 रेलवे स्टेशनों को विकसित किया गया है और शेष 38 स्टेशनों को वित्त वर्ष 2022-23 में विकसित करने हेतु लक्षित किया गया है।

रेलवे स्टेशनों के बृहद् उन्नयन संबंधी नई योजना आरंभ की गई है। इस योजना में परिकल्पित सुविधाओं में जहां भी व्यवहार्य हो, रूफ प्लाजा/ कॉनकोर्स की व्यवस्था जहां यात्रीगण और अन्य उपयोगकर्ता आराम से प्रतीक्षा कर सकते हैं और श्रेष्ठतर तथा व्यवस्थित सुविधाओं जैसे लॉन, मनोरंजन क्षेत्रों, प्रतीक्षा क्षेत्रों, बैठने की व्यवस्था, खरीददारी क्षेत्रों, भोजनालयों/जलपान गृहों, पीने के पानी के लिए पेयजल स्थानों, विश्रामालयों, वाई-फाई, एटीएम, चिकित्सा सुविधाओं आदि, आगमन और प्रस्थान को अलग-अलग करने के साथ जहां तक संभव हो शहर के दोनों छोर के एकीकरण, आरामदायक आवागमन हेतु लिफ्ट/ट्रैवेलेटर, ड्रॉप ऑफ, पिक अप और यात्रियों के लिए पार्किंग की सुविधा है।

वृहद उन्नयन योजना के तहत भारतीय रेल के स्टेशनों के विकास हेतु पूरक बजट 2021-22 में ₹12,000 करोड़ की लागत के समेकित कार्य को स्वीकृति दी गई है और बजट 2022-23 में ₹5,500 करोड़ की लागत के अन्य समेकित कार्य को स्वीकृति दी गई है।

यात्री सुविधाएं सामान्यत: योजना शीर्ष-53 'यात्री सुविधाएं' के तहत वित्त पोषित की जाती हैं। पिछले दो वर्षों अर्थात 2020-21, 2021-22 और मौजूदा वर्ष 2022-23 के दौरान भारतीय रेल पर इस योजना शीर्ष-53 के तहत आबंटित निधि और किए गए व्यय का ब्यौरा निम्नानुसार है:-

(करोड़ रु. में)

वित्त वर्ष	आबंटन	व्यय
2020-21	2615.30	2582.92
2021-20	222344.55	1566.32
2022-23 (जून 2022 तक)	2700.00	309.91

तीन रेलवे स्टेशनों अर्थात रानी कमलापति रेलवे स्टेशन, गांधीनगर रेलवे स्टेशन और सर एम. विश्वेश्वरैया टर्मिनल को विकसित किया गया है एवं उन्हें यातायात के लिए खोल दिया गया है। 5 स्टेशनों अर्थात् अयोध्या, गोमतीनगर, बिजवासन, सफदरजंग और तिरुपति का कार्य प्रगति पर है। गया, उधना, सोमनाथ और एर्णाकुलम जंक्शन स्टेशनों के पुनर्विकास के लिए हाल ही में ठेके दिए गए हैं। अन्य विभिन्न स्टेशनों का कार्य तकनीकी व्यवहार्यता अध्ययन एवं निविदा दिए जाने के विभिन्न चरणों में है।



रेलवे स्टेशनों की को-ब्रांडिंग

रेलवे स्टेशनों की को-ब्रांडिंग सरकारी और निजी व्यावसायिक कंपनियों (अथवा उनके बदले में कार्य कर रही फर्मे/एजेंट) को उनके ब्रांड नाम अथवा लोगो को रेलवे स्टेशन के नाम से पूर्व अथवा नाम के बाद में लगाने की अनुमति प्रदान कर गैर-किराया राजस्व सृजन के बारे में है।

सभी उद्देश्यों के लिए यह अवधारणा पूर्ण रूप से केवल विज्ञापन का स्वरूप है और रेलवे स्टेशन के नाम में परिवर्तन के समान नहीं है। मेट्रो रेलवे, कोलकाता की नीतिगत दिशा-निर्देशों के अंतर्गत मेट्रो रेलवे, कोलकाता के ग्यारह स्टेशनों पर को-ब्रांडिंग अधिकार प्रदान किए गए हैं। मेट्रो रेलवे के अलावा भारतीय रेल पर किसी भी अन्य स्टेशन के को-ब्रांडिंग का निर्णय नहीं लिया गया है।

मेट्रो रेलवे, कोलकाता द्वारा ग्यारह मेट्रो स्टेशनों पर प्रदान किए गए ठेकों के अनुसार, अगले पांच वर्षों में ₹16.6 करोड़ के राजस्व सृजन का लक्ष्य रखा गया है।

भारती
पत्रिका की ऑनलाइन सदस्यत

STEP 1

ऑनलाइन सदस्यता हेतु **www.irctc.co.in** पर जाएं।

इस पेज के **विज्ञापन** (Promotions) पर जाएं।

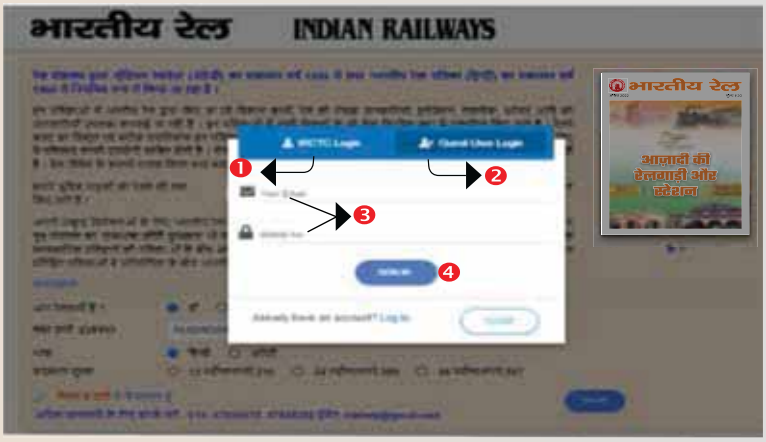
आप सीधे www.irctctourism.com/ IRBRmag/#/home/hn पर भी जा सकते हैं।



❸ **'भारतीय रेल पत्रिका'** पर क्लिक करें।

STEP 3

❶ इस बॉक्स में यदि आप के पास आईआरसीटीसी का लॉग-इन, पासवर्ड है तो उसका उपयोग करें।

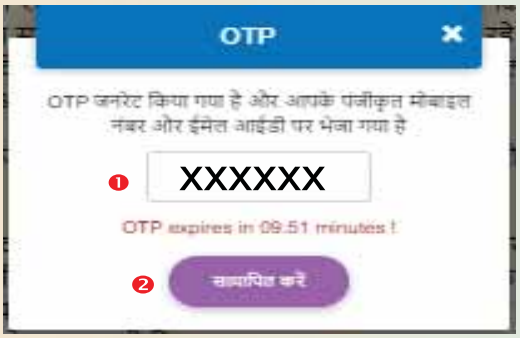


❷ लॉग-इन आईडी नहीं है तो गेस्ट लॉग-इन पर क्लिक करें।

❸ उसमें अपना ई-मेल तथा मोबाइल नंबर दर्ज करें।

❹ सबमिट बटन दबाएँ।

STEP 5



❶ आपके पंजीकृत मोबाइल एवं ई-मेल पर आए ओटीपी को बॉक्स में दर्ज करें एवं

❷ सत्यापित करें

STEP 6



❶ पेमेंट मोड (कार्ड, नेट बैंकिंग, यूपीआई, वॉलेट, इंटरनेशनल कार्ड तथा आईपे) एवं

❷ पेमेंट गेट-वे का ऑप्शन पसंद करें

❸ मेक पेमेंट का बटन दबाएं

य रेल
ना प्राप्त करने की सरल प्रक्रिया

STEP 2

1. यदि आप रेलकर्मी हैं तो 'हां' पर या रेलकर्मी नहीं हैं तो 'नहीं' पर क्लिक करें।
2. यदी 'हां' तो बॉक्स में अपना आरयूआईडी/ आईडी/पीपीओ नंबर तथा एक आधिकारिक आईडी की स्कैन कॉपी अपलोड करें।
3. 'भारतीय रेल' पत्रिका के लिए 'हिंदी' को और 'इंडियन रेलवेज' पत्रिका के लिए 'अंग्रेजी' में क्लिक करें।
4. एक, दो या तीन यानि जितने साल की सदस्यता चाहते हैं, उस बिन्दु पर क्लिक करें।



5. नियम व शर्तों पर क्लिक करें तथा उसे ध्यान से पढ़ लें। यदि सहमत हों तो बॉक्स में टिक मार्क करें।

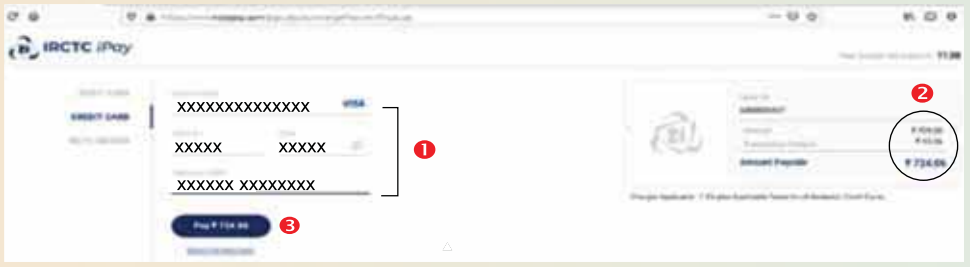
STEP 4



1. अपना पूरा पता पिन कोड के साथ दर्ज करें

2. सबमिट बटन दबाएँ।

STEP 7



1. पेमेंट मोड की डीटेल भरें
2. पेमेंट एमाउंट की जानकारी देखें।
3. संतुष्ट होने पर ही 'पे' बटन को दबाएं।
4. बैंक ओटीपी की प्रक्रिया पूर्ण होने पर पेमेंट सक्सेस फुल का मैसेज स्क्रीन पर दिखाई देगा।

कृपया ध्यान दें

- पेमेंट के समय नियमानुसार ट्रांजेक्शन शुल्क लगते हैं, कृपया पेमेंट करते समय देख लें।
- पेमेंट की प्रक्रिया पूर्ण होने पर आपको सदस्यता संबंधित जानकारी का एस.एम.एस. तथा मेल प्राप्त होगा।
- पेमेंट प्राप्त होते ही निर्धारित माह से आपको पत्रिका प्राप्त होनी शुरू हो जाएगी।

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें - 011- 47845378, 47845380 ईमेल: irbrhelp@gmail.com

रेलवे स्टेशनों और रेलगाड़ियों की सेवाओं में परिवर्तन और सुधार

रेलवे स्टेशनों का आधुनिकीकरण/उन्नयन एक सतत और निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है। वर्तमान में, रेलवे स्टेशनों का विकास, आदर्श स्टेशन योजना के अंतर्गत स्टेशनों पर बेहतर उन्नत यात्री सुविधाएं प्रदान करने की चिह्नित आवश्यकता के आधार पर किया जाता है। इस योजना के तहत पहचाने गए और विकसित किए गए स्टेशन की संबंधित कोटि के आधार पर स्टेशन भवन के अग्रभाग में सुधार, रिटायरिंग रूम, प्रतीक्षालय (स्नान सुविधाओं के साथ), महिलाओं के लिए अलग प्रतीक्षालय, कंप्यूटर आधारित जन उद्घोषणा प्रणाली, परिसंचारी क्षेत्र की लैंडस्केपिंग, संकेतक, सशुल्क शौचालय, वॉटर कूलर, दिव्यांगजनों और वरिष्ठ नागरिकों के लिए स्टेशन पर प्रवेश पर रैंप आदि जैसी विभिन्न यात्री सुविधाएं प्रदान की जाती हैं। भारतीय रेलें स्टेशनों पर आधुनिक सुविधाएं जैसे लिफ्टें, स्वचालित सीढ़ियों आदि की स्थापना भी उत्तरोत्तर रूप से कर रही है।

भारतीय रेलों में खानपान सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार के लिए की गई प्रमुख पहलकदमियां निम्नानुसार हैं-

- बेस किचन/रसोई इकाइयों का उन्नयन,
- कृत्रिम बुद्धिमत्ता के माध्यम से वास्तविक समय निगरानी और लाइव स्ट्रीमिंग की शेयरिंग को सुनिश्चित करने के लिए उन्नत बेस किचन/रसोई इकाइयों में सीसीटीवी कैमरे लगाना,
- भारतीय खाद्य संरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) द्वारा प्रत्येक खानपान इकाई के प्रमाणन को अनिवार्य बनाया गया है।
- रसोई के नाम, पैकेजिंग की तारीख, अवसान तिथि आदि को दर्शाने वाले खाद्य पैकेटों पर क्यूआर कोड,
- मुद्रित बिल जनरेट करने के लिए हैंड हेल्ड प्वाइंट ऑफ सेल्स (पीओएस) मशीनें प्रदान की गई हैं,
- ई-टिकट की बुकिंग के दौरान या गाड़ी में प्री-ऑर्डर भोजन के लिए ई-कैटरिंग सेवा की उपलब्धता,
- नियमित निरीक्षणों और ग्राहक संतुष्टि सर्वेक्षण के साथ-साथ रसोई यानों और रसोई इकाइयों की तृतीय पक्ष द्वारा लेखा परीक्षा की जा रही है।
- यात्रियों को स्वच्छ और गुणवत्तापूर्ण पेयजल उपलब्ध कराने के लिए भारतीय रेल में यात्रियों को प्रतिदिन लगभग 9.30 लाख लीटर रेल नीर (बोतलबंद पेयजल) की आपूर्ति की जा रही है। इसके अतिरिक्त, देश भर के रेलवे स्टेशनों पर वॉटर वेंडिंग मशीनें (डब्ल्यूवीएम) संस्थापित की गई हैं ताकि सस्ती दरों पर निर्धारित मानकों वाला पेयजल उपलब्ध कराया जा सके।
- यात्रियों को आरक्षित और अनारक्षित टिकट प्राप्त करने की सुविधा प्रदान करने की दृष्टि से भारतीय रेल द्वारा आरक्षित टिकटों के लिए विभिन्न टिकट बुकिंग सुविधाएं प्रदान करके विभिन्न कदम उठाए गए हैं, जैसे कंप्यूटरीकृत यात्री आरक्षण प्रणाली (पीआरएस) काउंटर, इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉर्पोरेशन (आईआरसीटीसी) की वेबसाइट के माध्यम से और मोबाइल ऐप के माध्यम से डाकघरों में कंप्यूटरीकृत पीआरएस काउंटर, अधिकृत टिकटिंग एजेंटों जैसे आईआरसीटीसी के ई-टिकटिंग एजेंटों, यात्री टिकट सुविधा केंद्र (वाईटीएसके) के माध्यम से कागजी और ई-टिकट बुक करने की सुविधा।

इसके अतिरिक्त, अनारक्षित टिकटों की बुकिंग के लिए सुविधाएं भी प्रदान की जाती हैं, जैसे विभिन्न स्टेशनों पर अनारक्षित टिकट प्रणाली (यूटीएस) काउंटर, स्वचालित टिकट वेंडिंग मशीनें (एटीवीएमएस)/कैश-कॉइन, यूटीएसऑनमोबाइल ऐप के माध्यम से और जनसाधारण टिकट बुकिंग सेवकों (जेटीबीएस), यात्री टिकट सुविधा केंद्र (वाईटीएसके), स्टेशन टिकट बुकिंग एजेंटों (एसटीबीए) आदि जैसे विभिन्न प्राधिकृत एजेंटों के माध्यम से भारतीय रेल अपने नेटवर्क पर बेहतर ग्राहक अनुभव के साथ-साथ नए यात्री और माल यातायात को आकर्षित करने के लिए अपनी चल रही परिवर्तनकारी पहलकदमियों के माध्यम से राजस्व बढ़ाने के लिए लगातार प्रयास कर रही हैं। इस संबंध में, रेलवे द्वारा की गई प्रमुख पहलकदमियों में अन्य बातों के साथ-साथ, माल ढुलाई में वृद्धि, गति शक्ति मल्टी-मॉडल कार्गो टर्मिनल (जीसीटी) नीति के तहत कार्गो टर्मिनल का विकास, विशेष ट्रेन का चालन, एंप्टी फ्लो डायरेक्शन में उदारीकृत स्वचालित मालभाड़ा रियायत नीति, यातायात की कतिपय मदों को कम गमन दूरी संबंधी रियायत, खुले और सपाट माल डिब्बों में रखे गए बैग में रखे गए परेषण के लदान पर छूट, स्टेशन से स्टेशन दरों, कम गमन दूरी वाले कंटेनर यातायात का कंटेनरीकरण, नश्यवान वस्तुओं और कृषि उत्पादों के परिवहन के लिए समय-सारणीबद्ध पार्सल ट्रेनों और किसान रेल सेवाओं का चालन, वाणिज्यिक आय और गैर-किराया राजस्व (एनएफआर) ठेकों के लिए ई-नीलामी की शुरुआत करना, ई-कॉमर्स और सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) के लिए व्यापार-से-ग्राहक (बी2सी) और व्यापार-से-व्यापार (बी2बी) बाजार के लिए भारतीय डाक के सहयोग से संयुक्त पार्सल उत्पाद (जेपीपी), कंटेंट ऑन डिमांड से गैर-किराया राजस्व, रेल डिस्प्ले नेटवर्क, आउट ऑफ होम विज्ञापन, अप्रार्थित प्रस्ताव, एनआईएनएफआरआईएस (नई, अभिनव गैर-किराया राजस्व विचार योजना), चल परिसंपत्तियां आदि सम्मिलित हैं।



रेलटेल ने 756 प्रमुख स्टेशनों पर वीडियो निगरानी प्रणाली के लिए एजेंसियों को नियुक्त किया

- **परियोजना भारतीय रेल और रेलटेल द्वारा निर्भया कोष के तहत क्रियान्वित की जा रही है**
- **जनवरी, 2023 तक कार्य पूरा होने की सम्भावना**

केंद्रीय सरकारी सार्वजनिक क्षेत्र के एक उपक्रम 'मिनी रत्न' कहे जाने वाले रेलटेल को भारतीय रेल की एक परियोजना के क्रियान्वयन का कार्य सौंपा गया है, जिसमें रेलवे स्टेशनों पर वीडियो सर्विलांस सिस्टम (वीएसएस) (सीसीटीवी कैमरों का नेटवर्क) की स्थापना का कार्य आरंभ किया गया है और इस कार्य के लिए एजेंसियों को नियुक्त करके एक बड़ा कदम उठाया गया है। यह परियोजना का पहला चरण है, जिसमें ए1, बी एवं सी श्रेणी के 756 प्रमुख रेलवे स्टेशनों को शामिल किया जाएगा। यह कार्य जनवरी, 2023 तक पूरा किया जाने की सम्भावना है। शेष स्टेशनों का कार्य फेज-2 के क्रियान्वयन के समय शामिल किया जाएगा।

यात्रियों की सुरक्षा रेल मंत्रालय के प्रमुख फोकस क्षेत्रों में से एक है। रेलवे स्टेशनों, जो परिवहन के प्रमुख केंद्र हैं, पर सुरक्षा बढ़ाने के लिए, भारतीय रेल स्टेशनों पर इंटरनेट प्रोटोकॉल (आईपी) आधारित वीडियो निगरानी प्रणाली (वीएसएस) स्थापित करने की प्रक्रिया में है, जिसके अंतर्गत प्रतीक्षालय, आरक्षण काउंटर, पार्किंग क्षेत्र, मुख्य प्रवेश / निकास, प्लेटफॉर्म, फुट ओवर ब्रिज, बुकिंग कार्यालय आदि को शामिल किया जाएगा। रेल मंत्रालय ने निर्भया फंड के तहत भारतीय रेल के प्रमुख स्टेशनों पर वीडियो निगरानी प्रणाली के लिए कार्यों को मंजूरी दी है।

> ***'हमें रेलवे में नई तकनीक को तेजी से समाहित करने की आवश्यकता है, जैसे कि रोलिंग स्टॉक, निर्माण, सुरक्षा, साइबर सुरक्षा, या ऐसी स्थितियों में जहां मानव इंटरफेस हो।'***
>
> **श्री अश्विनी वैष्णव**
> **रेलमंत्री**

रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने कहा, ''हमें रेलवे में नई तकनीक को तेजी से समाहित करने की आवश्यकता है, जैसे कि रोलिंग स्टॉक, निर्माण, सुरक्षा, साइबर सुरक्षा, या ऐसी स्थितियों में जहां मानव इंटरफेस हो।''

रेलटेल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्रीमती अरुणा सिंह ने आश्वासन दिया कि निष्पादन एजेंसियों को नियुक्त कर देने के साथ, परियोजना के कार्यान्वयन में तेजी आएगी। इस प्रोजेक्ट में सबसे आधुनिक सॉफ्टवेयर और हार्डवेयर का इस्तेमाल किया जाएगा।



यह वीएसएस सिस्टम आईपी बेस्ड होगा तथा इसमें सीसीटीवी कैमरों का एक नेटवर्क होगा। ये सीसीटीवी कैमरे ऑप्टिकल फाइबर केबल पर काम करेंगे और सीसीटीवी कैमरों की वीडियो फीडिंग न केवल स्थानीय आरपीएफ पोस्टों पर बल्कि मंडल और क्षेत्रीय स्तर पर सेंट्रलाइज सीसीटीवी कंट्रोल रूम में भी प्रदर्शित की जाएगी। स्टेशनों पर लगे सीसीटीवी कैमरे और वीडियो फीड को इन 3 स्तरों पर मॉनिटर किया जाएगा ताकि रेलवे परिसरों की संरक्षा और सुरक्षा में बढ़ोतरी सुनिश्चित हो सके। इस सिस्टम में आर्टिफीशियल इंटेलिजेंस (एआई) इनेबल वीडियो एनालिटिक्स सॉफ्टवेयर और फेसियल रिकॉग्निशन सॉफ्टवेयर काम करता है जिससे जाने-पहचाने अपराधियों के स्टेशन परिसरों में आने पर, उनका पता लगाने तथा उसका अलर्ट जारी करने में मदद मिलेगी। कैमरों, सर्वर, यूपीएस और स्विचों की मॉनिटरिंग के लिए नेटवर्क मेनेजमेंट सिस्टम (एनएमएस) की व्यवस्था भी की गई है जिसे किसी भी प्राधिकृत अधिकारी द्वारा किसी भी वेब ब्राउजर के माध्यम से देखा जा सकता है।

4 प्रकार के आईपी कैमरे (डॉम टाइप, बुलेट टाइप, पैन टिल्ट जूम टाइप और अल्ट्रा एचडी-4के) स्थापित किए जा रहे हैं ताकि रेलवे परिसरों के भीतर अधिकतम कवरेज सुनिश्चित हो सके। इससे रेल

सुरक्षा बल अधिकारियों को बेहतर सुरक्षा सुनिश्चित करने में एक तरह की अतिरिक्त सहायता मिल सकेगी। सीसीटीवी कैमरों से मिलने वाली वीडियो फीड की रिकॉर्डिंग 30 दिनों के लिए स्टोर की जा सकेगी।

कार्यान्वित प्रणाली, परिस्थितियों/घटनाओं से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए उपकरण के रूप में कार्य करेगी एवं तेजी से निर्णय लेने में सहायता करेगी। यह प्रणाली आरडीएसओ संस्करण 6.0 के अनुसार कुछ सॉफ्टवेयर आधारित एप्लिकेशन जैसे वीडियो एनालिटिक और फेस रिकग्निशन के साथ किसी भी घटना और घटनाओं से निपटने के लिए बेहतर तैयारी के लिए एक महान शिक्षा के रूप में कार्य करेगी।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) enabled एनालिटिक्स सॉफ्टवेयर में एक निश्चित अलार्म और ऑपरेटर के अंत में पीओपी UP दृश्य के साथ निम्नलिखित विशेषताएं हैं:

- घुसपैठ का पता लगाना (रेलवे संचालन क्षेत्रों में प्रवेश करने वाले लोग)
- कैमरा छेड़छाड़
- Loitering डिटेक्शन
- मानव और वाहन का पता लगाना
- विशेषता के आधार पर मनुष्यों की खोज
- रंग खोज
- नीचे गिरा हुआ व्यक्ति।
- संयुक्त खोज (मानव/वाहन और रंग)

एफआरएस: वीएसएस (सीसीटीवी) सिस्टम लाइव सीसीटीवी वीडियो फीड से चेहरे की छवियों को कैप्चर करेगा और ब्लैकलिस्ट मैच पाए जाने पर अलर्ट उत्पन्न करेगा। एफआरएस अलर्ट को वीडियो प्रबंधन प्रणाली/एनवीआर पर पुश किया जाना चाहिए। (वीडियो प्रबंधन प्रणाली/एनवीआर के साथ निर्बाध रूप से एकीकृत)।

वीएमएस सॉफ्टवेयर प्रस्तावित आईपी कैमरों के लिए अलार्म इनपुट मॉनिटरिंग और आउटपुट एक्टीवेशन का समर्थन करेगा। वीएमएस में मोबाइल फोन क्लाइंट की सुविधा है ताकि किसी भी आपात स्थिति में अधिकृत उपयोगकर्ता पंजीकृत मोबाइल फोन से स्थानीय वीएमएस सर्वर पर वीडियो और स्नैपशॉट अपलोड कर सकें, जिसमें स्थान की पहचान शामिल होनी चाहिए। केंद्रीकृत स्थान पर ऑपरेटर के पास स्टेशनों से इन अलार्म और प्लेबैक वीडियो को जरुरत पड़ने पर, देखने की क्षमता होगी। केंद्रीकृत स्थान पर ऑपरेटर, चयनित आरपीएफ/थाने और संबंधित सुरक्षा अधिकारी के पंजीकृत मोबाइल फोन पर अलार्म को पुश करने में सक्षम होगा।

पैनिक बटन: प्रत्येक प्लेटफॉर्म पर दो पैनिक बटन लगाए जाने हैं। संकट में किसी भी व्यक्ति द्वारा पैनिक बटन सक्रिय करने के बाद, ऑपरेटर वर्कस्टेशन पर संबंधित कैमरे के पॉप-अप के साथ वीएमएस पर एक अलार्म दिखाई देगा। यदि संबद्ध कैमरा पीटीजेड प्रकार का है, तो कैमरा मूव कर जाएगा और पैनिक बटन पर जूम करके संकटग्रस्त व्यक्ति को देख सकेगा।

स्टेशनों के सीसीटीवी कैमरों से वीडियो फीड की रिकॉर्डिंग को प्लेबैक, पोस्ट इवेंट विश्लेषण और जांच उद्देश्यों के लिए 30 दिनों के लिए निकटतम आरपीएफ थाने/पोस्ट में संग्रहीत किया जाएगा। अतिरिक्त 10% स्टोरेज (रेलवे की आवश्यकता के अनुसार) का उपयोग करके डेटा सेंटर (240टीबी स्टोरेज का उपयोग करके) और आरपीएफ थाना / पोस्ट पर लंबी अवधि के लिए महत्त्वपूर्ण वीडियो संग्रहीत किए जाने हैं। आईटी संचालन के प्रभावी संचालन और प्रबंधन के लिए, वीएसएस उपकरण (कैमरा, स्विच, सर्वर / वर्कस्टेशन, स्टोरेज, पीसी वर्कस्टेशन और यूपीएस आदि) की निगरानी के लिए एक industry standard Enterprise Management System (EMS) का प्रावधान किया गया है। ईएमएस के कुछ महत्त्वपूर्ण पहलू इस प्रकार हैं:

- केंद्रीकृत और एकीकृत डैशबोर्ड दृश्य
- केंद्रीकृत और Customizable Service स्तर रिपोर्टिंग
- सर्वर/वर्कस्टेशन परिवर्तन, प्रावधान और कॉन्फिगरेशन
- नेटवर्क स्वचालन
- सेवा प्रबंधन (हेल्पडेस्क) और एसएलए प्रबंधन
- केंद्रीकृत आईटी संपत्ति सूची खोज और ट्रैकिंग
- सर्वर/वर्कस्टेशन मॉनिटरिंग
- नेटवर्क दोष और प्रदर्शन प्रबंधन
- Penalty की निगरानी और प्रबंधन

रेलटेल के बारे में

रेलटेल, रेल मंत्रालय के अधीन एक 'मिनी रत्न (श्रेणी-I)' केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र का उद्यम है, जो देश के सबसे बड़े तटस्थ दूरसंचार अवसंरचना प्रदाताओं में से एक है, और आईसीटी समाधान और सेवा प्रदाता है, जिसके पास देश के कई कस्बों, शहरों और ग्रामीण क्षेत्रों को कॅवर करने वाला एक अखिल भारतीय ऑप्टिक फाइबर नेटवर्क है। ऑप्टिक फाइबर के 61,000 से अधिक मार्ग किमी के एक सुदृढ़ विश्वसनीय नेटवर्क के साथ, रेलटेल के पास दो इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (MeitY) के पैनल वाले टियर III डेटा सेंटर भी हैं। अपने अखिल भारतीय उच्च क्षमता नेटवर्क के साथ, रेलटेल विभिन्न फ्रंटों पर एक नॉलेज सोसाइटी बनाने की दिशा में कार्य कर रहा है और इसे दूरसंचार क्षेत्र में भारत सरकार की विभिन्न मिशन-मोड परियोजनाओं के कार्यान्वयन के लिए चुना गया है। रेलटेल एमपीएलएस-वीपीएन, टेलीप्रेजेंस, लीज्ड लाइन, टॉवर को-लोकेशन, डाटा सेंटर सेवाएं आदि जैसी सेवाओं का एक समूह उपलब्ध कराता है। रेलटेल देशभर के रेलवे स्टेशनों पर सार्वजनिक वाई-फाई उपलब्ध कराकर रेलवे स्टेशनों को डिजिटल हब में परिवर्तित करने के लिए भारतीय रेलों के साथ भी कार्य कर रहा है और कुल 6100 स्टेशन रेलटेल के रेलवॉयर वाई-फाई के साथ लाइव हैं।

भारत की पहली बुलेट ट्रेन परियोजना के कार्यबल को प्रशिक्षित करने के लिए प्रशिक्षण सिमुलेटर मिलेंगे

नेशनल हाई स्पीड रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने वडोदरा, गुजरात में एचएसआर प्रशिक्षण संस्थान मुंबई अहमदाबाद हाई स्पीड रेल कॉरिडोर (एमएएचएसआर) में प्रशिक्षण के उद्देश्य के लिए उपयोग किए जाने वाले एचएसआर ट्रेन (जिसे बुलेट ट्रेन के नाम से जाना जाता है) के प्रशिक्षण सिमुलेटरों के डिजाइन, विनिर्माण, आपूर्ति और कमीशनिंग के लिए 'स्वीकृति पत्र' जारी किया। वहाँ एक सैम्पल ट्रैक पहले से ही प्रशिक्षण उद्देश्य के लिए स्थापित किया गया है।

प्रशिक्षण सिमुलेटर ड्राइवरों, कंडक्टरों, प्रशिक्षकों और ट्रेन/रोलिंग स्टॉक रख-रखाव कर्मचारियों को हाई स्पीड ट्रेनों के ड्राइविंग सिद्धांत को समझने में मदद करेंगे। सिंगल ड्राइवर, सिंगल कंडक्टर के साथ-साथ ड्राइवर, कंडक्टर और डिस्पैचर के सामूहिक प्रशिक्षण के लिए एक साथ प्रशिक्षण आयोजित करना संभव होगा।

इस पैकेज (एमएएचएसआर-टीआई-4) के दायरे में वडोदरा के प्रशिक्षण संस्थान में निम्नलिखित दो प्रकार के सिमुलेटर स्थापित किए जाएंगे:

- चालक दल के प्रशिक्षण के लिए ट्रेन सेट सिम्युलेटर: 1 (एक) सेट
- ड्राइवर कंसोल के लिए सिमुलेटर (कक्षा प्रकार): 10 (दस) प्रशिक्षु+1(एक) प्रशिक्षक कंसोल

एमएएचएसआर ट्रेन के ड्राइविंग कंसोल को मोशन प्लेटफॉर्म के साथ सिम्युलेट किया जाएगा। यह पैकेज मैसर्स मित्सुबिशी प्रेसिजन कंपनी, लिमिटेड, जापान को ₹201.21 करोड़ की लागत से प्रदान किया गया है। सिमुलेटर की आपूर्ति के लिए समय अवधि अनुबंध के शुरू होने से 28 महीने है।



क्रू ट्रेनिंग के लिए ट्रेन सेट सिम्युलेटर

बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स हाई स्पीड रेल स्टेशन के डिजाइन और निर्माण के लिए बोलियां आमंत्रित

एनएचएसआरसीएल द्वारा सी-1 पैकेज के तहत मुंबई (महाराष्ट्र) में बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स हाई स्पीड रेल स्टेशन के डिजाइन और निर्माण के लिए बोलियां आमंत्रित की गईं। यह मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल कॉरिडोर का एकमात्र भूमिगत स्टेशन होगा। बीकेसी स्टेशन के अलावा, सी 1 पैकेज टेंडर में 467 मीटर की कट और कवर लंबाई और 66 मीटर के वेंटिलेशन शॉफ्ट भी शामिल हैं। इस शॉफ्ट का उपयोग सुरंग बोरिंग मशीन (पुनर्प्राप्ति शॉफ्ट) को बाहर निकालने के लिए भी किया जाएगा।

स्टेशन में 6 प्लेटफॉर्म होंगे और प्रत्येक प्लेटफॉर्म की लंबाई लगभग 415 मीटर (16 कोच वाली बुलेट ट्रेन को समायोजित करने के लिए पर्याप्त) होगी। स्टेशन को मेट्रो और सड़क से जोड़ा जाएगा।

बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स एचएसआर स्टेशन मुंबई बंधा अहमदाबाद एचएसआर कॉरिडोर पर एकमात्र भूमिगत स्टेशन है।

प्लेटफॉर्म को जमीन से करीब 24 मीटर गहराई पर बनाने की योजना है। प्लेटफॉर्म, कॉनकोर्स और सर्विस फ्लोर समेत तीन मंजिलें होंगी। दो प्रवेश/निकास बिंदुओं की योजना बनाई गई है, एक मेट्रो लाइन 2बी के नजदीकी मेट्रो स्टेशन तक पहुंच की सुविधा के लिए और दूसरा एमटीएनएल भवन की ओर। स्टेशन की योजना इस तरह से बनाई गई है कि यात्रियों की आवाजाही और सुविधाओं के लिए कॉनकोर्स और प्लेटफॉर्म स्तर पर पर्याप्त जगह उपलब्ध हो। प्राकृतिक प्रकाश के लिए एक समर्पित रोशनदान का प्रावधान किया गया है।

स्टेशनों पर यात्रियों के लिए नियोजित सुविधाओं में शामिल हैं-सुरक्षा, टिकटिंग, प्रतीक्षा क्षेत्र, बिजनेस क्लास लाउंज, नर्सरी, विश्राम कक्ष, धूम्रपान कक्ष, सूचना कियॉस्क और आकस्मिक राहत, सार्वजनिक सूचना और घोषणा प्रणाली, सीसीटीवी निगरानी आदि। इसके अलावा, मेट्रो, बस, ऑटो और टैक्सियों जैसे परिवहन के अन्य साधनों के साथ एकीकरण की भी योजना है।







छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस पर स्लीपिंग पॉड की सुविधा



मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस में यात्रियों की सुविधा के लिए एक पॉड होटल खोला गया है। छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस रेलवे स्टेशन पर पॉड होटल को न्यू इनोवेटिव नॉन फेयर रेवेन्यू इनकम स्कीम (NINFRIS) के तहत विकसित किया गया है। यह छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस रेल स्टेशन की मेन लाइन पर वेटिंग रूम के पास स्थित है। 30 सिंगल पॉड, 6 डबल पॉड और 4 फैमिली पॉड सहित कुल 40 पॉड हैं। यह वातानुकूलित पॉड होटल पूर्ण गोपनीयता, मोबाइल चार्जिंग सुविधा, लॉकर रूम सुविधा, फायर अलार्म, इंटरकॉम, डीलक्स शौचालय और बाथरूम आदि प्रदान करेगा। इन पॉड्स की बुकिंग फिजिकल मोड (रिसेप्शन पर) और मोबाइल के माध्यम से ऑनलाइन की जा सकती है।

इस सुविधा को अच्छा प्रतिसाद मिल रहा है। मध्य रेल को इससे अगले पांच वर्षों में ₹55.68 लाख का राजस्व प्राप्त होगा। रेलवे ने सिर्फ 131.61 वर्ग मीटर जगह उपलब्ध कराई है। वित्तीय वर्ष 2021-22 में गैर-किराया राजस्व सृजन में सभी क्षेत्रीय रेलवे में नंबर एक हासिल करने वाली मध्य रेल ने इस साल पहले तीन महीनों में, यानी अप्रैल से जून, 2022 तक एनएफआर के माध्यम से नई पहल की है, और अप्रैल से जून, 2021 के दौरान ₹1.89 करोड़ के मुकाबले ₹14.10 करोड़ अर्जित किए हैं, जिसमें 646% की अविश्वसनीय वृद्धि हुई है। यात्रियों को अधिक आराम देने के लिए विभिन्न गैर-किराया राजस्व अवधारणाएं जैसे हाइब्रिड ओबीएचएस अनुबंध, डिजिलॉकर, पर्सनल केयर सेंटर, ई-बाइक, ई-चार्जिंग पॉइंट, कंटेंट ऑन डिमांड, कन्वर्सेशन ऑन मूव आदि शुरू किए गए हैं। गैर-किराया राजस्व के तहत ऐसी कई और पहल की जा रही हैं जिससे यात्रियों को लाभ होगा और रेलवे को राजस्व भी मिलेगा।



महाप्रबंधक, मध्य रेल द्वारा सिग्नल और दूरसंचार, वर्कशॉप भायखला में क्यू-सीरीज रिले उत्पादन का उद्घाटन



श्री अनिल कुमार लाहोटी, महाप्रबंधक, मध्य रेल ने 15 जुलाई, 2022 को सिग्नल और दूरसंचार वर्कशॉप, भायखला में क्यू-सीरीज रिले के उत्पादन का उद्घाटन किया। उन्होंने विशेष रूप से आंतरिक प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए बनाए गए थिंक वेब स्विच का भी उद्घाटन किया महाप्रबंधक ने अपने संबोधन में कहा कि, रिले, सिग्नलिंग सिस्टम का एक महत्त्वपूर्ण हिस्सा हैं और इसकी अनुपलब्धता से कई परियोजनाओं में देरी हो सकती है। रिले के आंतरिक निर्माण से बेहतर गुणवत्ता और रिले की समय पर उपलब्धता सुनिश्चित होगी और परियोजनाओं को समय पर पूरा करने में मदद मिलेगी। सिग्नल और दूरसंचार वर्कशॉप, भायखला, भारतीय रेल का तीसरा कारखाना है, जिसमें रिले के आंतरिक निर्माण की सुविधा है। इन-हाउस रिले का उत्पादन मध्य रेल पर सिग्नल कार्यों के लिए रिले की जरूरतों को भी पूरा करेगा।

श्री ए. के. श्रीवास्तव, प्रधान मुख्य सिग्नल और दूरसंचार इंजीनियर, श्री शलभ गोयल, मंडल रेल प्रबंधक, मुंबई मंडल, श्री अमरेंद्र सिंह, मुख्य निर्माण प्रबंधक, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी कारखाना, भायखला, श्री पीयूष कक्कड़, मुख्य सिग्नल इंजीनियर और मध्य रेल के अन्य वरिष्ठ अधिकारी इस अवसर पर उपस्थित थे।

मध्य रेल में 123वीं जेडआरयूसीसी बैठक सम्पन्न



श्री अनिल कुमार लाहोटी, महाप्रबंधक, मध्य रेल ने 08 जुलाई, 2022 को मध्य रेलवे आडोटोरियम, छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस, मुंबई में 123वीं क्षेत्रीय रेलवे उपयोगकर्ता सलाहकार समिति (जेडआरयूसीसी) की बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में सांसद डॉ. जयसिद्धेश्वर शिवाचार्य महास्वामीजी और विधान परिषद् की सदस्य श्रीमती उमा खापरे सहित कुल 45 जेडआरयूसीसी सदस्य उपस्थित थे। बैठक को संबोधित करते हुए श्री लाहोटी ने कहा कि जेडआरयूसीसी सदस्यों के सुझावों का एक महत्त्वपूर्ण स्थान है, जो यात्रियों सेवाओं को बेहतर बनाने में मदद करता है।

पूर्वोत्तर रेलवे द्वारा
रेलवे के लिए स्टार्टअप्स पर बैठक का आयोजन

भारतीय रेल में प्रौद्योगिकी को तेजी से अपनाने के लिए रेल मंत्रालय द्वारा 'रेलवे के लिए स्टार्टअप' पहल शुरू की गई है। अपर महाप्रबन्धक, पूर्वोत्तर रेलवे श्री अशोक कुमार मिश्र की अध्यक्षता में 21 जून, 2022 को इस पोर्टल के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा करने के लिए प्रमुख विभागाध्यक्ष एवं वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम, एकल इनोवेटर, पार्टनरशिप फर्म, कम्पनियाँ, मदन मोहन मालवीय तकनीकी विश्वविद्यालय, आई.टी.एम., बी.आई.टी., के.आई.पी.एम. इंजीनियरिंग संस्थानों तथा जिला उद्योग केन्द्र, गोरखपुर के प्रतिनिधियों ने प्रतिभाग किया।

बैठक अपर महाप्रबन्धक ने कहा कि रेलवे में स्टार्टअप को बढ़ावा देने के लिए समान भागीदारी के रूप में ₹1.5 करोड़ तक का सहयोग किया जायेगा।



भारतीय रेल की नवाचार नीति की प्रमुख विशेषतायें निम्नवत हैं :-

- नवोन्मेषक (इनोवेटर) को ₹1.5 करोड़ तक की राशि समान साझेदारी के आधार पर अनुदान।
- प्राब्लम स्टेटमेंट से विकास तक की प्रक्रिया ऑनलाइन निर्धारित समय में।
- रेलवे प्रोटोटाइप ट्रायल करेगी।
- प्रोटोटाइप के सफल प्रदर्शन पर बढ़ी हुई धनराशि प्रदान की जायेगी।
- नवोन्मेषकों का चयन एक पारदर्शी एवं निष्पक्ष प्रणाली द्वारा किया जायेगा।
- विकसित इंटेलेक्चुवल प्रॉपर्टी राइट्स (आई.पी.आर.) नवोन्मेषक के पास ही रहेगा।
- इनोवेटर को एस्योर्ड डेवलेपमेन्टल आर्डर।
- विलम्ब से बचने के लिये उत्पाद विकास प्रक्रिया का विकेन्द्रीकरण।

भारतीय रेल स्टार्टअप के माध्यम से उन्नत तकनीक को अपनाकर गाड़ी संचलन, रखरखाव एवं आधारभूत संरचना में आने वाली चुनौतियों से निपटेगी। नई तकनीक के माध्यम से 11 मदों पर इनोवेटर रेलवे के विकास में योगदान दे सकेंगे।

रेल संरक्षा आयुक्त द्वारा उत्तर मध्य रेलवे के
पामां-भीमसेन रेल खंड का निरीक्षण



दिनांक 14 जुलाई, 2022 को रेल संरक्षा आयुक्त श्री मोहम्मद लतीफ खान ने वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी-कानपुर दोहरीकरण योजना के अंतर्गत पामां-भीमसेन रेल खंड के मध्य नवनिर्मित 17.238 कि.मी. रेल खंड का निरीक्षण किया। उन्होंने इस दौरान पामां-भीमसेन रेल खंड के अंतर्गत ट्रैक्शन, सिग्नल, गेट, ओएचई, ब्रिज, ट्रैक, ट्रैक-पॉइंट्स आदि का गहन निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने इंस्पेक्शन कैरिज तथा मोटर ट्राली से रेलखंड के अंतर्गत आने वाले पामां, रसूलपुर गोगामउ तथा भीमसेन स्टेशन पर सभी प्रकार के नए संस्थापनों की परख की। निरीक्षण उपरान्त सम्बंधित नव स्थापित ट्रैक पर 120 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से स्पीड ट्रायल के माध्यम से ट्रैक की गुणवत्ता, राइडिंग क्वालिटी आदि की परख ली गई।

रेल संरक्षा आयुक्त की अनुमति के उपरान्त, यह नव दोहरीकृत रेल खंड व स्टेशन भवन यात्री ट्रेनों एवं मालगाड़ी के सुरक्षित संचालन हेतु उपलब्ध होगा। वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी-कानपुर दोहरीकरण योजना के अंतर्गत उसरगाँव-कालपी-चौन्राह रेलखंड 15.31 किमी तथा मलासा-लालपुर-पामान 19.43 किमी रेलखंड पर दोहरीकरण कार्य प्रगति पर है शेष कार्य पूर्ण कर लिया गया है। इस खंड पर कार्य को पूर्ण करने का लक्ष्य वर्ष 2022 के अंत तक रखा गया है।

इसी क्रम में 13 जुलाई, 2022 को प्रमुख मुख्य विद्युत इंजीनियर एवं बिजली निरीक्षक भारत सरकार (उत्तर मध्य रेलवे) श्री सतीश कोठारी द्वारा पामां-भीमसेन रेलखंड के सघन निरीक्षण उपरान्त उक्त खंड पर 25 केवी सिंगल फेज ओएचई को ऊर्जाकृत करने पर सहमति प्रदान की गयी। निरीक्षण के दौरान रेल संरक्षा आयुक्त के साथ मंडल रेल प्रबंधक श्री आशुतोष, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी निर्माण श्री शरद मेहता, मुख्य सिग्नल अभियंता श्री एन. के. वर्मा, मुख्य इंजीनियर (TMC) श्री राजेश श्रीवास्तव, मुख्य प्रोजेक्ट प्रबंधक श्री के. के. तलरेजा उपस्थित रहे।

उत्तर मध्य रेलवे : चालू वित्त वर्ष की प्रथम तिमाही में प्रारंभिक माल ढुलाई में 21.3% की वृद्धि



वित्तीय वर्ष की प्रथम तिमाही के समापन पर, उत्तर मध्य रेलवे (एनसीआर) ने प्रारंभिक माल ढुलाई में 21.3% की वृद्धि दर्ज की है। उत्तर मध्य रेलवे ने अप्रैल-जून 2022 के दौरान पिछले सभी रिकॉर्ड को पार करते हुए 5.24 मिलियन टन कार्गो लोड किया। इन तीन महीनों के दौरान मूल माल ढुलाई राजस्व ₹528.56 करोड़ रहा, जो पिछले वित्त वर्ष की पहली तिमाही में ₹438.54 करोड़ की मूल माल ढुलाई से 20.53% अधिक है।

इसके अलावा पहली तिमाही के दौरान कुल पार्सल आय का ₹7.66 करोड़ हासिल किया है, जबकि पिछले वर्ष की इसी अवधि में ₹4.17 करोड़ की आय हुई थी। इस दौरान पीआरएस से ₹512.27 करोड़ की आय, तथा अनारक्षित टिकट बिक्री से ₹138.69 करोड़ का राजस्व अर्जन हुआ है। इसके अलावा, टिकट जांच से ₹52 करोड़ की आय हुई है।

उत्तर मध्य रेलवे : महाप्रबंधक ने पाटलीपुत्र- लोकमान्य तिलक टर्मिनल ट्रेन के यात्रियों से बातचीत कर, फीडबैक लिया

महाप्रबंधक उत्तर मध्य रेलवे श्री प्रमोद कुमार ने ट्रेन सं. 12142 पाटलीपुत्र-लोकमान्य तिलक टर्मिनस एक्सप्रेस में प्रयागराज छिवकी-मानिकपुर के मध्य यात्रा की और ट्रेन में सामान्य व्यवस्थाओं सहित साफ-सफाई आदि के संबंध में यात्रियों से फीडबैक लिया। इस दौरान उन्होंने स्टेशन और स्टेशन परिसर में स्वच्छता के संबंध में भी फीडबैक लिया। इस यात्रा के दौरान महाप्रबंधक ने ट्रेन का निरीक्षण भी किया।

महाप्रबंधक ने प्रधान मुख्य वाणिज्य प्रबंधक श्री एस. के. सिंह, अपर मंडल रेल प्रबंधक/सामान्य श्री संजय सिंह और मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री शिवम् शर्मा के साथ ट्रेन के सामान्य श्रेणी सहित सभी कोचों में यात्रा करने वाले यात्रियों के साथ बातचीत की। इस यात्रा के दौरान महाप्रबंधक महोदय ने प्रयागराज से वापस लौट रहे कुछ दक्षिण भारतीय पर्यटकों से उनके विचार लिए। इसी क्रम में कुछ



वरिष्ठ नागरिकों से भी श्री प्रमोद कुमार ने वार्ता की। इस दौरान अधिकारियों द्वारा लगभग 150 यात्रियों से बात कर फीडबैक लिया गया। महाप्रबंधक ने निरीक्षण के दौरान महाप्रबंधक महोदय ने पैंट्रीकार, ओबीएचएस की कार्यप्रणाली, लिनेन की व्यवस्था आदि की जांच की और सुधार के निर्देश दिए।

यात्रियों के साथ ट्रेन यात्रा शुरू करने से पहले महाप्रबंधक ने प्रयागराज छिवकी स्टेशन का निरीक्षण किया और यात्री सुविधाओं एवं अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

पारदर्शिता की ओर बढ़ते कदम :
स्टोर कान्ट्रेक्ट की शत प्रतिशत बिलिंग ऑनलाइन



श्री विजय शर्मा, उत्तर पश्चिम रेलवे महाप्रबंधक के दिशानिर्देशों से उत्तर पश्चिम रेलवे की कार्यप्रणाली को उत्कृष्ट बनाने और पारदर्शिता बढ़ाने के लिए निरन्तर प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में स्टोर कॉन्ट्रैक्ट के सभी बिलों को 100% ऑनलाइन बिलिंग में स्विच ओवर किया गया है। इस प्रणाली के प्रारम्भ होने से अब आपूर्तिकर्ता आईआरईपीएस मॉड्यूल पर अपने घर/कार्यालय से बिल जमा कर सकता है। ऑनलाइन जमा किए गये बिलों को कंप्यूटर पर ऑनलाइन ट्रैक किया जा सकता है। इस प्रणाली के प्रारम्भ होने से आपूर्तिकर्ताओं के लिए पारदर्शिता और व्यापार करने में आसानी होगी तथा समय पर भुगतान से विक्रेता की संतुष्टि स्तर में भी बढ़ोतरी के साथ-साथ G2B संबंधों में सुधार होगा।

इसके अतिरिक्त स्टोर विभाग ने यूवीएएम (यूनिफाइड वेंडर अप्रूवल मॉड्यूल) लॉन्च किया है। अब तक वेंडर्स को मैनुअल आधार पर 7 अलग-अलग वेंडर अप्रूव करने वाली एजेंसियों को आवेदन करना होता है जोकि कठिन और बोझिल प्रक्रिया थी। विक्रेताओं को इन समस्याओं के समाधान के लिए स्टोर विभाग ने ऑनलाइन यूवीएएम पोर्टल की शुरुआत की है। सभी वेंडर जो रेलवे में आईसीएफ, एमसीएफ, आरडीएसओ जैसी किसी भी वेंडर को मंजूरी देने वाली एजेंसी का अनुमोदन प्राप्त करना चाहते हैं, इस ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं तथा पोर्टल के माध्यम से आवेदनों की स्थिति ऑनलाइन जांच सकते हैं। मंजूरी देने वाली इकाई द्वारा वेण्डर से वांछित जानकारी भी ऑनलाइन मांगी जा सकती है। विक्रेता आवश्यक जानकरी ऑनलाइन ही जमा कर सकते हैं। इस प्रणाली में वेण्डर को मंजूरी देने वाली एजेंसी को आवेदन की तारीख से 6 महीने के भीतर आवेदन का निपटान करना होगा। यह पारदर्शिता की दिशा में एक बड़ा कदम है। इससे रेलवे में विक्रेताओं की संख्या बढ़ेगी जिससे प्रतिस्पर्धा और राजस्व बचत बढ़ाने में मदद मिलेगी।

उत्तर पश्चिम रेलवे में
संकेत एवं दूर संचार विभाग द्वारा संगोष्ठी का आयोजन

उत्तर पश्चिम रेलवे पर दिनांक 14 जुलाई, 2022 को संकेत एवं दूर संचार विभाग की संगोष्ठी का श्री विजय शर्मा, महाप्रबंधक, उत्तर पश्चिम रेलवे ने प्रधान कार्यालय में शुभारंभ किया। यह संगोष्ठी प्रधान मुख्य संकेत एवं दूर संचार इंजीनियर, श्री पुनीत चावला की अध्यक्षता में दो दिनों तक आयोजित की गई। इस संगोष्ठी में उत्तर पश्चिम रेलवे के सभी विभागों के विभागाध्यक्ष एवं संकेत एवं दूर संचार विभाग के निर्माण, प्रोजेक्ट एवं रेल संचालन में कार्यरत मुख्यालय एवं मंडल अधिकारियों ने हिस्सा लिया। इस अवसर पर चावला ने संकेत एवं दूरसंचार विभाग द्वारा पूर्व में की गयी उपलब्धियों एवं इस वर्ष के लक्ष्यों की प्रगति के बारे में विस्तार से प्रस्तुतीकरण दिया। श्री शर्मा ने



रेल संचालन के विकास के लिए आधुनिक उपकरणों का ज्यादा से ज्यादा प्रयोग करने का आदेश दिया एवं इन उपकरणों के रख रखाव में आत्मनिर्भर बनने के लिए समुचित कदम उठाने का निर्देश दिये। श्री विजय शर्मा, महाप्रबंधक-उत्तर पश्चिम रेलवे ने संकेत एवं दूरसंचार विभाग की उपलब्धियों के लिए मुख्यालय एवं फील्ड में कार्यरत अधिकारियों एवं कर्मचारियों की प्रशंसा की एवं लगभग एक दशक के बाद राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट कार्य के लिए शील्ड मिलने पर सभी को बधाई दी।

उत्तर पश्चिम रेलवे : अजमेर-पालनपुर रेलखंड पर 130 किमी प्रति घंटा की गति से ट्रेन का सफल स्पीड परीक्षण

उत्तर पश्चिम रेलवे में आधारभूत ढांचे को मजबूत बनाने के साथ-साथ तीव्र, संरक्षित और सुगम रेल परिवहन पर विशेष बल दिया जा रहा है। संरक्षित और तीव्र रेल संचालन की ओर किए जा रहे प्रयासों के तहत 25 जून, 2022 को अजमेर मंडल के पालनपुर-मदार रेलखंड पर हाई रीच ओएचई (High Reach OHE) रेलखंड में भारतीय रेल पर पहली बार इलेक्ट्रिक लोकोमोटिव से आरडीएसओ (अनुसन्धान अभिकल्प एवं मानक संगठन) एवं रेल की टीम द्वारा 130 किमी प्रति घंटे पर सीओसीआर (कन्फर्मेटरी ऑसिलोग्राफ कार रन) का सफल परीक्षण किया गया। 24 डिब्बों वाली स्पेशल ट्रेन परीक्षण में मदार-पालनपुर रेलखंड की 366 किमी दूरी 03 घंटे 23 मिनट में पूरी की गई। इस



दौरान गाड़ी की औसत गति 107.65 किमी प्रति घंटा रही तथा अधिकतम गति 135 किमी प्रति घंटा तक दर्ज की गई। परीक्षण के दौरान ट्रैक मापदंडों के अलावा सिगनलिंग, कर्षण वितरण उपकरण, लोकोमोटिव और कोच फिटनेस जैसे अन्य कई पहलुओं की भी जाँच की गई और रिकॉर्ड किया गया।

पश्चिम मध्य रेलवे ने पुनः 180 किमी प्रति घण्टे का हाई स्पीड ऑसिलेशन ट्रायल कर रचा इतिहास





भारतीय रेल के अनुसंधान अभिकल्प एवं मानक संगठन (आरडीएसओ) द्वारा विभिन्न खंडों पर हाई स्पीड ऑसिलेशन ट्रायल किया जाता है। इन परीक्षणों के माध्यम से ट्रेन की गति बढ़ाने से कोचों और ट्रैक के ऑसिलेशन को चेक किया जाता है, जिसमें सभी त्वरण मापदंडों एवं ऑसिलोग्राफ परिणामों का विधिवत् रिकॉर्ड करना है। यह परीक्षण आरडीएसओ द्वारा भारतीय रेल के विभिन्न खंडों पर किए जाते हैं जो अनुभाग के मास्टर डाटा पर निर्भर करते हैं

उपरोक्त नीति के अनुसार पमरे के कोटा मण्डल के कोटा-नागदा एवं कोटा-मथुरा सेक्शन और भोपाल मण्डल के इटारसी-भोपाल एवं भोपाल-बीना सेक्शनों पर पूर्व में भी हाई स्पीड ऑसिलेशन ट्रायल आयोजित किए गए हैं। इन अनुभागों पर ऑसिलेशन ट्रायल, नए लोकोमोटिव और रोलिंग स्टाक की डिजाइन सुविधाओं का परीक्षण करने में पश्चिम मध्य रेल का प्रदर्शन भारतीय रेल के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शनों में से एक है। पश्चिम मध्य रेलवे ने ट्रैक रख-रखाव के मशीनीकरण और आधुनिक ट्रैक सिग्नलिंग और ओएचई रखरखाव प्रक्रियाओं को अपनाने के माध्यम से सर्वोत्तम रख-रखाव प्रथाओं पर जोर देते हुए उन्हें कार्यान्वित किया है। उल्लेखनीय है कि पश्चिम मध्य रेल के कोटा मंडल का मथुरा-कोटा-नागदा सेक्शन (549 रूट किमी) सभी हाई स्पीड ट्रायल के लिए भारतीय रेल पर चुने गए सेक्शन में से एक है।

पश्चिम मध्य रेल वर्ष 2022-23 में भी ऑसिलेशन ट्रायल करने में अग्रणी रेलवे बन रही है। उल्लेखनीय है कि अप्रैल 2022 से 10 जुलाई 2022 तक 130 से 180 किमी प्रति घंटे की स्पीड बैंड में हाई स्पीड पर 75 ट्रायल रन सफलतापूर्वक आयोजित करते हुए पमरे पर लगभग 6500 किमी का ऑसिलेशन ट्रायल चलाए गए हैं।

पश्चिम मध्य रेलवे पर ट्रेनों में आरक्षित सीटों की जांच एवं आवंटन में हैंड हेल्ड टर्मिनल का उपयोग

'डिजिटल इंडिया' अभियान को बढ़ावा देने के लिये भारतीय रेल द्वारा चलती ट्रेन में आरक्षित टिकट की जांच तथा खाली उपलब्ध सीट दूसरे यात्रियों को मुहैया कराने के लिए अपने टिकट चल निरीक्षकों/परीक्षकों द्वारा हैंड हेल्ड टर्मिनल (एचएचटी) उपकरण का उपयोग किया जा रहा है। इसी कड़ी पश्चिम मध्य रेलवे में यात्री ट्रेन में आरक्षित टिकिट की जाँच टिकिट चल निरीक्षकों/परीक्षकों द्वारा ट्रेन आरक्षण चार्ट के स्थान पर अब डिजिटल आधुनिक तकनीकी की नई ई-डिवाइस हेंड हेल्ड टर्मिनल (एचएचटी) से की जा रही है। पमरे मुख्यालय द्वारा जबलपुर मंडल को 344, भोपाल मंडल को 196 एवं कोटा मंडल को 182 और इसके साथ जबलपुर को 27 स्पेयर सहित कुल 749 हेंड हेल्ड टर्मिनल उपलब्ध कराए गए है। इस नई ई-डिवाइस रुपी अत्याधुनिक तकनीक से परिपूर्ण हेंड हेल्ड टर्मिनल की शुरुआत सर्वप्रथम जबलपुर मंडल की जबलपुर से निज़ामुद्दीन तक चलने वाली संपर्क क्रांति एक्सप्रेस से प्रारम्भ हो गई है। अति शीघ्र भोपाल एवं कोटा के ट्रेनों में भी आरक्षित टिकट की जांच तथा खाली उपलब्ध सीट दूसरे यात्रियों को मुहैया कराने के लिए हैंड हेल्ड टर्मिनल उपकरण का उपयोग किया जायेगा।



बीना-कोटा 300 किमी मार्ग 2X25 केवी ट्रैक्शन सिस्टम के अपग्रेडेशन के लिए चिन्हित

भारतीय रेल ने नेटवर्क ट्रैक सिस्टम, रोलिंग स्टॉक आदि के अपग्रेडेशन और मिशन 3,000 मीट्रिक टन माल ढुलाई के भविष्य के शिखर को पूरा करने के लिए विभिन्न उपायों की योजना के लिए सभी क्षेत्रीय रेलवे में 2X25 केवी कर्षण प्रणाली के अपग्रेडशन के लिए कुल 2,140 रूट किमी का मार्ग चिन्हित किया गया है। इसी योजना के अंतर्गत पश्चिम मध्य रेल में भी 2X25 केवी कर्षण प्रणाली के अपग्रडेशन हेतु बीना-कोटा के कुल 303 रूट किमी को चिन्हित किया गया है।

पश्चिम मध्य रेल के अंतर्गत बीना-कटनी मार्ग में वर्तमान में 250 किमी से अधिक पर 2X25 केवी ट्रैक्शन सिस्टम उपलब्ध है, जिसके परिणामस्वरूप सबसे व्यस्ततम मार्ग पर मालगाड़ियों के संचालन में काफी कारगर साबित हुई है। इसी प्रकार नागदा-कोटा-मथुरा मार्ग 545 किमी पर भी 2X25 केवी ट्रैक्शन सिस्टम अपग्रेडशन का कार्य चरणबद्ध तरीके से तेजी से किया जा रहा है। अत: पमरे पर लगभग 1,100 किमी से अधिक 2X25 केवी ट्रैक्शन सिस्टम उपलब्ध हो जाने से मालगाड़ियों के संचालन में वृद्धि के साथ-साथ फ्रेट लोडिंग में वृद्धि होगी।

2X25 केवी ट्रैक्शन सिस्टम का अर्थ है 50 केवी पर ट्रांसमिशन और 25 केवी वोल्टेज सिस्टम का उपयोग करना। एक सिस्टम से दूसरे सिस्टम में फीड एक्सटेंशन संभव और लोकोमोटिव को 1X25 केवी से 2X25 केवी ट्रैक्शन सिस्टम तक निर्बाध रूप से चलाना। इस 2X25 केवी ट्रैक्शन सिस्टम के ट्रांसमिशन से कई लाभ मिलेंगे।

- बेहतर वोल्टेज रेगुलेशन और कम ट्रांसमिशन लाइन लॉस।
- ट्रैक्शन सबस्टेशन स्पेसिंग बढ़ेगा।
- ट्रांसमिशन नेटवर्क पर वोल्टेज असंतुलन को कम करने के लिए कारगर।
- हाई लोड करंट पर भी बेहतर वोल्टेज रेगुलेशन।
- 2X25 केवी सिस्टम इलेक्ट्रोमैग्नेटिक इंटरफेरेंस के प्रभाव को कम करता है।
- ट्रैक्शन प्रयोजन के लिए उच्च शक्ति की आवश्यकता को पूरा करने के लिए दुनिया भर में पसंदीदा समाधान।



चिरेका के महाप्रबंधक द्वारा 'इंडक्शन ब्रेजिंग मशीन' का उद्घाटन

श्री सतीश कुमार कश्यप, महाप्रबंधक, चिरेका ने 25 जून, 2022 को चित्तरंजन रेल इंजन कारखाना (चिरेका) के इलेक्ट्रिक लोको असेंबली (ईएलए) 16 और 19 शॉप, ट्रैक्शन मोटर शॉप और जीएसडी का निरीक्षण किया। उन्होंने गुणवत्ता में सुधार, हाउसकीपिंग, साफ-सफाई, स्क्रैप के निस्तारण आदि में तेजी लाने की सलाह दी। श्री कश्यप ने अपने दौरे के दौरान ट्रैक्शन मोटर शॉप के अंदर 'इंडक्शन ब्रेजिंग मशीन' का उद्घाटन किया जो ट्रैक्शन मोटर्स की गुणवत्ता और आउटपुट में सुधार में मदद करेगी। श्री कश्यप ने संबंधित अधिकारियों, पर्यवेक्षकों और कर्मचारियों के साथ बातचीत कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इस निरीक्षण के दौरान श्री कश्यप के साथ चित्तरंजन रेल इंजन कारखाना के वरिष्ठ अधिकारीगण भी मौजूद थे।



चिरेका निर्मित 100वां रेलइंजन देश सेवा को समर्पित

रिकॉर्ड 73 कार्य दिवसों में किया उत्पादन

सर्वाधिक विद्युत रेल इंजन उत्पादन का विश्व कीर्तिमान रचने वाली भारतीय रेल की उत्पादन इकाई चित्तरंजन रेलइंजन कारखाना (चिरेका) ने चालू वित्तीय वर्ष 2022-23 के रिकॉर्ड 73 कार्य दिवसों में 100वें रेलइंजन का उत्पादन कर एक ऐतिहासिक सफलता हासिल की है। यह उपलब्धि किसी भी वित्तीय वर्ष में कार्य दिवसों की तुलना में अग्रणी है। 29 जून, 2022 को चिरेका उत्पादित 100वें रेलइंजन को देश सेवा के लिए समर्पित किया गया। श्री सतीश कुमार कश्यप, महाप्रबंधक, चिरेका ने शॉप 19 के टेस्ट शेड से हरी झंडी दिखाकर इस 100वें रेलइंजन को रवाना किया। इस मौके पर चिरेका के सभी विभागों के प्रधान अध्यक्ष, वरीय अधिकारी, पर्यवेक्षक सहित कर्मचारी गण उपस्थित थे। इस प्रगति और उपलब्धि के लिए श्री सतीश कुमार कश्यप, महाप्रबंधक ने चिरेका टीम को बधाई दी।

चिरेका मौजूदा वित्तीय वर्ष 2022-23 में निर्धारित लक्ष्य को पार कर नया कीर्तिमान स्थापित करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।





खेलों में भारतीय रेल



21 से 24 जुलाई तक हरियाणा में आयोजित 69वीं सीनियर नेशनल कबड्डी चैंपियनशिप में भारतीय रेल की टीम ने महाराष्ट्र को फाइनल में 38-21 से हराकर लगातार चौथी बार खिताब जीता।



दोहा, कतर में आयोजित 9वीं आर्टिस्टिक जिम्नास्टिक्स एशियन चैंपियनशिप में भारतीय रेल की जिम्नास्ट प्रणति नायक वाल्टिंग टेबल इंवेंट में कांस्य पदक अर्जित कर भारत का नाम रौशन किया

'असम हैण्डबॉल प्रीमियर लीग' में रेलवे को रजत

भारतीय रेल की महिला हैण्डबॉल टीम ने 10 से 12 जुलाई, 2022 तक गुवाहाटी में आयोजित 'असम हैण्डबॉल प्रीमियर लीग' में रजत पदक प्राप्त किया। उल्लेखनीय है कि पूर्वोत्तर रेलवे की 06 महिला हैण्डबॉल खिलाड़ी भारतीय महिला हैण्डबॉल टीम का हिस्सा रहीं, जिनमें ज्योति शुक्ला, नीना सील, पवित्तर, मोनिका, सृष्टि अग्रवाल तथा सुषमा सम्मिलित हैं। भारतीय महिला हैण्डबॉल टीम के कोच पूर्वोत्तर रेलवे के श्री अरविन्द कुमार यादव थे। पूर्वोत्तर रेलवे क्रीड़ा संघ (नरसा) के संरक्षक एवं पूर्वोत्तर रेलवे के महाप्रबन्धक श्री अशोक कुमार मिश्र, अध्यक्ष श्री योगेश मोहन, महासचिव श्री पंकज कुमार सिंह, हैण्डबॉल सचिव श्री के.सी. सिंह, सहायक क्रीड़ाधिकारी एवं भारतीय कुश्ती टीम के कोच श्री चन्द्र विजय सिंह ने भारतीय महिला हैण्डबॉल टीम की तथा उसमें सम्मिलित पूर्वोत्तर रेलवे के महिला हैण्डबॉल खिलाड़ियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन पर प्रसन्नता व्यक्त की।



गौरव बालियान ने जीता
'एशियन कुश्ती चैम्पियनशिप' का कांस्य पदक

अन्तर्राष्ट्रीय क्षितिज पर भारतीय पहलवानों का शानदार प्रदर्शन जारी है। इसी क्रम में किर्गिस्तान के बिश्केक शहर में 22 से 26 जून, 2022 तक आयोजित अंडर-23 एशियन कुश्ती चैम्पियनशिप में पूर्वोत्तर रेलवे के उभरते हुए पहलवान गौरव बालियान ने 79 किग्रा भार वर्ग (फ्री स्टाइल) में कांस्य पदक जीतकर देश का मान बढ़ाया। गौरव बालियान को 79 किग्रा भार वर्ग में कांस्य पदक प्राप्त होने पर पूर्वोत्तर रेलवे पर खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों तथा कुश्ती प्रेमियों ने प्रसन्नता व्यक्त की। बालियान को इस उपलब्धि पर पूर्वोत्तर रेलवे क्रीड़ा संघ के अध्यक्ष (नरसा) श्री योगेश मोहन, महासचिव श्री पंकज कुमार सिंह, कुश्ती सचिव श्री जे.पी. सिंह एवं वरिष्ठ रेल अधिकारियों ने बधाई दी।

इसके पूर्व बालियान ने ऊफा, रूस में आयोजित जूनियर विश्व कुश्ती चैम्पियनशिप में कांस्य पदक, सीनियर नेशनल कुश्ती चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक एवं बुल्गारिया में आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय रैंकिंग श्रृंखला में रजत पदक प्राप्त किया है। पूर्वोत्तर रेलवे के सहायक क्रीड़ाधिकारी एवं भारतीय कुश्ती टीम के कोच श्री चन्द्र विजय सिंह की देखरेख में बालियान नियमित प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं।



महाप्रबंधक ने तीरंदाजों को सम्मानित किया



सुश्री अर्चना जोशी, महाप्रबंधक, दक्षिण पूर्व रेलवे इंटर जोनल आरपीएफ पुरुष और महिला तीरंदाजी टूर्नामेंट-2022 में सराहनीय प्रदर्शन के लिए आरपीएफ पोस्ट मुरी की महिला कांस्टेबल, सोनी कुमारी और आरपीएफ पोस्ट, रांची के कांस्टेबल नीतेश कुमार को सम्मानित किया।

महिला कांस्टेबल सोनी कुमारी ने महिला कंपाउंड श्रेणी में स्वर्ण और कांस्टेबल नीतेश कुमार ने पुरुषों की रिकर्व श्रेणी में स्वर्ण प्राप्त किया है। दक्षिण पूर्व रेलवे तीरंदाजी टीम ने इस टूर्नामेंट में चैम्पियनशिप ट्रॉफी भी जीती है। इंटर जोनल आरपीएफ पुरुष और महिला तीरंदाजी टूर्नामेंट-2022 मालीगांव, गुवाहाटी, पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे में 17 और 18 जून, 2022 को आयोजित किया गया था। दक्षिण पूर्व रेलवे मुख्यालय गार्डनरीच में दिनांक 23 जून, 2022 को आयोजित सम्मान समारोह में श्री डी. बी. कसार, आईजी-सह-प्रधान मुख्य सुरक्षा आयक्त और अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे।

एससीआर महिला कबड्डी टीम ने जीता
अखिल भारतीय कबड्डी टूर्नामेंट

दक्षिण मध्य रेलवे की महिला कबड्डी टीम ने 8-10 जुलाई, 2022 तक सुलागिरी, बेंगलुरु, कर्नाटक में आयोजित अखिल भारतीय कबड्डी टूर्नामेंट जीत लिया। इस टूर्नामेंट में कुल 19 टीमों ने भाग लिया था। श्री अरुण कुमार जैन, महाप्रबंधक (प्रभारी) ने टीम के सदस्यों को उनकी जीत के लिए बधाई दी और उनकी सराहना की। दक्षिण मध्य रेलवे की सुश्री पूजा को टूर्नामेंट की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार दिया गया।



फर्स्ट एलोरडा बॉक्सिंग चैम्पियनशिप में
उत्तर मध्य रेलवे के कुलदीप ने कांस्य पदक जीता

दिनांक 28 जून से 3 जुलाई तक कजाखस्तान में फर्स्ट एलोरडा बॉक्सिंग चैम्पियनशिप संपन्न हुई। इस अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में उत्तर मध्य रेलवे के कुलदीप जोकि उत्तर मध्य रेलवे के सी सी टी सी पद पर आगरा में पोस्टेड हैं ने प्रतिभाग किया और कांस्य पदक जीत कर भारत को गौरवान्वित किया। इस अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में 5 टीमों क्रमशः भारत, उज्बेकिस्तान, कजाखस्तान, क्यूबा, चीन व मंगोलिया ने भाग लिया। इनकी इस उपलब्धि पर उत्तर मध्य रेलवे के महाप्रबंधक ने बधाई दी।



आधुनिक रेल डिब्बा कारखाना की टीम ने किया
मुंसियारी-खलिया टॉप ट्रैकिंग अभियान पूरा



आधुनिक रेल डिब्बा कारखाना, खेल-कूद संघ द्वारा 17 अप्रैल, 2022 को एक 13 सदस्यों की टीम मुंसियारी-खलिया टॉप ट्रैकिंग हेतु भेजी गई थी, जिसमें श्री डी. पी. मिश्रा, डिप्टी सीपीएम, श्री अनिल कुमार श्रीवास्तव निजी सचिव एवं जनसंपर्क अधिकारी श्री सुबोध कुमार जेई आदि गए थे। इस टीम का नेतृत्व वरिष्ठ खंड अभियंता अमिय श्रीवास्तव ने किया। पूरे दल ने इस रोमांचकारी ट्रैकिंग को सफलतापूर्वक पूरा कर 24 अप्रैल, 2022 को वापसी की।

16वीं अखिल भारतीय
अंतर रेलवे खो-खो चैम्पियनशिप सम्पन्न

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे स्पोर्ट्स एसोसिएशन, बिलासपुर के आतिथ्य में 16वीं अखिल भारतीय अंतर रेलवे खो-खो चौम्पियनशिप -2022 का आयोजन दिनांक 12 मई से 14 मई 2022 तक नॉर्थ ईस्ट इंस्टीट्यूट परिसर, बिलासपुर में किया गया था। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के महाप्रबंधक, श्री आलोक कुमार ने पुरस्कार वितरण किया। इस चैम्पियनशिप में मध्य रेल, पश्चिम रेलवे, उत्तर रेलवे, दक्षिण मध्य रेलवे एवं दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे ने भाग लिया। इस चैम्पियनशिप में मध्य रेल ने स्वर्ण पश्चिम रेलवे ने रजत पदक तथा दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे ने कांस्य पदक जीता।



रेल संग्रहालय-अजमेर

श्री शशि किरण
मुख्य जन संपर्क अधिकारी (उत्तर पश्चिम रेलवे)





जीवन का उद्देश्य है–निरंतर गतिमान रहना और निरंतर विकास का दामन थामे रहना। रेलवे के बिना जीवन में गति की कल्पना करना ही असंभव है। रेलवे के विकास के बिना सामाजिक, राजनीतिक एवं आर्थिक उद्देश्यों की प्राप्ति नहीं की जा सकती।

ब्रिटिश सरकार ने भी अपने साम्राज्य और आर्थिक विकास के लिए भारत में रेलवे की शुरुआत की, जो लॉर्ड डलहौजी द्वारा 8 मई 1845 में की गई एवं भारत में पहली रेल गाड़ी 16 अप्रैल 1853 को बोरीबंदर और ठाणे के बीच 34 किमी की दूरी पर चली थी। तब से अब तक भारतीय रेल का इतिहास काफी समग्र रहा

है। इस इतिहास को रेलवे ने संजोकर रखा है ताकि आने वाली पीढ़ियाँ रेल के इतिहास और विकास का अवलोकन कर सकें।

बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर ने विकास को परिभाषित इस तरह किया है, ''बुद्धि का विकास ही मानव अस्तित्व का सबसे बड़ा लक्ष्य होना चाहिए।'' बुद्धि का विकास यानी मन से चेतना का विकास। इसी से स्वतंत्रता, समता और लोकतंत्र की अवधारणा का जन्म हुआ है। ज्ञान का विकास एक क्रमिक विकास है और विकास के पहियों को निरंतर चलाना ही मानव जाति का ध्येय है। अजमेर स्थित रेलवे संग्रहालय में रेलवे के इसी निरंतर विकास क्रम को कलात्मक माध्यम से दर्शाया गया है। ज्ञान के विकास के इसी क्रम को संजोकर रखने के लिए, जिससे कि प्रेरणा पाकर और उस क्रम के माध्यम से निरंतर नयी तकनीक का जन्म हो



सके, संग्रहालय (Museum) की संकल्पना को जन्म दिया है।

आज़ादी के उपरांत भारतीय रेल का राष्ट्रीयकरण 1951 में किया गया। भारतीय रेल का पहला रेल संग्रहालय, 1977 में चाणक्यपुरी, नई दिल्ली में स्थापित किया गया था। भारतीय रेल के पास अब पूरे देश में फैले 33 संग्रहालय, विरासत पार्क और गैलरियाँ हैं।

राष्ट्रीय रेल संग्रहालय (NRM) दुनिया के प्रमुख रेलवे संग्रहालयों में से एक है। इसका संग्रह भारतीय उपमहाद्वीप में 160 से अधिक वर्षों के रेल इतिहास की गाथा दोहराता है।

राष्ट्रीय रेल संग्रहालय की तर्ज पर रेलवे मंत्रालय ने उत्तर पश्चिम रेलवे (उपरे) के अजमेर मंडल पर एक रेल संग्रहालय स्थापित किया गया है।





03 फरवरी, 2018 को बड़ौदा हाउस, नई दिल्ली में आयोजित क्षेत्रीय रेलवे विरासत अधिकारियों की समीक्षा बैठक के दौरान यह निर्णय लिया गया कि संरक्षा की स्थापना सहित रेल संग्रहालयों के कायाकल्प और सुदृढ़ीकरण के लिए उपरे पर इस कार्य को मंजूरी दी जाए। इसी क्रम में अजमेर मंडल में महान ऐतिहासिक विरासत को रक्षित और संरक्षित करने का संकल्प लिया गया और अजमेर मंडल के नसीराबाद रोड स्थित

अजमेर कार्यशाला के पुराने विद्युत उत्पादन कार्यशाला परिसर में रेलवे संग्रहालय स्थापित किया गया है।



रेल संग्रहालय, अजमेर का भव्य उद्घाटन

यह रेल म्यूजियम अब एक नया पर्यटन स्थल बन चुका है। इसमें 1853 से लेकर वर्तमान तक रेल का इतिहास संजोकर रखा हुआ है। रेल के इतिहास और विकास को जानने के लिए म्यूजियम हर उम्र के लोगों के लिए ज्ञानवर्धन का स्रोत बन गया है, खासकर बच्चों के लिए म्यूजियम में बहुत कुछ है जो थ्योरी के अलावा उन्हें प्रेक्टिकल ज्ञान भी देता है, जिससे उनकी रुचि और बढ़ती है।

अजमेर के रेल म्यूजियम में कई मॉडल, मशीन, इंजन, घड़ियों सहित विभिन्न उपकरण उपलब्ध हैं। पूरे म्यूजियम में घूमने और जानकारी हासिल करने में करीब एक से डेढ़ घंटे का वक्त लगता है। म्यूजियम देखने के लिए बच्चों से 10 रुपए और टॉय ट्रेन का टिकट 50 रुपए है। इंडोर परिसर के बाहर बच्चों के खेलने के लिए झूले और टॉय ट्रेन है।

रेल और स्वतंत्रता आंदोलन, प्रिंटिंग प्रेस, टिकट विंडो, रेलवे ट्रेक में समय के साथ हुए बदलाव, उपकरण, तिजोरियाँ, क्रॉकरी, रेलवे स्टेशन, सिग्नल, संचार माध्यम, टिकटिंग व्यवस्था, मीटर गेज, ब्रॉड गेज, नैरो गेज ट्रैक और कई महत्त्वपूर्ण जानकारियां म्यूजियम में उपलब्ध हैं। म्यूजियम के भीतर ही एक प्रोजेक्टर कक्ष भी है, जहां आंगतुकों को विजुअल और वाइस ओवर के माध्यम से रेल के इतिहास और विकास की जानकारी दी जाती है।

म्यूजियम में मॉडल, फोटो और उपकरणों एवं स्टीम इंजन के माध्यम से जानकारी दी जाती है। वहीं इन जानकारियों को रोचक तरीके से बताने के लिए मॉडल में बटन भी लगाए गए हैं, जिन्हें बच्चे खुद चलाकर देख पाते हैं। इससे रेल को जानने में उनकी उत्सुकता और बढ़ती है। इसके अलावा बच्चे ज्ञानवर्धक जानकारी हासिल करने के साथ टॉय ट्रेन की सवारी भी करते हैं। म्यूजियम में भविष्य की ट्रेनों को भी दिखाया गया है। इसके अलावा हेरिटेज सेक्शन को भी म्यूजियम में दर्शाया गया है।



रेल संग्रहालय परिसर में आकर्षण का केंद्र टॉय ट्रेन है, जिसके लिए मीटर गेज का ट्रैक बिछाया गया है। इस टॉय ट्रेन को मीटर गेज की 5 पुश ट्रॉलियों से बनाया गया है। रेल म्यूजियम में 3-डी प्रभावों के साथ कैनवास पर बनाई गई सिनोग्राफी, साइनेज, सबसे पुराने भाप इंजन का मॉडल, विश्व युद्ध के समय रेल मॉडल और अजमेर के तीर्थ स्थानों के मार्ग, रेलवे की प्रौद्योगिकी और इंजीनियरिंग आदि पर आधारित इंटरैक्टिव मॉडल सहित अन्य ऐतिहासिक महत्त्व की वस्तुएं प्रदर्शित की गयी हैं।

रेल संग्रहालय में रेलवे इतिहास (नेरो गेज और मीटर गेज) में इस्तेमाल होने वाले उपकरणों के कट मॉडल, पुराने समय मे इस्तेमाल होने वाले कल-पुर्जे, विभिन्न मशीनें, पुराने फर्नीचर, रेल कर्मचारियों और रेल यात्रियों द्वारा पुराने समय में काम में लिए जाने वाले विभिन्न सामानों, जिनके चित्र प्रदर्शित किए गए जो भारत के आम नागरिक को भारतीय रेल की सक्षम समृद्ध और विशाल विरासत से रू-ब-रू कराते है और उसे अपने देश, भारतीय रेल जोकि इस देश की रीढ़ है, पर गर्व का अनुभव देते हैं।



सिंधु यात्रा

श्री मनीष बाजपेई
वरिष्ठ पत्रकार, दूरदर्शन समाचार

एक मकसद, जिसका उद्देश्य पूरे भारत को लद्दाख क्षेत्र से सांस्कृतिक, सामाजिक और आर्थिक रूप से जोड़ना...एक यात्रा, जिसमें पर्यटन भी है और सीमा दर्शन का एक भावनात्मक पक्ष भी है, जिसके चलते सम्पूर्ण भारत के लोग लद्दाख की धरती पर आकर सुंदरता के साथ-साथ यहां की भौगोलिक संवेदनशीलनता से भी परिचित होते हैं। यह यात्रा एक भारत श्रेष्ठ भारत को नया मुकाम देती है। यह यात्रा है सिंधु दर्शन यात्रा, जो प्रतिवर्ष जून के माह में केन्द्रशासित प्रदेश लद्दाख की राजधानी लेह में आयोजित होती है और इसमें जाति, प्रांत, मजहब और भाषा की तमाम विभिन्नताओं के बावजूद विविधता में एकता का भारतीय सूत्र सर्वत्र पुष्पित, पल्लवित और प्रफुल्लित होता हुआ दिखता है क्योंकि जिस यात्रा की शुरुआत में आंकड़ा मुश्किल से दहाई को पार कर रहा था, वो अब हजारों की तादाद में हैं और यह सिंधु दर्शन यात्रा अपना रजत जयंती वर्ष भी साल 2021 में मना चुकी है।

सिंधु दर्शन यात्रा के आयाम अनन्त हैं। इसकी व्याख्या करना थोड़ा मुश्किल है। जब इसके भावनात्मक पक्ष को देखा जाए तो मानव सभ्यता के सृजन से यह आज को जोड़ती है और इसलिए यह यात्रा आदि से अनन्त की कहानी है। जब बात धार्मिक पक्ष की रखें तो शैव मतावलम्बियों से लेकर बौद्ध संस्कृति और उसके ऊपर इस्लाम का आक्रमण–सब कुछ सामने आता है और जब इस यात्रा के माध्यम से सिंधु नदी के सामाजिक, भौगोलिक और आर्थिक पक्ष को सामने रखते हैं तो फिर इतिहास के कालखंड के इतने पन्ने खुल

जाते हैं कि उनको एक लेख में समाहित कर पाना मुमकिन नहीं है, लेकिन संक्षेप में कहें तो यह मानव सभ्यता के दर्शन की यात्रा है। यह अपने आप को अपने से मिलाने की यात्रा है। यह यात्रा है आत्मिक रूप से अपने आप को जानने की ...अगर आप जानना चाहें तो..।

सिंधु दर्शन यात्रा के परिपेक्ष्य में अगर पिछली आधी सदी का जिक्र कर लिया जाए तो अनुचित नहीं होगा क्योंकि राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ के स्वयंसेवकों और अधिकारियों का सिंधु दर्शन या सिंधु स्नान यात्रा को लेकर लद्दाख की धरती पर पिछले पैंतीस चालीस सालों से अनवरत जाना आना रहा है, लेकिन इस यात्रा के पीछे जिस महामानव का सबसे बड़ा योगदान कहा जा सकता है, उसका पहली बार इस धरा पर आगमन साल 1983 में हुआ था। राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ के अखिल भारतीय कार्यकारिणी के सदस्य और वरिष्ठ प्रचारक इंद्रेश जी के सान्निध्य में यह यात्रा अपने न जाने कितने पड़ाव पार कर चुकी है। इस यात्रा को या वर्तमान समय में जो यात्रा चल रही है, उसको उस वक्त पंख लग गए जब साल 1999 में जुलाई मास में तत्कालीन गृहमंत्री लालकृष्ण आडवाणी, पर्यटन विभाग (दिल्ली और केन्द्र सरकार, भारतीय सिंधी सभा, धर्मयात्रा, हिमालय परिवार महासंघ व अनेक संस्थाओं के नेतृत्व में देशभर से यात्री सड़क व हवाई मार्ग से लेह पहुंचे थे।

दरअसल, सिंधु दर्शन यात्रा के सिलसिले में भी जब एक भारत श्रेष्ठ भारत का कारवां लद्दाख पहुंचा तो महज लद्दाख की राजधानी लेह तक ही यह कारवां नहीं सिमटा रहा बल्कि भौगोलिक सुंदरता नूब्रा घाटी, जंस्कार घाटी, सुरु घाटी, सिंधु घाटी और चांगथांग घाटी तक भी पहुंचा। सभी जगहों की सुंदरता देखकर ऐसा लग रहा था कि शायद यह गलत कहा गया है कि धरती का स्वर्ग कश्मीर है बल्कि लद्दाख के इन नयनाभिराम नजारों को कैद करती हुईं आँखें भी यही कह रही थीं। लद्दाख भारत के सुदूर उत्तर क्षेत्र का हिस्सा है और पश्चिम हिमालय का यह बर्फीला क्षेत्र पश्चिम में कश्मीर से, उत्तर में पाकिस्तान से, पूर्व में चीन से और दक्षिण में हिमाचल प्रदेश के बर्फीले क्षेत्र लाहौल स्फीति से जुड़ा है। लद्दाख को ठंडे रेगिस्तान की संज्ञा दी जाती है। साइबेरिया के पश्चात संसार का दूसरा ठंडा क्षेत्र, जहां का तापमान शून्य डिग्री से माइनस पचास डिग्री तक चला जाता है। लद्दाख को उसके भौगोलिक आधार पर इन पांच घाटी क्षेत्रों में बांटा जा सकता है, लेकिन इसके अतिरिक्त वहां घूमने के लिए अनगिनत स्थान है, जिसमें विश्व की सबसे ऊंची सड़क खारदूंगला पास पर जाने का अपना ही रोमांच है। हालांकि यहां पर जाने के लिए अनुमति की जरुरत होती है। यहां की ठंडक और बर्फ के साथ खेलना रोमांचकारी अनुभव देता है। लद्दाख जाएं और पेंगोग लेक न जाएं तो यात्रा अधूरी ही मानी जा सकती है क्योंकि सिर्फ भारत ही क्या बल्कि विश्व की सबसे सुंदरतम और रोमांचक स्थानों में इस नमकीन पानी की झील का जिक्र होता है। कहने वाले इसे रंग बदलने वाली झील के रूप में जानते हैं, लेकिन हमारा हकीकत से जब सामना हुआ तो समझ में आया कि जैसे जैसे आसमां अपना रंग बदलता है, नीचे झील में पानी भी उसी रंग का दिखता है। पेंगोग झील का एक तिहाई हिस्सा भारत के पास और दो तिहाई हिस्सा चीन की सीमा में आता है तो इसलिए झील का दूसरा सिरा हमारी आंखों से ओझल रहता है, लेकिन जो कुछ हमारी आंखे देख पाती हैं, उससे ही जो कुदरत के आशीर्वाद की अनुभूति होती है, वो वाकई अविस्मरणीय और अद्भुत होता है। इसके अतिरिक्त लेह से कारगिल की तरफ जाते हैं तो सबसे पहले कारगिल युद्ध के स्मारक के तौर पर हॉल ऑफ फेम सर झुकाने लायक स्थान है, जहां शहीद सैनिकों के सम्मान में हमारा मस्तक स्वयमेव झुक जाता है और उसके बाद आता है वो स्थान, जहां सैकड़ों साल पहले गुरु नानक देव जी पधारे थे और उन पर एक राक्षस ने हमला किया था। यह स्थान सिक्ख धर्म के

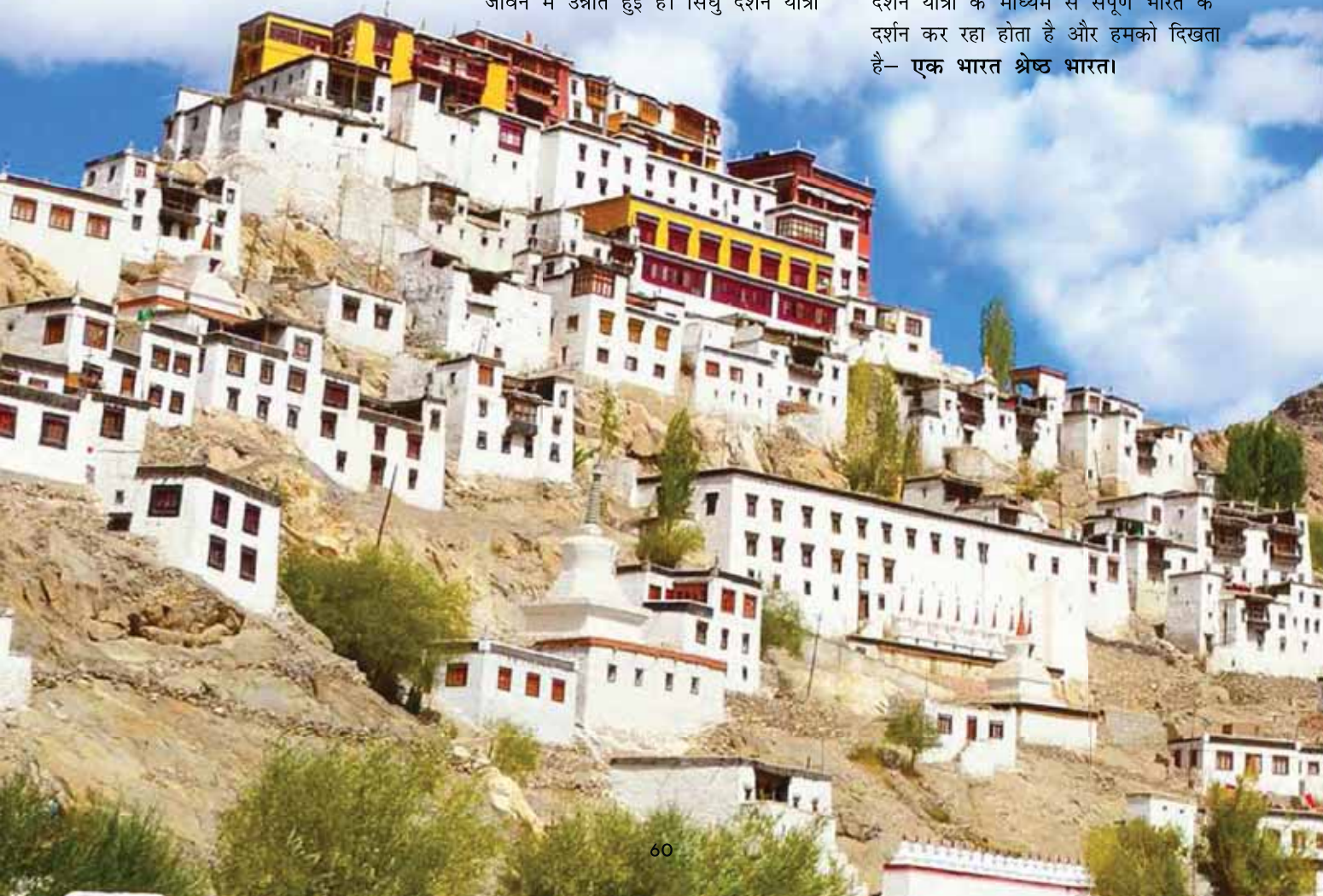


साथ-साथ सम्पूर्ण भारत के लिए श्रद्धा के केन्द्र पत्थर साहिब गुरुद्वारे के रूप में जाना जाता है। उससे कुछ किमी आगे बढ़ने पर मैगनेटिक हिल का रोमांच है, जहां चुम्बकीय शक्ति का अनुभव करने के लिए एक निश्चित जगह लोग अपना वाहन रोकते हैं और चुम्बकीय शक्ति के प्रभाव के चलते वाहन अपने आप एक दिशा में चलता है। इसके अतिरिक्त इसी मार्ग पर संगम नामक स्थान है, जहां पर सिंधु नदी अपनी एक सहायक नदी जंस्कार से मिलती है और यहां पर वॉटर स्पोर्ट्स का अच्छा नजारा देखने को मिलता है। लद्दाख की यह तमाम खूबियों महज कहने भर के लिए हैं, असली आनन्द तो आप तब ही ले सकते हैं जब आप लद्दाख की धरती पर पहुंचेंगे और इन तमाम खूबियों से आपको रू-ब-रू करवाने के लिए सिंधु दर्शन यात्रा आपके लिए एक जरिया हो सकती है क्योंकि इस यात्रा के माध्यम से भारत के आध्यात्मिक, सांस्कृतिक और सांस्कारिक मूल्यों का जो खजाना आपको प्राप्त होगा, वो अन्यत्र शायद ही कहीं प्राप्त हो।

सिंधु दर्शन यात्रा का महत्त्व इस मायने में बढ़ जाता है क्योंकि इस यात्रा के मूल में सिंधु, सिंध क्षेत्र और सिंधी संस्कृति का भी जुड़ाव दिखता है। दरअसल, सिंधु भारतीय सांस्कृतिक इतिहास में वो स्थान रखती है जो पवित्र गंगा को भी नहीं मिला है क्योंकि गंगा से प्राचीन नदी है सिंधु। सिंधु का जिक्र वेदों में है जबकि गंगा वेदोत्तर नदी है। सिंधु वो नदी है जिसके तटों पर वेदों की रचना हुई। इस लिहाज से सिंधु का महत्त्व गंगा से भी कहीं ज्यादा है और फिर इसकी सहायक नदियों का अपना इतिहास भारत की संस्कृति से जुड़ता है और साथ ही जुड़ती है सिंधु से हिंदू होने की पूरी कथा।

सिंधु दर्शन यात्रा का एक पहलू यह भी है कि लेह के आर्थिक विकास में इसका बड़ा योगदान है क्योंकि इस यात्रा से जो पर्यटन का क्षेत्र विकसित हो रहा है, उससे यहां की स्थानीय आबादी को रोजगार का एक बड़ा साधन प्राप्त हुआ है। सिंधु दर्शन यात्रा ने लेह के सभी नागरिकों के जीवन पर प्रभाव डाला है, जिसके कारण उनके जीवन में उन्नति हुई है। सिंधु दर्शन यात्रा के पूर्व यहां के नागरिकों का जीवन मौसम की प्रतिकूल परिस्थितियों के चलते खानाबदोश हुआ करता था, लेकिन अब इस यात्रा के कारण नवीन तकनीक और आर्थिक विकास का माहौल बनने लगा है। होटल व्यवसाय के विकास से इस क्षेत्र में जबरदस्त रोजगार का सृजन हुआ है। टैक्सी और अन्य वाहनों की मांग के चलते हजारों की तादाद में युवा इस क्षेत्र से जुड़ चुके हैं। इसके अतिरिक्त प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष तौर पर सिंधु दर्शन यात्रा ने यहां के जनजीवन पर सकारात्मक प्रभाव डाला है।

इस यात्रा के मुख्य आयोजक समिति के तौर पर सिंधु दर्शन यात्रा समिति और साथ ही हिमालय परिवार का बड़ा योगदान है जो इस यात्रा को सफलतापूर्वक संचालित कर रही है। इस यात्रा की एक खास बात यह है कि तट पर खड़े हुए लोग भले ही एक-दूसरे की भाषा न समझ पाएं, भले ही उनकी पोशाक अलग-अलग हों, भले ही उनकी त्वचा का रंग भिन्न हो, लेकिन इन सभी उपस्थित लोगों के बीच भाव एक भारतीय का होता है और वो सिंधु दर्शन यात्रा के माध्यम से संपूर्ण भारत के दर्शन कर रहा होता है और हमको दिखता है– **एक भारत श्रेष्ठ भारत।**



बुद्धाजी

सुश्री रिंकल शर्मा



चौधरी साहब

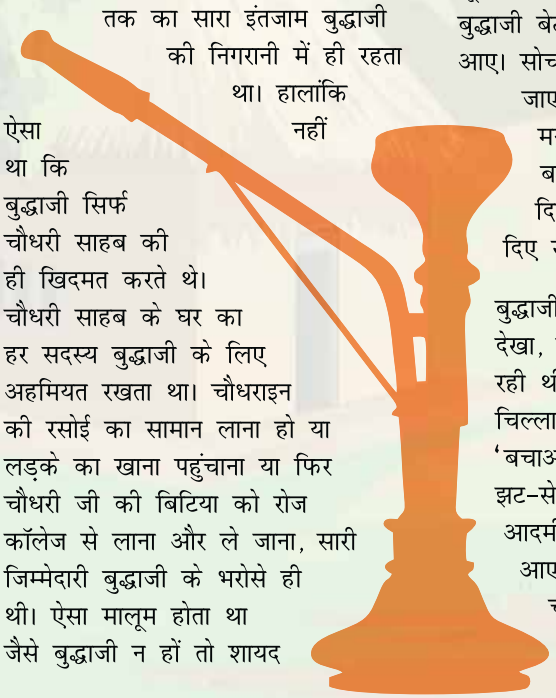
बड़े ही रसूख वाले इंसान थे। पूरे शहर में उनका बड़ा ही नाम था। शहर के सभी लोग चौधरी साहब को बड़ी इज्जत देते थे। चौधरी जी बहुत ही दयालु, सुलझे और सरल स्वभाव के इंसान थे मगर नियम-कानून के ऐसे पक्के थे कि किसी भी काम में जरा-सी भी देरी उन्हें नागवार गुजरती थी, तुरंत आगबबूला हो जाते थे। उनके गुस्से से सारा घर काँपता था। चौधरी साहब के परिवार में उनकी पत्नी इमरती देवी, एक लड़का किशोर और एक लड़की सुचिता थी। इमरती देवी अपने नाम जैसी ही मीठे स्वभाव की स्त्री थीं। लड़की सुचिता भी अपनी माँ की तरह ही मीठे स्वभाव वाली, समझदार, सर्वगुणों से संपन्न, रूपवती थी मगर चौधरी जी का लड़का इसके बिल्कुल उलट था। एक नंबर का आलसी और कामचोर होने के साथ-साथ झगड़ालू भी था। शराब और जुए की लत ऐसी थी कि जो छोड़े से भी नहीं छूटती थी। चौधरी के परिवार के लोगों के अलावा घर में एक नौकरानी और बुद्धाजी थे।

''बुद्धाजी! बुद्धाजी! अरे कहां हो भई?'' -चौधरी रामफल जी ने जोर-से आवाज लगाई।

''जी सरकार आया! बस, यहीं बरामदे में लेटा था कि मुई आंख लग गई''-बुद्धाजी ने अपनी आंखों को अपने गमछे से पोंछते हुए उत्तर दिया।

''बुद्धाजी, इस उम्र में अक्सर ऐसा हो जाता है। रात को नींद आती नहीं और जब दिन में काम हो तो कमबख्त कभी भी आ जाती है। खैर, यह सब छोड़िए, आप हुक्का सजाइए। तब तक हम पानदान लेकर आते हैं।'' -कहकर चौधरी साहब अपने कमरे की ओर चले गए।

बुद्धाजी के साथ चौधरी साहब का कुछ खासा ही लगाव था। भला क्यों न हो? बुद्धाजी भी तो चौधरी साहब के लिए अपनी जान हाजिर रखते थे। चौधरी साहब का हुकुम बुद्धाजी के लिए ईश्वर के आदेश के समान था। बुद्धाजी रात-दिन चौधरी साहब की सेवा में तत्पर रहते थे। सुबह की चाय से लेकर रात के हुक्के तक का सारा इंतजाम बुद्धाजी की निगरानी में ही रहता था। हालांकि ऐसा नहीं था कि बुद्धाजी सिर्फ चौधरी साहब की ही खिदमत करते थे। चौधरी साहब के घर का हर सदस्य बुद्धाजी के लिए अहमियत रखता था। चौधराइन की रसोई का सामान लाना हो या लड़के का खाना पहुंचाना या फिर चौधरी जी की बिटिया को रोज कॉलेज से लाना और ले जाना, सारी जिम्मेदारी बुद्धाजी के भरोसे ही थी। ऐसा मालूम होता था जैसे बुद्धाजी न हों तो शायद चौधरी साहब के घर में तो सूरज भी न उगे।



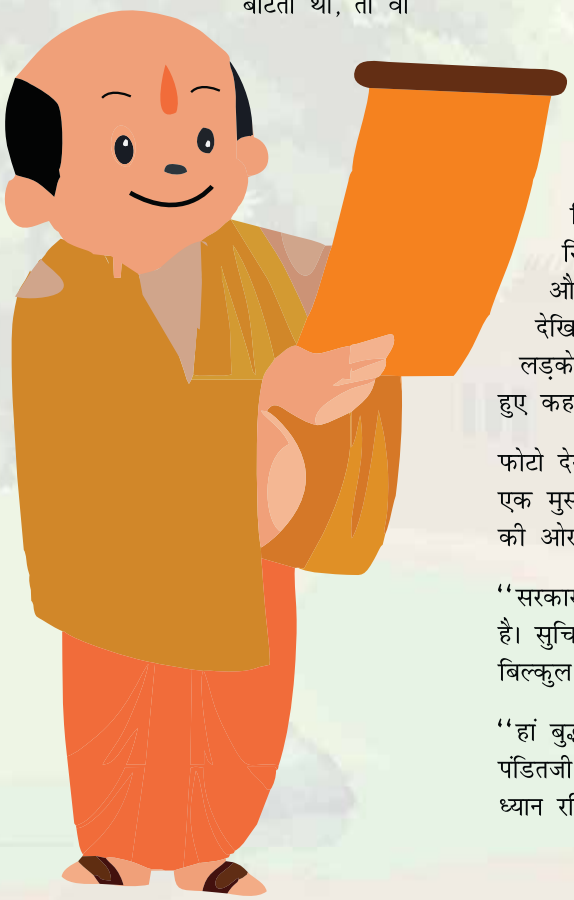
बुद्धाजी का चौधरी जी के प्रति यह प्यार और सेवाभाव यूं ही तो नहीं था। चौधरी साहब की दयालुता के कारण ही बुद्धाजी उन्हें भगवान की तरह पूजते थे। अगर चौधरी साहब न होते तो शायद बुद्धाजी तो कब के अपनी बेटी चंद्रा के साथ गंगा मैया की गोद में समा गए होते। चौधरी जी के बहुत एहसान थे बुद्धाजी पर।

दरअसल, बिहार के किसी छोटे-से गांव में बुद्धाजी अपनी पत्नी, बेटे और बेटी के साथ रहते थे। मगर बरसात के मौसम में एक दिन इंद्रदेव ने ऐसा कहर बरपाया कि बुद्धाजी का अपना घर, बीवी और एक लड़का, सब बाढ़ में बलि चढ़ गए। बुद्धाजी के पास घर-परिवार के नाम पर सिर्फ एक बेटी ही बची थी। सब कुछ डूब जाने के बाद निराश और हताश बुद्धाजी बेटी का हाथ थामे इलाहाबाद चले आए। सोचा कि कुछ काम-धंधा मिल जाएगा तो गुजर-बसर हो जाएगा, मगर जब बहुत हाथ-पैर मारने के बाद भी कुछ न हुआ तो एक दिन बेटी का हाथ पकड़कर चल दिए खुदकुशी करने।

बुद्धाजी गंगा तट पर पहुंचे ही थे कि देखा, दूर एक नाव पानी में गोते खा रही थी। एक आदमी 'बचाओ-बचाओ' चिल्ला रहा था। बुद्धाजी ने जैसे ही 'बचाओ-बचाओ' की आवाज सुनी, झट-से नदी में कूद गए और उस आदमी को बचाकर किनारे पर ले आए। वह आदमी कोई और नहीं, चौधरी रामफल ही थे। चौधरी साहब ने अपने प्राण बचाने वाले कि जब व्यथा सुनी तो

सीधा उन्हें अपने साथ, अपने घर ले आए। बुद्धाजी और उनकी बेटी के रहने का इंतजाम अपने घर में कर दिया। कुछ ही सालों बाद चौधरी जी ने चन्द्रा के हाथ पीले करके उसे उसके ससुराल विदा कर दिया। बस, फिर क्या था? उस दिन से ही बुद्धाजी और चौधरी साहब के बीच अनजाना-सा रिश्ता बन गया जो दिल की डोरी से बँधा था। तभी से बुद्धाजी चौधरी साहब की परछाई बन कर रहते थे।

चौधरी साहब को यूँ तो घर में सर्वसुख था, मगर इस सर्वसुख होने के बावजूद भी एक अजीब-सी चिंता उन्हें खाए रहती थी। चौधरी जी चिंता वाजिब भी थी। ईश्वर ने एक लड़का दिया, वो भी शराब और जुए में लिप्त रहता था। चौधरी साहब ने लाख बार किशोर को समझाया, मगर उस पर कोई असर न हुआ था। बार-बार उनके डांट-डपटने का नतीजा यह हुआ कि अब किशोर का सामना उनसे कम ही होता था। वो अक्सर देर रात घर पर आता और सुबह पिता की नजरों से बचकर घर से निकल जाता। घर में किसी से भी कम ही घुलता-मिलता था। हां, मगर बुद्धाजी से उसका भी लगाव था। अपना सुख-दुख थोड़ा-बहुत अगर किसी से बांटता था, तो वो बुद्धाजी ही थे। चौधरी साहब कई बार बुद्धाजी के माध्यम से ही किशोर तक अपनी बात पहुंचाते थे। कभी-कभी चौधरी ज्यादा दुखी होते तो बुद्धाजी उन्हें समझाते थे, ''बच्चा है अभी किशोर। धीरे-धीरे सुधर जाएगा। जब कंधों पर जिम्मेदारी आएगी तो देखना कैसे बदल जाएगा।'' चौधरी साहब जानते थे कि यह एक झूठी उम्मीद है जो बुद्धाजी उन्हें बँधा देते हैं, मगर दिल को बहलाने के लिए गालिब खयाल अच्छा था।



बुद्धाजी ने बरामदे में तख्त के पास हुक्का सजा दिया। चौधरी साहब भी अपना पानदान लेकर आ चुके थे। चौधरी साहब, तख्त पर बैठे हुक्का गुड़गुड़ा रहे थे कि तभी द्वार पर दस्तक हुई। बुद्धाजी ने दरवाजा खोला तो सामने पंडित दीनानाथ जी खड़े थे।

''राम-राम पंडितजी''

''राम-राम बुद्धाजी। चौधरी साहब घर पर हैं क्या?''

''जी आइए, अंदर आइए!''

''राम-राम, चौधरी साहब''-पंडितजी ने हाथ जोड़कर कहा।

''राम-राम, पंडितजी, आइए बैठिए। कहिए, कैसे आना हुआ?''

''चौधरी साहब, सुचिता बिटिया के लिए एक बड़े ही अच्छे घर का रिश्ता लाया हूं। लड़का वकील है और बड़े ही सज्जन लोग हैं। यह देखिए लड़के का फोटो''-पंडितजी ने लड़के का फोटो चौधरी साहब को देते हुए कहा।

फोटो देखते ही चौधरी साहब के चेहरे पर एक मुस्कान आ गई। उन्होंने फोटो बुद्धाजी की ओर बढ़ाया।

''सरकार, यह तो बड़ा ही सुंदर लड़का है। सुचिता बिटिया के साथ इसकी जोड़ी बिल्कुल राम-सीता जैसी लगेगी।''-बुद्धाजी

''हां बुद्धाजी, मुझे भी यही लगता है। पंडितजी, आप बात आगे बढ़ाइए और ध्यान रखिए, रिश्ता हाथ से जाने न पाए।'' चौधरी जी ने दबाव बनाते हुए कहा।

''जी चौधरी साहब, आपने कह दी तो बस अब आप रिश्ता पक्का ही समझिए और शादी की तैयारियां शुरू कीजिए।'' कहकर पंडितजी चले गए। चौधरी साहब लड़के का फोटो चौधराइन और सुचिता को भी दिखाया हैं। चौधराइन भी हामी भर देती हैं और सुचिता भी शर्माकर अपनी इच्छा प्रकट कर दी। घर में शादी की तैयारियां शुरू हो जाती हैं। चौधरी साहब विवाह का सारा इंतजाम करने की जिम्मेदारी बुद्धाजी को दे दी। बुद्धाजी भी पूरे मन से तैयारी में जुट गए।

सुचिता के विवाह का दिन नजदीक ही था। घर में रंग-रोगन, कपड़े-लत्ते और जेवर की खरीदारी भी यूं तो पूरी हो ही चुकी थी, मगर शादी-ब्याह के घर में तो जब तक बेटी विदा न हो जाए तब तक लगता है जैसे कि बहुत काम बाकी है। पूरा परिवार शादी की तैयारी में जुटा था, मगर किशोर कुछ परेशान था। वो किसी से ज्यादा बात तो वैसे भी करता न था, मगर कल वो कुछ ज्यादा ही परेशान दिखाई दे रहा था। शादी की तैयारियों के बीच भी बुद्धाजी उसके चेहरे से भांप गए थे कि जरूर कोई परेशानी वाली बात है जो किशोर को अंदर-ही-अंदर खाए जा रही है। बुद्धाजी शाम को जब खाना देने के लिए किशोर के कमरे में गए तो उन्होंने देखा कि किशोर अपने पलंग पर औंधा लेटा कुछ सोच रहा था। बुद्धाजी ने कमरे में रखी मेज पर खाना रखते हुए किशोर से कहा-''बेटा! क्या बात है? नीचे घर में इतनी रौनक लगी हुई है। तुम्हारी इकलौती बहन सुचिता की शादी है और तुम यहां अकेले उदास बैठे हो? आखिर क्या बात है। हमें बताओ? शायद हम तुम्हारी कुछ मदद कर सकें।''

बुद्धाजी की बात सुनकर किशोर उठ बैठा और बुद्धाजी के चेहरे की ओर देख मन में सोचने लगा कि कैसे बताऊं बुद्धाजी को कि किसी से ₹50,000/- उधार लेकर उसने जुआ खेला और जुए में हारने की वजह से ₹50,000/- डूब गए। अगर सच बताया तो यह बात पिताजी तक पहुंच जाएगी और फिर तो बवाल ही मच जाएगा। किशोर अब भी खामोश था।

बुद्धाजी ने उससे फिर से पूछा, ''क्या बात है, बेटा? बताओ तो। हम तुम्हारे लिए अपनी जान भी दे देंगे। एक बार तुम कहो तो आखिर परेशानी क्या है?''

बुद्धाजी के वात्सल्यपूर्ण शब्द सुनकर किशोर के मन में उम्मीद की किरण जाग उठी। उसे एहसास हो गया कि बुद्धाजी ही हैं जो उसकी डूबती नैया को पार लगा सकते हैं, मगर वो यह भी जानता था कि अगर बुद्धाजी को सच बताया तो शायद वो अपने हाथ पीछे कर लेंगे। इसीलिए उसने झूठी कहानी बनाई और बुद्धाजी को बोला, ''बुद्धाजी, आप तो मेरे काका जैसे हो। अब आपसे क्या छिपाऊँ? सच बात यह है कि मैंने किसी से ₹50,000/- उधार लिए थे। सोचा था कि काम-धंधे में पैसे लगाऊंगा और मुनाफा कमाकर पैसे चुका दूंगा। पिताजी और सब घरवाले मुझे निकम्मा और नालायक समझते हैं। सबकी बातें और ताने सुनते-सुनते अब मैं तंग आ गया था। इसीलिए ठान लिया था कि कुछ करके दिखाऊंगा, मगर मुझे क्या पता था कि मेरी तो किस्मत ही खराब है। जब भी कुछ अच्छा करने जाऊं तो बुरा ही होता है। मैंने जिस आदमी को कच्चा माल लाने को पैसे दिए, वो मेरे पैसे लेकर भाग गया। उसका कुछ अता-पता नहीं है। और वो साहूकार जिससे मैंने रुपए लिए थे, वो अपने पैसे वापस मांग रहा है। उसने धमकी दी है कि अगर मैंने कल तक रुपए नहीं लौटाए तो मुझे पुलिस के हवाले कर देगा। अब आप ही बताओ, मैं क्या करूं?''

''अरे बिटवा! यह बहुत ही बड़ी समस्या है। अगर हमारे पास इतने रुपए होते तो हम जरूर तुम्हें दे देते। मगर बेटा, इतनी बड़ी रकम कहां से आएगी?'' कहते हुए बुद्धाजी के चेहरे पर परेशानी साफ झलक रही थी।

'काका, अब सिर्फ आप ही हैं, जो मेरी मदद कर सकते हैं। अगर मैं पिताजी से या मां से पैसे मांगूंगा तो वो मुझे धक्के मारकर घर से निकाल देंगे। और वैसे भी पिताजी के गुस्से का सामना करना मेरे बस की बात नहीं है।''

''लेकिन बेटा, हम कहां से लाएंगे इतने रुपए?''

''आप पिताजी की तिजोरी से निकाल कर मुझे दे दीजिए। पिताजी आप पर आंख बंद करके भरोसा करते हैं। और फिर इतना रुपया पड़ा है तिजोरी में, उन्हें क्या पता चलेगा।''

''नहीं-नहीं बेटा, कैसी बात कर रहे हो? हम और चोरी, वो भी सरकार की तिजोरी से? नहीं-नहीं। जिस थाली में खाते हैं, उसी में छेद करें, यह हमसे न होगा, ''बुद्धाजी ने घबराते हुए कहा।''

''लेकिन काका...''

''नहीं-नहीं बेटा, हमें माफ कर दो''-कहकर बुद्धाजी किशोर के कमरे से चले गए। किशोर को मन-ही-मन बुद्धाजी पर बहुत गुस्सा आया है, मगर वह खीजकर रह गया।

इधर चौधरी साहब बैठक में बैठे अपना हिसाब-किताब कर रहे थे। तभी बुद्धाजी उनके लिए दूध लेकर आते हैं।

''सरकार यह लीजिए, गरमागरम दूध पी लीजिए। रात हो गई है। आप अपने कमरे में चलकर सो जाइए।''

''अरे बुद्धाजी, लाइए और आप तब-तक एक काम कीजिए। ये ₹ 50,000/- की गड्डी ले जाकर तिजोरी में रख आइए। यह लीजिए चाबी''-चौधरी साहब, रुपए और चाबी बुद्धाजी को दे दी। बुद्धाजी रुपए लेकर तिजोरी में रखने चले गए। चौधरी साहब भी सोने चले गए।

अगली सुबह चौधरी साहब उठकर बैठक की ओर गए और बुद्धाजी को आवाज लगाई।

''बुद्धाजी! बुद्धाजी! अरे कहां हो आप? चाय नहीं पिलाओगे क्या?''

चौधरी साहब को कोई उत्तर नहीं मिलता। उन्होंने फिर आवाज लगाई। चौधराइन चाय का कप लेकर आती है। ''ए लीजिए चाय।''

''तुम! भई यह बुद्धाजी कहां चले गए, जो तुम्हें चाय लेकर आना पड़ा?''

''पता नहीं! मैंने भी उन्हें सुबह से नहीं देखा है।''

''सुबह से नहीं देखा? ऐसा कैसे हो सकता है? देखो, कहीं बीमार तो नहीं, उनके कमरे में जा कर देखो।'' तभी सुचिता वहां आई और बताया कि वो बुद्धाजी के कमरे से ही आ रही थी वो वहां भी नहीं थे। चौधरी जी परेशान हो गए कि आखिर बुद्धाजी गए कहां? सारे घर ने ढूंढा है मगर बुद्धाजी कहीं भी नजर नहीं आए। चौधरी साहब को याद आया कि आखिरी दफा रात को उन्होंने बुद्धाजी को तभी देखा था जब उन्होंने तिजोरी की चाबी और पैसे बुद्धाजी को दिए थे। चौधरी जी तुरंत तिजोरी वाले कमरे की ओर गए, मगर वहां का नजारा देख कर उनके होश उड़ गए। तिजोरी का ताला खुला हुआ था और उसमें 50,000/- के नोटों की गड्डी भी नहीं थी। हालांकि बाकी के रुपए-पैसे सब ज्यों के त्यों रखे हुए थे। चौधरी साहब को कुछ भी समझ नहीं आता कि आखिर बुद्धाजी भी नहीं हैं और पैसे भी गायब हैं। तभी चौधराइन और सुचिता भी गई। चौधराइन ने देखकर समझ लिया कि बुद्धाजी ही रुपए चुराकर भागे हैं। वो बुद्धाजी को कोसने लगीं। घर के बाकी लोग भी परेशान हो उठे। आनन-फानन में पुलिस भी आ गई। चौधरी साहब अपने मुंह से कुछ भी नहीं कहते क्योंकि उन्हें विश्वास ही नहीं हो रहा था कि बुद्धाजी ने ऐसा किया होगा। पुलिस ने अपनी छानबीन शुरू कर दी

नीचे घर में हो रहे इस शोर-शराबे से किशोर की नींद खुली। वो उठा है, तो देखा कि उसके सिराहने के पास 50,000/- के नोटों की गड्डी रखी हुई थी। पैसे हाथ में लेकर उसने सोचा कि आखिर यह पैसे कहां से आए? तभी सुचिता उसके कमरे में आई और बताया कि बुद्धाजी ₹ 50,000/- की चोरी करके भाग गए। किशोर सुनकर हक्का-बक्का रह गया। अपने सिराहने के पास रखी गड्डी को देखकर वो समझ गया कि बुद्धाजी ने उसकी झूठी कहानी पर विश्वास करके पैसे तिजोरी से निकालकर उसके पास रख दिए होंगे और खुद बदनामी का सेहरा अपने सिर बांधकर, चुपचाप घर से चले गए। बुद्धाजी का त्याग देखकर किशोर को अपने किए पर पछतावा हुआ और वो फूट-फूटकर रोने लगा।



महुआ

श्री आर. एन. तिवारी

आधुनिक रेल कोच फैक्ट्री परिसर से बाहर निकलते ही ऐहार कस्बा है जो लालगंज तहसील में हैं। वहाँ से रायबरेली के लिए जो सड़क जाती है, उस पर दोनों ओर महुए के पेड़ थोड़ी-थोड़ी दूरी पर लगे हुए हैं। मैंने आदिवासियों की जीवन शैली व आजीविका के साधनों पर शोध के दौरान राजस्थान के दक्षिण पूर्वी क्षेत्र में इस वृक्ष की महत्ता देखी है।

इसका वानस्पतिक नाम 'लोंगफोलिआ' है। यह एक भारतीय उष्णकटिबन्धीय वृक्ष है, जो मध्य भारत के उष्णकटिबंधीय पर्णपाती वन का एक प्रमुख पेड़ है जो उत्तर भारत के मैदानी इलाकों और जंगलों में बड़े पैमाने पर पाया जाता है।



ऐहार से रायबरेली लगभग 25 किमी है। सड़क से लगभग 20 मीटर से 50 मीटर की दूरी पर लगे महुआ के वृक्ष लगभग 60 से 70 वर्ष पुराने हैं। एक पूर्ण विकसित महुआ का वृक्ष आम के वृक्ष से भी बड़ा होता है।

अप्रैल में ज्यों-ज्यों गर्मी का आगमन होता है, यह वृक्ष अपने फूलों से लद जाता है। इन फूलों में रस और भीनी मादकता होती है। सुबह-सुबह भ्रमण के दौरान यदि आपको महुआ वृक्ष के नीचे से गुजरने को मिले तो आप उसकी सुगन्ध से मदहोश हो जाएँगे। उस सुगन्ध को ग्रहण करने के लिए वहाँ पर आप थोड़ी देर खड़े रहने को विवश होंगे। महुआ वृक्ष पर, इन दिनों पक्षियों की भी भरमार होती है जो उसके फूलों का रसपान करते हैं। रात भर महुआ वृक्ष में पके हुऐ रस भरे फूल झरते रहते हैं।

महुए के पेड़ के नीचे इन फूलों की चादर-सी बिछ जाती है। ऐसा लगता है कि किसी गौरी के पैरों की पाजेब के अंसख्य सुनहरे घुंघरू इधर-उधर बिखरे पड़े हों।

समीप के गांव के बच्चे और महिलाएँ सुबह उठते ही छोटी-छोटी डलिया लेकर महुआ पेड़ के नीचे पहुँच जाती हैं और फूल चुनने लगती हैं। कोई किसी को नहीं टोकता। ग्रामीण क्षेत्र में लगे पेड़ पूरे गांव की सम्पत्ति होते हैं। जिसकी जितनी मेहनत और क्षमता हो, वह चुन ले। गाँव वाले इनको इकट्ठा करके सुखाते हैं और फिर शराब बनाने वालों को दे देते हैं जो इनसे ₹60/- से ₹100/- प्रति किलो की दर से खरीद लेते हैं।

आदिवासी क्षेत्रों में महुए के फूलों से शराब बनाना आम बात है। वे इसके ताजा फूलों को गेहूँ की या मक्का की दलिया में मिलाकर लपसी की तरह खा भी लेते है। महुए के फूल में कई गुणकारी खनिज तत्व होते हैं जो उनको लाभ पहुँचाते हैं। वृक्ष उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, झारखण्ड, छत्तीसगढ़, बिहार के ग्रामीण क्षेत्रों व राजस्थान के आदिवासी क्षेत्रों में बहुतायत में मिलता है। आदिवासियों के लिए यह वृक्ष पिता के समान है। कहते हैं कि अकाल के दिनों में वर्ष 1956 में जब खाने को कुछ भी नहीं था तो आदिवासियों ने महुआ के फूल व मोटा अनाज खाकर ही जीवन गुजारा था। महुए को लेकर आदिवासी व ग्रामीण अंचलों में कई लोकगीत हैं, जिन्हें विभिन्न अवसरों पर गाया जाता है। आदिवासी जीवन शैली का तो यह पेड़ एक अभिन्न अंग है। ग्रामीण व आदिवासी अंचलों में महुआ वृक्ष की उपयोगिता को देखते हुए उनके गीतों में इसकी श्रद्धा भाव से स्तुति की गई है इन गीतों का भावार्थ है, ''हे महुआ वृक्ष, तू शतायु हो। तेरे कारण ही मेरा जीवन बचा हुआ है। तेरी छाया में मैं सोता हूँ, तेरे दिए फूलों को मैं खाकर अपनी क्षुधापूर्ति करता हूँ। यही काम तो माता करती है। तू मेरी माता समान है, तुझे मैं प्रणाम करता हूँ।''

आदिवासी अंचलों में महुए को प्रयुक्त कर जो शराब बनाई जाती है, उसे 'महुड़ी' कहते हैं। सभी आदिवासियों में यह लोकप्रिय है। आदिवासी अंचलों में शाम होते ही आदिवासी इसे पीकर झूमते-नाचते दिखाई देते हैं। यह दृश्य मैंने डूंगरपुर में आम देखा।

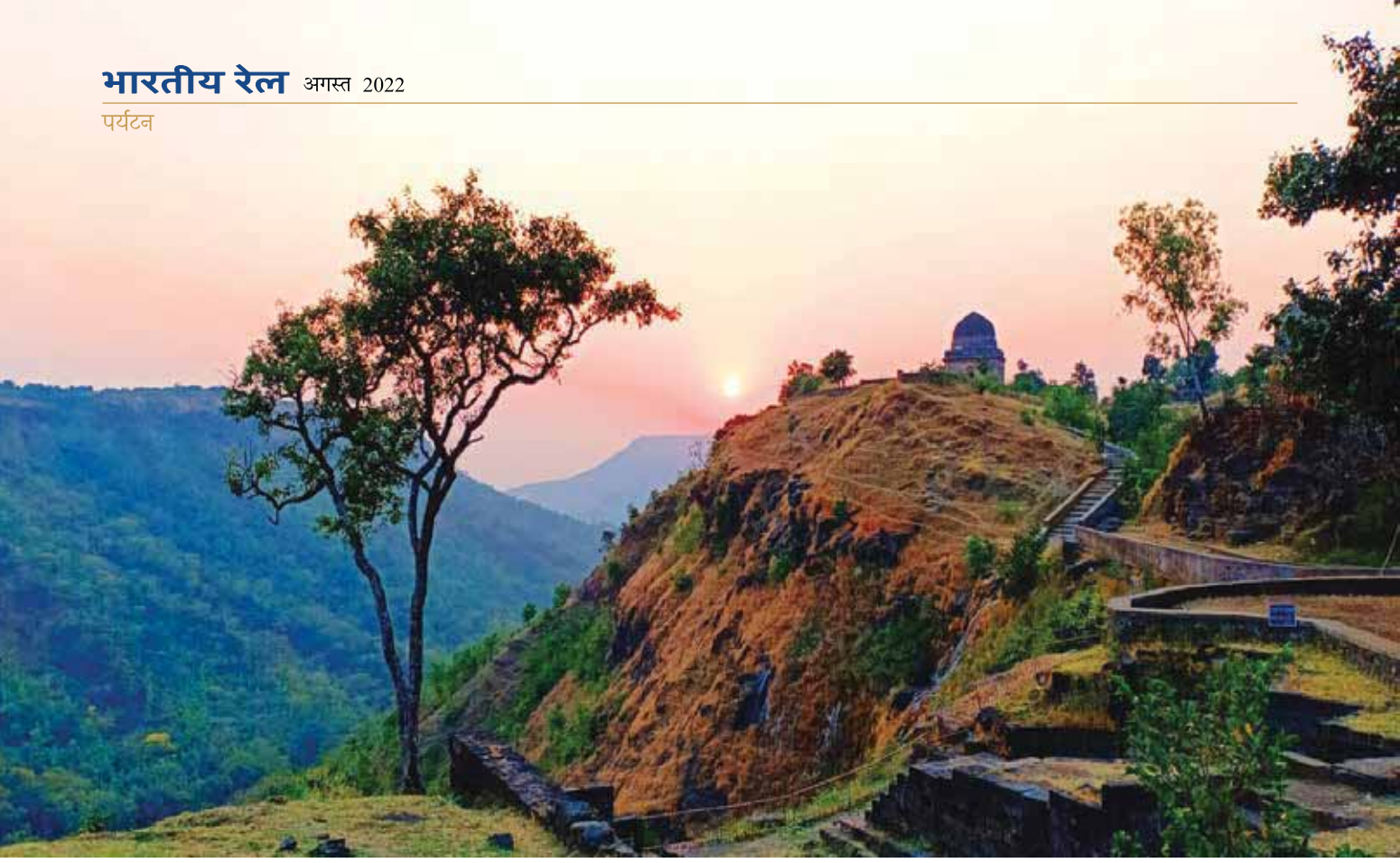
वर्ष 1969 में एक हिन्दी फिल्म बनी थी, 'महुआ।' उसमें हीरोइन का नाम ही 'महुआ' था। विभूति मित्र निर्देशित उस फिल्म में मोहम्मद रफ़ी द्वारा गाया एक गाना लोकप्रिय हुआ था। इसमें नायक का विलाप सुनकर आंखों में आंसू भर आते हैं।

''दोनों ने किया था प्यार मगर, मुझे याद रहा तू भूल गई।
मैंने तेरे लिए जग छोड़ा, तू मुझको छोड़ गई।
ओ मेरी महुआ, मेरी जाना।"

अभी मराठी फिल्म 'महुआ' रिलीज हुई तथा पंकज सुबरी की लोकप्रिय कहानी पर भी 'महुआ घटवारिन' नामक फिल्म बन रही है। ये तथ्य 'महुआ' नाम की लोकप्रियता को दर्शाते हैं।

अप्रैल में व मई में जब इसके फूल झर जाते हैं। उसके बाद इससे नऐ पत्ते आने शुरू होते हैं। शुरू में पत्तों का रंग गेरुआ होता है। फिर सुनहरा और फिर हरा हो जाता है। गर्मी से बचने के लिए यह जून में शानदार छायादार विशाल वृक्ष का काम करता है। जिसकी तुलना पीपल, गूलर और, वट वृक्ष से की जाती है। आम्र वृक्षों की अमराई भी गर्मियों में ग्रामीणों के लिए वातानुकूलन का काम करती है।





ऐतिहासिक इमारतों का गढ़ मांडू

श्री अनिल सक्सेना

पर्यटन और मध्यप्रदेश अब एक-दूसरे का पर्याय बन चुके हैं। इतिहास से लेकर वन्य जीवों के वासस्थली के रूप में प्रसिद्ध मध्यप्रदेश पर्यटन अपनी झोली में कई सारी ऐसी विरासतों को समेटे हुए है जो वैश्विक धरोहरों में भी शामिल हैं। ओरछा के किले से लेकर साँची का स्तूप आपको पर्यटन की ऐसी दुनिया में ले जाता है जहाँ हर उम्र के लोगों के लिए कुछ-न-कुछ उत्साह भरा है। मध्य प्रदेश के इन्हीं खजानों के भण्डार में सम्मिलित है, प्राचीन शहर मांडू।

मध्यप्रदेश के खजानों में बेशकीमती मोती की तरह चमकता है प्राचीन शहर–मांडू! इसके साथ ही साथ राजा-रानी के प्रेम का साक्षात् साक्षी सुल्तानों के समय में 'शादियाबाद' के नाम से जाना जाता था, जिसका मतलब है 'खुशियों का शहर'। वास्तव में यह नाम इस जगह को सार्थक करता है। मध्य प्रदेश के हरे-भरे घने जंगल, नर्मदा का सुरम्य तट, ये सब मिलकर मांडू को मालवा का स्वर्ग बनाते हैं।

मांडू मध्यप्रदेश का एक ऐसा पर्यटन स्थल है, जो रानी रूपमती और बादशाह बाज बहादुर के अमर प्रेम का साक्षी है। यहाँ के खंडहर व इमारतें हमें इतिहास के उस झरोखे के दर्शन करती हैं, जिसमें हम मांडू के शासकों की विशाल समृद्ध विरासत व शानो-शौकत से रू-ब-रू होते हैं।

कहने को लोग मांडू को 'खंडहरों का गाँव' भी कहते हैं परंतु इसके खंडहरों के पत्थर भी बोलते हैं और सुनाते हैं, हमें इतिहास की अमर गाथा। हरियाली की खूबसूरत चादर ओढ़े मांडू विदेशी पर्यटकों के लिए विशेष तौर पर एक सुंदर पर्यटन स्थल रहा है। यहाँ के शानदार व विशाल दरवाजे मांडू प्रवेश के साथ ही इस तरह हमारा स्वागत करते हैं मानो हम किसी समृद्ध शासक के नगर में प्रवेश कर रहे हों।

मांडू में प्रवेश के घुमावदार रास्तों के साथ ही मांडू के बारे में जानने की तथा इसकी खूबसूरत इमारतों को देखने की हमारी जिज्ञासा चरम तक पहुँच जाती है। यहाँ के इमली के विशाल पेड़ व मीठे सीताफलों से लदे पेड़ों को देखकर हमारे मुँह में पानी आना स्वभाविक है।

यहाँ की कबीटनुमा स्पेशल इमली के स्वाद के चटखारे लिए बगैर भला कैसे हमारी मांडू यात्रा पूरी हो सकती है? आप भी यदि मांडू दर्शन को जा रहे हैं तो एक बार अवश्य यहाँ की इमली, सीताफल व कमलगट्टे का स्वाद चखिएगा। आइए, चलते हैं, मध्यप्रदेश के ऐतिहासिक स्थल मांडू की सैर पर।

मांडू के बारे में कुछ बातें

मांडू का दूसरा नाम 'मांडवगढ़' भी है। यह विंध्याचल की पहाड़ियों पर लगभग 2,000 फीट की ऊँचाई पर स्थित है।

मांडू पहाड़ों व चट्टानों का इलाका है, जहाँ पर ऐतिहासिक महत्त्व की कई पुरानी इमारतें हैं। मालवा के राजपूत परमार शासक भी बाहरी आक्रमण से अपनी रक्षा के लिए मांडू को एक महफूज स्थान मानते थे।

मांडू में यहाँ जरूर जाएँ

मांडू में पर्यटकों के लिए देखने लायक बहुत-से स्थान हैं, जिनमें रानी रूपमती का महल, हिंडोला महल, जहाज महल, जामा मस्जिद, अशरफी महल आदि स्थान प्रमुख हैं।

इसी के साथ ही मांडू को 'मांडवगढ़ जैन तीर्थ' के नाम से भी जाना जाता है। यहाँ भगवान सुपार्श्वनाथ की पप्रासन मुद्रा में विराजित श्वेतवर्णी सुंदर प्राचीन प्रतिमा है। इस प्रतिमा की स्थापना सन् 1472 में की गई थी। मांडवगढ़ में कई अन्य पुराने ऐतिहासिक महत्त्व के जैन मंदिर भी हैं, जिनके कारण यह जैन धर्मावलंबियों के लिए एक तीर्थ स्थान है।

स्वागत करते प्रवेश द्वार

मांडू में लगभग 12 प्रवेश द्वार हैं, जो मांडू में 45 किमी के दायरे में मुंडेर के समान निर्मित हैं। इन दरवाजों में 'दिल्ली दरवाजा' प्रमुख है। यह मांडू का प्रवेश द्वार है। इसका निर्माण सन् 1405 से 1407 के मध्य में हुआ था। यह खड़ी ढाल पर घुमावदार मार्ग के रूप में बनाया गया है, जहाँ पहुँचने पर हाथियों की गति धीमी हो जाती थी।

इस दरवाजे में प्रवेश करते ही अन्य दरवाजों की शुरुआत के साथ ही मांडू दर्शन का आरंभ हो जाता है। मांडू के प्रमुख दरवाजों में आलमगीर दरवाजा, भंगी दरवाजा, रामपोल दरवाजा, जहांगीर दरवाजा, तारापुर दरवाजा आदि अनेक दरवाजे हैं।

जामा मस्जिद (जामी मस्जिद)

मांडू का मुख्य आकर्षण जामा मस्जिद है। इस विशाल मस्जिद का निर्माण कार्य होशंगशाह के शासनकाल में आरंभ किया गया था तथा महमूद प्रथम के शासनकाल में यह मस्जिद बनकर तैयार हुई थी। इस मस्जिद की गिनती मांडू की नायाब व शानदार इमारतों में की जाती है। यह भी कहा जाता है कि जामा मस्जिद डेमास्कस (सीरिया देश की राजधानी) की एक प्रसिद्ध मस्जिद का प्रतिरूप है।

अशरफी महल

जामा मस्जिद के सामने ही अशरफी महल है। अशरफी का अर्थ होता है 'सोने के सिक्के'। इस महल का निर्माण होशंगशाह खिलजी के उत्तराधिकारी मोहम्मद खिलजी ने इस्लामिक भाषा के विद्यालय (मदरसे) के लिए किया था। यहाँ विद्यार्थियों के रहने के लिए कई कमरों का निर्माण भी किया गया था।

जहाज महल

'जहाज महल' का निर्माण 1469 से 1500 ईस्वी के मध्य कराया गया था। यह महल जहाज की आकृति में दो कृत्रिम तालाबों कपूर तालाब व मुंज तालाब के मध्य में बना हुआ है। लगभग 120 मीटर लंबे इस खूबसूरत महल को दूर से देखने पर ऐसा लगता है मानो तालाब के बीच में कोई सुंदर जहाज तैर रहा हो। संभवत: इसका निर्माण शृंगार प्रेमी सुल्तान ग्यासुद्दीन खिलजी ने विशेष तौर पर अंत:पुर (महिलाओं के लिए बनाए गए महल) के रूप में किया था।

होशंगशाह की कब्र

होशंगशाह की कब्र भारत में संगमरमर से बनाई हुई



ऐसी पहली कब्र है, जिसमें आपको अफगानी शिल्पकला का बेहतरीन नमूना देखने को मिलता है। यहाँ के गुंबद, बरामदे तथा संगमरमर की जाली आदि की खूबसूरती बेजोड़ है।

हिंडोला महल

हिंडोला महल मांडू के खूबसूरत महलों में से एक है। 'हिंडोला' का अर्थ होता 'झूला'। इस महल की दीवारें कुछ झुकी होने के कारण यह महल हवा में झूलते हिंडोले के समान प्रतीत होता है। अत: इसे 'हिंडोला महल' के नाम से जाना जाता है। इसका निर्माण ग्यासुद्दीन खिलजी ने 1469 से 1500 ईसवी के मध्य सभा भवन के रूप में करवाया था। यहाँ के सुंदर कॉलम इसे और भी खूबसूरती प्रदान करते हैं। इस महल के पश्चिम में कई छोटे-बड़े सुंदर महल हैं। इसके समीप ही चंपा बावड़ी है।

रानी रूपमती का महल

रानी रूपमती के महल को देखे बगैर मांडू दर्शन अधूरा-सा है। 365 मीटर ऊँची खड़ी चट्टान पर स्थित इस महल का निर्माण बाज बहादुर ने रानी रूपमती के लिए कराया था। इसी के साथ ही सैनिकों के लिए मांडू की सुरक्षा व्यवस्था पर नजर रखने के बेहतर स्थान के रूप में भी इसका प्रयोग किया जाता था।

कहा जाता है कि रानी रूपमती सुबह ऊठकर माँ नर्मदा के दर्शन करने के बाद ही अन्न-जल ग्रहण करती थीं। अत: रूपमती के नर्मदा दर्शन को सुलभ बनाने हेतु बाज बहादुर ने ऊँचाई पर स्थित इस महल का निर्माण कराया था।

बाज बहादुर का महल

बाज बहादुर के महल का निर्माण 16वीं शताब्दी में किया गया था। इस महल में विशाल आँगन व हॉल बने हुए हैं। यहाँ से हमें मांडू का सुंदर नजारा देखने को मिलता है।

रेवा कुंड

रेवा कुंड का निर्माण बादशाह बाज बहादुर ने अपनी प्रेयसी रानी रूपमती के महल में पानी की पर्याप्त व्यवस्था के स्रोत के रूप में किया था।

अन्य स्थल

नीलकंठ

यहाँ शिवजी का मंदिर है, जिसमें जाने के लिए अंदर सीढ़ी उतरकर जाना पड़ता है। इस मंदिर के सौंदर्य को शब्दों में बयां नहीं किया सकता। ऊपर पेड़ों से घिरे तालाब से पानी की एक धार नीचे शिवजी का अभिषेक करती जाती है।

नीलकंठ महल

मंदिर के समीप स्थित इस महल का निर्माण शाह बदगा खान ने अकबर की हिंदू पत्नी के लिए करवाया था। इसकी दीवारों पर अकबर कालीन कला के नमूने देखे जा सकते हैं।

हाथी महल, दरिया खान की मजार, दाई का महल, दाई की छोटी बहन का महल, मलिक मघत की मस्जिद और जाली महल भी दर्शनीय हैं। यहाँ ईको पॉइंट पर पर्यटकों की भीड़ लगी ही रहती है। लोहानी गुफाएँ और उनके सामने स्थित सनसेट पॉइंट भी पर्यटकों को खींचता है।

मांडू पहुँचें कैसे

मांडू मध्यप्रदेश के धार शहर से लगभग 35 किमी की और इंदौर से लगभग 100 किमी की दूरी पर स्थित है। मध्यप्रदेश के कई मुख्य शहरों–जैसे, भोपाल, उज्जैन, रतलाम, धार आदि से यहाँ तक के लिए कई बस सुविधाएँ उपलब्ध हैं। यहाँ का नजदीकी रेलवे स्टेशन इंदौर और रतलाम है। मांडू जाने का सही समय जुलाई से मार्च के मध्य है। बेहतर होगा कि आप बरसात के मौसम में मांडू जाएँ क्योंकि इस मौसम में मांडू की खूबसूरती चरम पर होती है।

मांडू से दूरी

धार से दूरी-लगभग 33 किमी

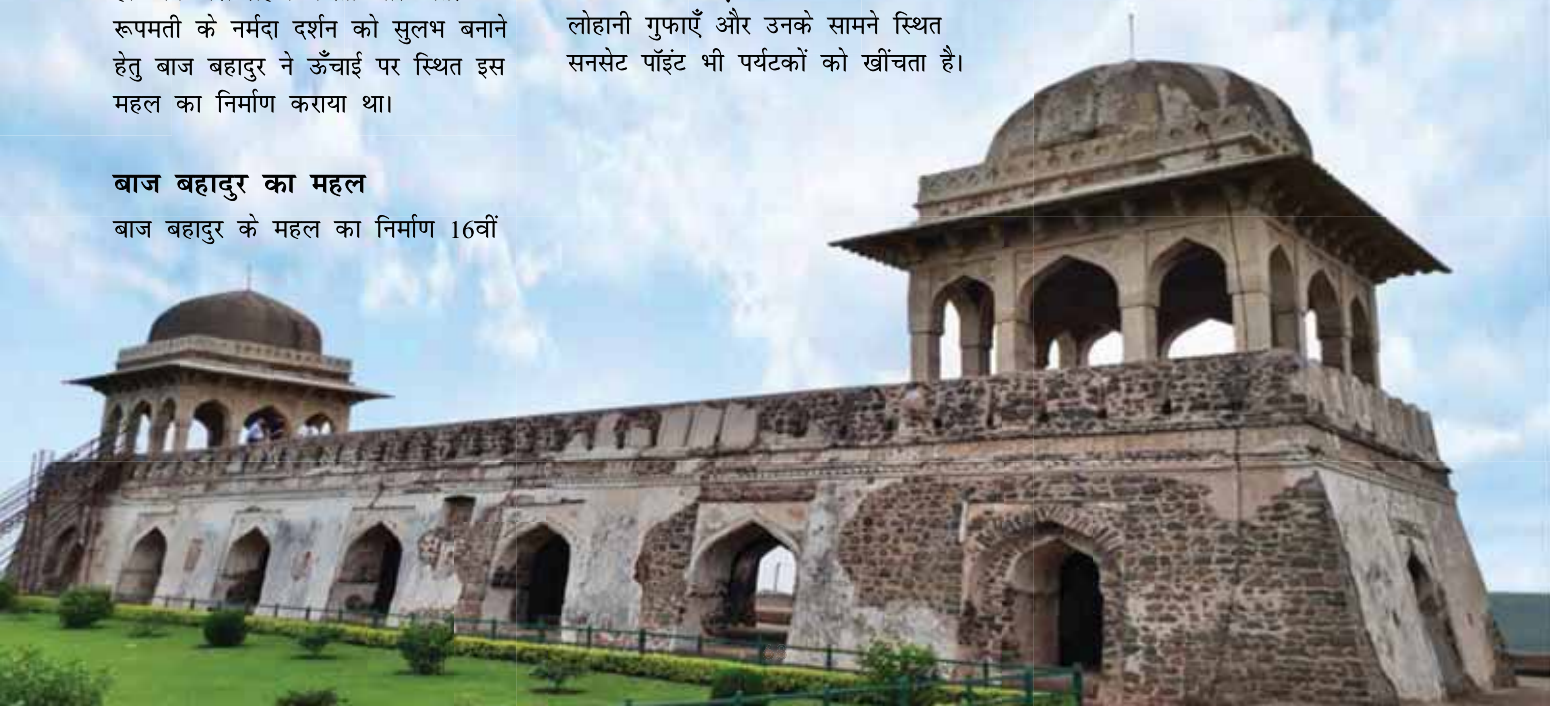
इंदौर से दूरी-लगभग 100 किमी

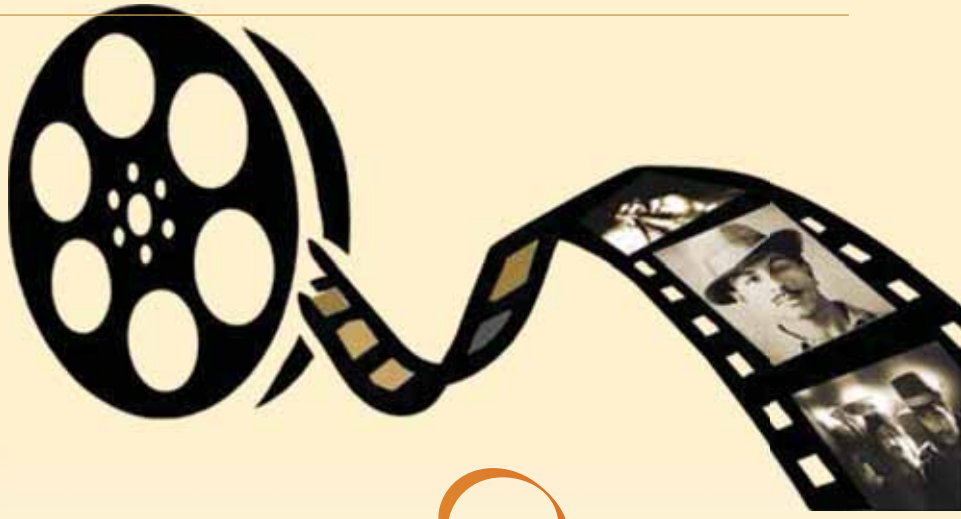
नजदीकी रेलवे स्टेशन-इंदौर व रतलाम

बस सुविधा उपलब्ध : रतलाम, उज्जैन, भोपाल, महू, धार आदि स्थानों से मांडू हेतु डेली बस सुविधा उपलब्ध है।

ठहरने के स्थान

मांडू में म. प्र. पर्यटन विभाग का होटल मालवा रिजार्ट है। इसके अलावा मांडू में कई छोटे-बड़े होटल व धर्मशालाएँ हैं, जहाँ आप ठहरकर मांडू के खूबसूरत नजारों का आनंद उठा सकते हैं।

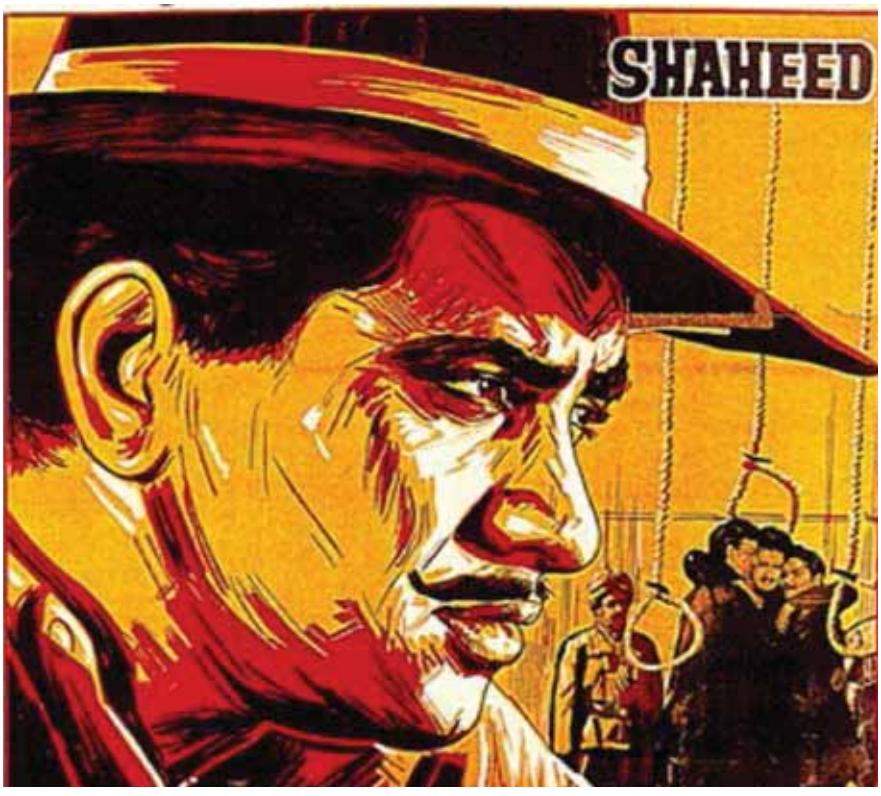




एक यादगार फिल्म शहीद

श्री अजय कुमार शर्मा

मनोज कुमार और दिल्ली के ही उनके बचपन के दोस्त केवल कश्यप, जो बाद में फिल्म जगत के कई महत्त्वपूर्ण सितारों के प्रचारक बने, ने साठ के दशक में भगत सिंह पर फिल्म बनाने का निर्णय लिया। बड़ी मात्रा में खर्च करके काफी



अनुसन्धान द्वारा मनोज कुमार ने स्वयं कहानी लिखी। दोनों ने भगत सिंह के बारे में हर छोटी-बड़ी जानकारी एकत्र करने की चेष्टा की। यदि उन्हें पता चलता कि किसी दूरस्थ इलाके में भी कोई ऐसा व्यक्ति है, जिसके साथ भगत सिंह कुछ दिन रहे थे, तो वे दोनों और अधिक सामग्री एकत्र करने वहां पहुंच जाते। मनोज कुमार ने पुराने अखबारों, पत्रिकाओं, पुस्तकों, पत्रों और पाण्डुलिपियों से काफी सूचनाएं व सामग्री एकत्र की। अन्य फिल्मों में अभिनय करके कमाए हुए पैसों को वे भगत सिंह पर बनाई जाने वाली फिल्म पर खर्च कर देते। केवल कश्यप ने इस फिल्म के वास्ते आवश्यक धन जुटाने के लिए अपनी सम्पत्ति पर बैंक से कर्जा लिया, अपनी फियेट गाड़ी बेच दी और सारे पैसे इस फिल्म के निर्माण में झोंक दिए। मनोज और केवल कई बार भगत सिंह के भाई और उनकी मां (जो उस समय 81 वर्ष की अवस्था में भी काफी सक्रिय थीं) से मिले और उनसे भगत सिंह के बारे में काफी जानकारी प्राप्त की। प्राण ने अपनी आत्मकथा में इस फिल्म का जिक्र करते हुए लिखा है कि

इन दो अथक परिश्रमी अनुसन्धानकर्ताओं ने स्वतत्रंता संग्राम के महान नायक, भगत सिंह के बारे में अल्पज्ञात तथ्यों को भी उजागर किया। उदाहरण के तौर पर भगतसिंह का वास्तविक नाम 'भाग्य' था। जिस दिन उनका जन्म हुआ, उसी दिन उनके स्वतत्रंता संग्रामी चाचा और भाई जेल से रिहा हुए। अत: उनके दादा ने उन्हें भाग्यशाली समझकर उनका नाम 'भाग्य' रखा। दूसरा हृदयस्पर्शी तथ्य-जिस लड़की से भगत सिंह का विवाह होने वाला था, उसे परिस्थितिवश मजबूर होकर किसी और से विवाह करना पड़ा। 23 मार्च 1931 को, जिस दिन भगत सिंह को फांसी हुई, उसी दिन अचानक उसका पति चल बसा। उसने भगत सिंह की मां से रोते हुए कहा, ''यदि मेरे भाग्य में वैधव्य ही लिखा था तो भगत सिंह की विधवा होना गौरव की बात होती।''

हालांकि इन सभी तथ्यों का फिल्म में इस्तेमाल नहीं किया गया, मगर इनसे





'शहीद' को एक यादगार फिल्म बनाने में काफी मदद मिली। 'शहीद' के जेल के दृश्यों की शूटिंग लुधियाना की वास्तविक जेल में हुई थी। केहर सिंह के रूप में प्राण इस जेल के सर्वाधिक उम्र के कैदी थे जो अपनी फांसी के दिन का इंतजार करते हुए जेल में उपद्रव व अशान्ति फैला रहे थे। मदन पुरी जेलर की भूमिका में थे और अनवर हुसैन एक कैदी की भूमिका अदा कर रहे थे। चूंकि यह शूटिंग वास्तविक जेल में हुई थी, अत: कुछ असली कैदी भी इसमें नजर आए।

'शहीद' 1965 में पर्दे पर आई और लगभग उसी समय भारत-पाक युद्ध छिड़ गया। देश में देशभक्ति की भावना चरम उत्कर्ष पर थी, यह स्थिति देशभक्ति पर आधारित 'शहीद' के लिए मद्दगार हुई और फिल्म हिट हो गई।

नई दिल्ली में हुए प्रीमियर के लिए जब फिल्म के निर्माताओं ने नए प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री को आमंत्रित किया तो उन्होंने 15 मिनट का ही समय दिया था लेकिन बाद में शास्त्री जी ने पूरे तीन घंटे वहां रहकर पूरी फिल्म देखी और बाद में फिल्म की प्रशंसा में प्रेरणादायी बातें भी कहीं। फिल्म जहां भी प्रदर्शित हुई, बाक्स ऑफिस पर अपार सफल रही। फिर इसे तीन सरकारी पुरस्कार भी प्राप्त हुए– श्रेष्ठ कहानी के लिए आल इंडिया सर्टिफिकेट ऑफ मेरिट, 1965 की श्रेष्ठ हिन्दी फिल्म के लिए राष्ट्रपति द्वारा रजत पदक तथा राष्ट्रीय एकता पर श्रेष्ठ फिल्म के लिए बीस हजार रुपए नगद। इसके अलावा इस फिल्म को हर क्षेत्र में भारी मनोरंजन कर से मुक्त रखा गया। इस फिल्म की महत्ता का एक और सबूत था, इसका विदेशों के फिल्म समारोहों में प्रदर्शन के लिए चुना जाना। इस फिल्म के निर्माताओं को श्रेष्ठतम पुरस्कार लुधियाना में मिला, जब भगत सिंह की मां ने अश्रुपूरित नेत्रों से पूरी फिल्म देखी और अपने बेटे भाग्य की संक्षिप्त जीवन गाथा याद करते हुए इस श्रद्धांजलि के लिए कृतज्ञता ज्ञापित की। 1965 तक अभिनेता के तौर पर अच्छी स्थिति प्राप्त कर चुके मनोज कुमार को 'शहीद' से एक नया आयाम मिला निर्माता और निर्देशक बनने का और भारत कुमार की छवि हासिल करने का। हालांकि इस फिल्म के निर्देशक के तौर पर एस. राम शर्मा का नाम लिखा गया था, मगर सबको यह मालूम था कि वास्तविक काम मनोज कुमार ने ही किया था।

अपना ज्ञान टटोलें

1 **भारतीय रेल पर किस प्रकार के डिब्बे में सीटें 180 डिग्री घूम सकती हैं और छत के बाहर देखा जा सकता है।**

(क) विस्टाडोम कोच | (ख) 3एसी इकोनॉमी कोच | (ग) एलएचबी कोच | (घ) इनमें से कोई नहीं

2 **भारत में पहली रेलगाड़ी 16 अप्रैल, 1853 को..... से .....तक चली थी?**

(क) ठाने से मुंबई | (ख) कोलाबा से ठाने | (ग) ठाने से कोलाबा | (घ) बोरीबंदर (मुंबई) से ठाने

3 **किस वर्ष रेलवे बजट का विलय केंद्रीय बजट के साथ किया गया?**

(क) 2018 | (ख) 2017 | (ग) 2016 | (घ) 2019

4 **पहली उद्घाटित राजधानी एक्सप्रेस का परिचालन नई दिल्ली से कहां के लिए हुआ था?**

(क) हावड़ा | (ख) मुंबई | (ग) अहमदाबाद | (घ) सूरत

5 **भारतीय रेल अधिनियम 1989 के किस सेक्शन के तहत ट्रेन एवं रेलवे परिसर में धूम्रपान दंडनीय अपराध है?**

(क) सेक्शन 147 | (ख) सेक्शन 166 | (ग) सेक्शन 164 | (घ) सेक्शन 167

6 **कौन-सा स्टेशन यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थल सूची में शामिल है?**

(क) लोकमान्य तिलक टर्मिनस | (ख) छत्रपति शिवाजी टर्मिनस | (ग) गांधीनगर रेलवे स्टेशन | (घ) खड़गपुर रेलवे स्टेशन

7 **3एसी इकोनॉमी कोच का किराया 3एसी कोच से कितने प्रतिशत कम है?**

(क) लगभग 5% | (ख) लगभग 8% | (ग) लगभग 2% | (घ) लगभग 6%

8 **आईआरसीटीसी की फुल फॉर्म क्या है?**

(क) इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉर्पोरेशन लिमिटेड | (ख) इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिस्ट कॉर्पोरेशन लिमिटेड | (ग) इंडियन रेलवे केयरटेकिंग कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉर्पोरेशन लिमिटेड | (घ) इंडियन रेलवे कैंटीन एंड टूरिस्ट कॉर्पोरेशन लिमिटेड

9 **किसान रेल से ढोई जानेवाली वस्तुओं (कृषि उत्पाद) के मालभाड़े पर कितने प्रतिशत सब्सिडी दी जाती है?**

(क) 30 % | (ख) 40% | (ग) 50% | (घ) 60%

10 **रिटायरिंग रूम अधिकतम .... घंटे के लिए बुक किया जा सकता है।**

(क) 12 | (ख) 24 | (ग) 12 | (घ) 48

सही उत्तर

1. (क) 2. (ख) 3. (ग) 4. (क) 5. (ग) 6. (ख) 7. (ख) 8. (क) 9. (ग) 10. (ख)

रेल, पर्यटन व साहित्य को एक साथ संजोय

रेल मंत्रालय द्वारा प्रकाशित एकमात्र हिंदी मासिक पत्रिका



भारतीय रेल

की सदस्यता अब ऑनलाइन भी उपलब्ध

विज़िट करें

www.irctctourism.com/IRBRmag/#/khome/hn

क्यूआर कोड स्कैन करें

सदस्यता शुल्क

मद		ऑफलाइन सदस्यता शुल्क (₹)	ऑनलाइन सदस्यता शुल्क (₹)
एक प्रति (मासिक अंक)		20	-
एक प्रति (विशेषांक)		70	-
वार्षिक सदस्यता (सर्व साधारण)	एक वर्ष	250	263
	दो वर्ष	460	483
	तीन वर्ष	675	709
वार्षिक सदस्यता (रेलकर्मी)	एक वर्ष	200	210
	दो वर्ष	370	389
	तीन वर्ष	540	567
वार्षिक सदस्यता (विदेशी) सी-मेल द्वारा		1,250	1,313
वार्षिक सदस्यता (विदेशी) एयर-मेल द्वारा		2,500	2,625

(वार्षिक सदस्यता शुल्क विशेषांक के साथ)

भुगतान का माध्यम

ऑनलाइन सदस्य www.irctctourism.com/RBRMag पर सदस्यता शुल्क का भुगतान कर सकते हैं।

ऑफलाइन डी.डी./चेक/म.ओ./पो.ओ./नगद देय-'व्यापार प्रबंधक, भारतीय रेल, नई दिल्ली'

सदस्यता फॉर्म

नाम .....

पता .....

पोस्ट..... जिला.....

राज्य..... पिन कोड .....

मोबाइल ..... ई-मेल .....

रेल कर्मचारी : हाँ / नहीं वर्तमान सदस्यता (यदि हो तो) संख्या ..... तारीख .....

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें : व्यापार प्रबंधक, कमरा नं. 310, रेल भवन, रायसीना रोड, नई दिल्ली-110 001,
टेलीफोन: 011-47845089, 45089 (रेलवे) **bmpr310rb@gmail.com**

प्रिय विज्ञापनदाता

रेल मंत्रालय द्वारा प्रकाशित एकमात्र मासिक हिन्दी पत्रिका

भारतीय रेल

में अपना विज्ञापन देकर लाखों उपभोक्ताओं तक अपने उत्पादों की पहुंच बनाएं

विज्ञापन दरें

(विज्ञापन चार कलर में) नीचे दी गई दरों के साथ 5 प्रतिशत की जीएसटी/आइजीएसटी प्राप्य होगी

विवरण	विशेष दर (वार्षिक अंक) (₹)	सामान्य अंक (मासिक दरें)	
		सामान्य दरें (₹)	अनुबंधित दरें (₹)
बैक कवर	13,300	11,400	10,450
सेकेण्ड कवर	12,350	10,450	9,500
थर्ड कवर	11,400	9,500	8,550
पूरा पृष्ठ (विशेष स्थिति, जैसे टेक्स्ट के बाद में)	9,500	8,550	7,600
पूरा पृष्ठ	8,550	7,600	6,650
आधा पृष्ठ	6,650	5,130	4,180
सेंटर स्प्रेड	17,000	15,000	13,300
सेंटर स्प्रेड (दो पेज इकट्ठे) (स्पेशल पोजीशन)	18,500	16,500	14,700

* तीन महीने या ज्यादा समय के लिए लगातार अथवा बारी-बारी देने पर अनुबंधित दरें लागू।

तकनीकी विवरण

पत्रिका का आकार
28 X 20.5 सेमी

छपाई क्षेत्र
23 X 16.5 सेमी

भुगतान का माध्यम

'व्यापार प्रबंधक, भारतीय रेल, नई दिल्ली' के पक्ष में डिमाण्ड ड्राफ्ट अथवा नकद राशि रूम नं. 310, रेल भवन, नई दिल्ली-110 001 में जमा की जा सकती है

विज्ञापन सामग्री

ई-मेल, आर्टपुल, सीडी

पत्रिका का प्रसार

समग्र देश में

संपर्क करें :

प्रशांत कुमार पट्टनायक, व्यापार प्रबंधक
310, रायसीना रोड, नई दिल्ली-110 001,
टेलिफोन : 9717647367, 011-233822531, 23303665, 23304456

FLUID CONTROLS®
ENGINEERING CONNECTIONS EVERYDAY



MILLIONS OF CONNECTORS SUCCESSFULLY INSTALLED





Fluid Controls Private Limited has over 45 years of experience in engineering connections for Rail & Metro brake piping assemblies. Certified for the International Railway Industry Standard (IRIS – ISO/TS 22163:2017), Aerospace AS9100 and ISO/IEC 17025:2017 for our laboratory, Fluid Controls offers comprehensive solutions – from design, engineering, testing and on-site installation services to the supply of high-performance connectors, isolating cocks, cleats and tube & hose assemblies.

WE HAVE EXPERIENCE

45+ YEARS OF EXPERIENCE • IRIS & AS9100 CERTIFIED
IN-HOUSE R&D • OVER 30 MILLION CONNECTORS INSTALLED
APPROVED BY MAJOR ROLLING STOCK MANUFACTURERS

VISIT US AT INNOTRANS 2022 • BERLIN • HALL 10.2 • STALL 330

+91-22-68238000 railways@fluidcontrols.com fluidcontrols.com

SMRT1

Single phase relay test system

Smart choice for railway relay testing





KEY FEATURES!

- 75Amps high current capacity for testing instantaneous trip elements and high current COMTRADE Playback applications
- With regulated output power and accuracy to test microprocessor and electro-mechanical relays
- 15Amps convertible voltage channel for testing current differential high slope characteristics
- Automated testing templates for a typical Railway testing applications
- Ability to string multiple units together with an Ethernet cable
- Manual (with STVI) and automated relay testing system

Scan QR
code to download E-catalogue or
contact us at +91 91671 90558 /
india.marketing@megger.com

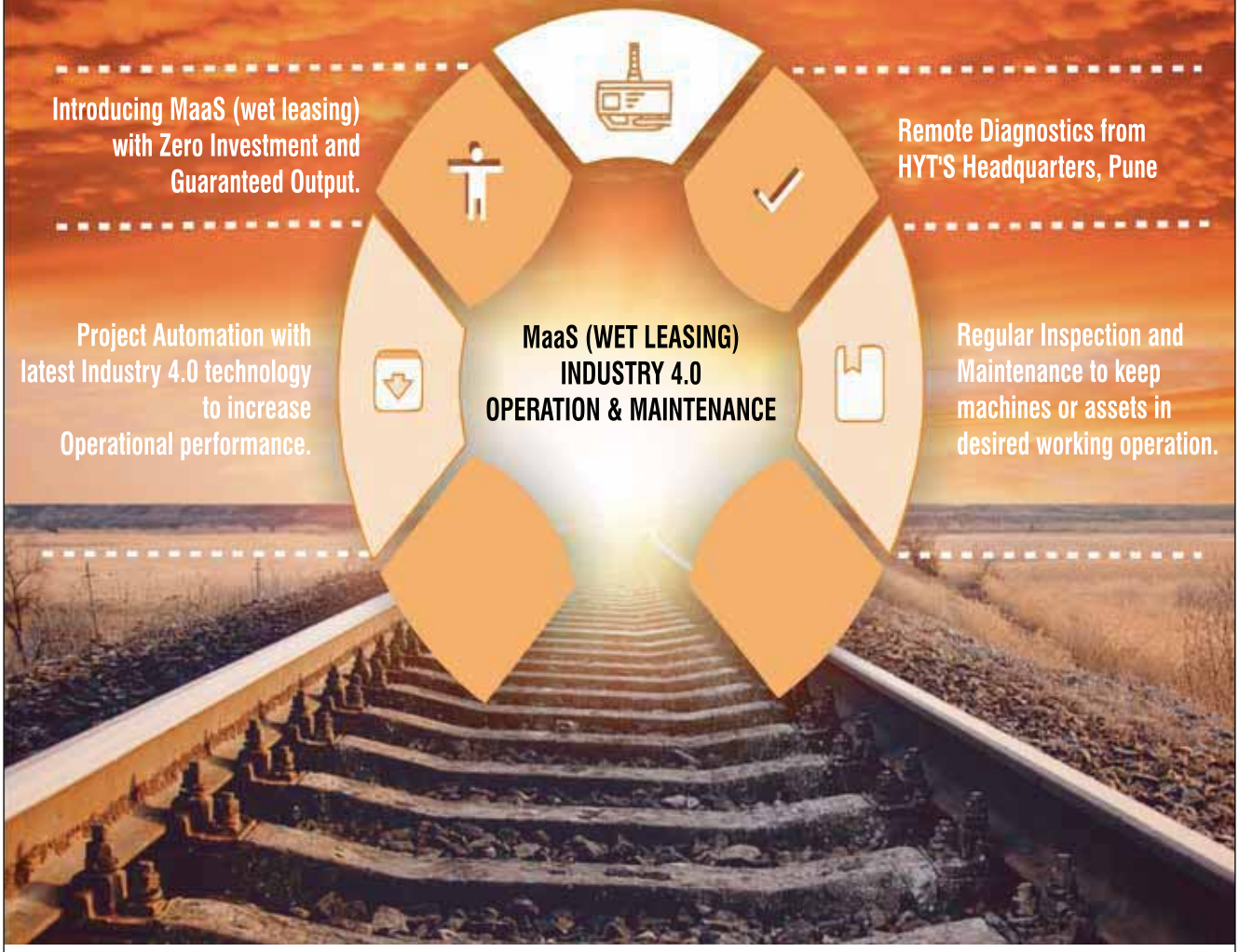
Megger

पंजीयन संख्या : दिल्ली पोस्टल नं. डी.एल. (एन.डी.)-11/6031/2021-22-2023
आर.एन.आई. रजिस्टर्ड नं. 14427/1960
दिनांक 08 को प्रकाशित तथा दिनांक 10-11 को प्रेषित

आई.एस.एस.एन. 2457-0001

THE NEW DAWN AT HYT
WITH MaaS, INDUSTRY 4.0, OPERATIONS & MAINTENANCE

OUR NEW PROJECT DEVELOPMENT MODEL



hyt

HYT ENGINEERING CO. PVT. LTD.

Sales Office: 17-18, Ground Floor, Hans Bhawan, Bahadur Shah Zafar Marg, I.T.O., New Delhi - 110 002, India. Phone: + 91 11 4320 2200/01

Work: 29/10, 29/10/1, 29/10/2, D-II Block, MIDC, Chinchwad, Pune - 411 019, India. Phone: + 91 20 6634 3900

www.hytengineering.com I info@hytengineering.com

मुद्रक व प्रकाशक : **प्रशान्त कुमार पट्टनायक** द्वारा रेल मंत्रालय (रेलवे बोर्ड) के लिए मैसर्स जे.के. ऑफसेट ग्राफिक्स प्रा.ली., बी-278, ओखला इंडस्ट्रियल एरिया, फेस-1, नई दिल्ली-20 में मुद्रित व 310, रेल भवन, रायसीना रोड, नई दिल्ली से प्रकाशित। संपादक : **योगेश अवस्थी**